RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 341 ■ मुंबई, बुधवार 2 जुलाई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

भारत का प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान नहीं चीन है

पेज-4

स्वस्थ शरीर से ही 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार होगा

पेज-6

'कुलदीप को लाओ, रवींद्र जडेजा को बाहर करो' : ग्रेग चैपल

पेज-9

पूरे तीन मिनट का होगा 'रामायण' का टीजर

पेज-10

भारत और चीन को चुकानी होगी दोस्ती की बड़ी कीमत

ट्रंप की 500 फीसदी टैक्स लगाने की तैयारी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस विधेयक को सीनेट (अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन) में पेश करने की इजाजत दे दी है, जिसमें कहा गया है कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 फीसदी का टैक्स लगाया जाए। इसमें भारत और चीन को भी शामिल किया गया है। दक्षिणी कैरोलिना से रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ग्राहम ने एक इंटरव्यू में इसका दावा किया है। ग्राहम ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ी सफलता है क्योंकि इस बिल का प्रस्ताव उन्हीं ने रखा है। यह बिल क्या करता है? यदि आप रूस से उत्पाद खरीद रहे हैं और आप यूक्रेन की मदद नहीं कर रहे हैं, तो आपके

उत्पादों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में आने पर 500 फीसदी का टैरिफ लगेगा। भारत और चीन पुतिन के तेल का 70 फीसदी खरीदते हैं और ऐसा कर वह रूस के युद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं। यह पहली बार है, जब ट्रंप ने इस बिल का समर्थन किया है, जिसका उद्देश्य चीन और भारत जैसे देशों पर उच्च टैरिफ लगाकर उन पर हमला करना है जो बड़ी मात्रा में रूसी तेल आयात करना जारी रखे हुए हैं। कल पहली बार राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझसे कहा कि विधेयक को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि जब वह गोल्फ खेल रहे थे तभी प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि बिल को आगे बढ़ाने का वक्त आ गया है।

ट्रम्प बोले- ...तो मस्क को अफ्रीका लौटना पड़ेगा

डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को टेस्ला के CEO इलॉन मस्क पर तंज कसा। उन्होंने कहा- अगर मस्क को मिलने वाली सब्सिडी बंद हो जाए, तो उनको अपनी दुकान (कंपनी) बंद करके दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ेगा। ट्रम्प के कहा कि सब्सिडी बंद होने से न तो टेस्ला इलेक्ट्रिक कार का प्रोडक्शन कर पाएगी, न ही स्पेसएक्स के रॉकेट, सैटेलाइट लॉन्च होंगे। ट्रम्प ने दावा किया कि मस्क को सरकारी सब्सिडी के तौर पर इतना पैसा मिला है, जितना शायद किसी और को नहीं मिला। उन्होंने सुझाव दिया कि DoGE इस मामले की डिटेल जांच करे। इससे देश का पैसा बचेगा।

हर भारतीय ₹4.8 लाख का कर्जदार

नई दिल्ली। भारत के हर व्यक्ति पर औसतन 4.8 लाख रुपए का कर्ज है। मार्च 2023 में यह 3.9 लाख रुपए था। बीते दो साल में इसमें 23% की बढ़ोतरी हुई है। यानी, हर भारतीय पर औसतन 90,000 रुपए का कर्ज और बढ़ गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने जून 2025 की फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

इसका मतलब है कि लोग पहले से ज्यादा उधार ले रहे हैं। इसमें होम लोन, पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड का बकाया और अन्य रिटेल लोन शामिल हैं। नॉन-हाउसिंग रिटेल लोन जैसे पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड बकाया में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। ये लोन टोटल डोमेस्टिक लोन का 54.9% हिस्सा है। ये डिस्पोजेबल इनकम (खर्च करने योग्य आय) का 25.7% है। हाउसिंग लोन का हिस्सा 29% है और इसमें भी ज्यादातर उनका है जो पहले से लोन लेकर दोबारा से ले रहे हैं।

रोजगार से जुड़ी कई योजनाओं को केंद्र सरकार की मंजूरी

दो साल में 3.5 करोड़ नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सरकार ने देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 99,446 करोड़ रुपये की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे दो साल में 3.5 करोड़ जॉब्स पैदा होने की उम्मीद है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने 99,446 करोड़ रुपये की ELI योजना को भी मंजूरी दी है। ELI का मतलब है एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव। इस योजना का मकसद मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरियां पैदा करना है। इस योजना से उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा जहां नौकरी मिलने की संभावना ज्यादा है। सरकार का लक्ष्य इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां पैदा करना है।

RDI योजना को भी मंजूरी

उन्होंने बताया कि सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये की RDI योजना को मंजूरी दी है। RDI का मतलब है रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन। इस योजना से देश में नई खोजों को बढ़ावा मिलेगा। इससे भारत में चीजें बनाने की क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, भारत का नाम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आगे आएगा। सरकार ने इस योजना को बनाने से पहले इजराइल, अमेरिका, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देशों के मॉडल को भी देखा था। सरकार ने RDI योजना के तहत कुछ खास क्षेत्रों पर ध्यान देने की बात कही है। इनमें ऊर्जा सुरक्षा, साफ ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स और स्पेस जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा, खेती, स्वास्थ्य और शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल भी शामिल है। बायोटेक्नोलॉजी, बायोमैन्युफैक्चरिंग, सिंथेटिक बायोलॉजी, दवाइयां और मेडिकल डिवाइस भी इस योजना का हिस्सा हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, डिजिटल खेती और देश को आत्मनिर्भर बनाने वाली टेक्नोलॉजी पर भी ध्यान दिया जाएगा।

शेष पेज 7 पर

Short News एक नजर

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री धमाका: मौत का आंकड़ा 36 हुआ

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 36 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद

किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 5 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। संगारेड्डी के SP परितोष पंकज ने यह जानकारी दी है। 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था।

जंगी जहाज 'INS तमाल' भारतीय नौसेना में शामिल

ब्रह्मोस मिसाइल से लैस, रडार की पकड़ से बाहर

मॉस्को/नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट 'INS तमाल' मिल गया है। INS तमाल को रूस के कैलिनिनग्राद में कमीशन किया गया। कमीशनिंग सेरेमनी वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह की अध्यक्षता में हुई।

तमाल रूस से मिला आठवां और तुशिल क्लास की दूसरी वॉरशिप है। यह 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं।

तमाल को रूस के यंतर शिपयार्ड में भारतीय विशेषज्ञों की निगरानी में तैयार किया गया है। इसमें 26% स्वदेशी तकनीक शामिल है। यह जहाज 30 नॉट्स (55kmph) से ज्यादा की रफ्तार से चल सकता है और समुद्र के भीतर से लेकर हवा तक हमला करने की क्षमता रखता है। INS तमाल ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है और रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। इसे नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल किया जाएगा। जहां ये अरब-हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तानी सीमा की निगरानी करेगा।

जयशंकर ने भारत-PAK सीजफायर पर डोनाल्ड ट्रम्प का दावा किया खारिज

अमेरिका में बोले- जंग रोकने की वजह ट्रेड नहीं, मोदी-वेंस की बातचीत के दौरान मौजूद था

महानगर नेटवर्क

वाशिंगटन डीसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में ट्रम्प के दावे को खारिज किया। जयशंकर ने कहा- भारत-पाकिस्तान सीजफायर में अमेरिका के साथ व्यापार का कोई संबंध नहीं है। जयशंकर ने कहा- 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की थी। मैं भी उस दौरान उसी कमरे में था। वेंस ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान भारत पर बड़े हमले की योजना

बना रहा है। पीएम मोदी ने इसकी परवाह न करते हुए कहा था- हमले का जवाब दिया जाएगा।

विदेश मंत्री ने कहा- अगली सुबह (10 मई) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पीएम से संपर्क किया। कहा- पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। इसके बाद पाकिस्तान के DGMO मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने भारत के DGMO लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई से संपर्क किया और सीजफायर की रिक्वेस्ट की थी।

पहलगाम अटैक सोचा समझा आर्थिक युद्ध था

जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

भारत अब न्यूक्लियर हथियारों की धमकी से डरने वाला नहीं

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद का भारत करारा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि भारत अब न्यूक्लियर हथियारों की धमकी से डरने वाला नहीं है।

रविंद्र चव्हाण को भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश की कमान

हिमाचल में राजीव बिंदल, तेलंगाना में एन.रामचंद्रन, उत्तराखंड में महेंद्र भट्ट बने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष

शिमला/हैदराबाद। जुलाई में राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर मुहर लगाने से पहले बीजेपी ने राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों को कमान सौंपना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को पांच राज्यों हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, तेलंगाना, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में प्रदेश अध्यक्ष की ताजपोशी की गई। राजीव बिंदल हिमाचल प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं, जबकि महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड की कमान सौंपी गई है। तेलंगाना में विधायक टी.राजा सिंह के विरोध के बाद भी एन.रामचंद्रन को कमान सौंपी गई है। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चाह्वाण को फुल पावर देकर पूर्ण रूप से प्रभार दिया गया। मिजोरम में विधायक के. बेचुआ नए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चुने गए। जानकारी के अनुसार, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर अंतिम सहमति बनने से पहले 20 से अधिक राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति हो चुकी है। अगले दस दिनों में 26 राज्यों में नए क्षत्रपों की नियुक्ति हो जाएगी।

थाइलैंड में कोर्ट ने PM को पद से हटाया

बैंकॉक। थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने PM पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा को उनके पद से सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के नेता हुन सेन से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत में उन्होंने थाई सेना के कमांडर की आलोचना की थी। इसे थाईलैंड में गंभीर मामला माना जाता है क्योंकि सेना का वहां काफी प्रभाव है।

11 लोगों की मौत की जिम्मेदार RCB

जांच में सामने आ गया बड़ा गुनाह, फैंस के साथ हो गया खिलवाड़

महानगर नेटवर्क

बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर टीम के विजय जुलूस की घोषणा करने से पहले पुलिस से उचित अनुमति नहीं ली थी। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (CAT) ने यह बात कही है। ट्रिब्यूनल ने यह टिप्पणी कर्नाटक सरकार द्वारा वरिष्ठ IPS अधिकारी विकास कुमार को निलंबित करने के आदेश को रद्द करते हुए की। विकास कुमार को पिछले महीने बेंगलुरु में एक घातक भगदड़ के बाद निलंबित कर दिया गया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आरसीबी की वजह से तीन से पांच लाख लोग

जमा हुए और आरसीबी ने पुलिस से अनुमति नहीं ली। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के कारण लोग इकट्ठा हुए। भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी।

स्टेडियम के बाहर पहुंचे लाखों लोग आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद टीम द्वारा विधान सौधा से विजय परेड और स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ जश्न के कार्यक्रम की घोषणा के बाद स्टेडियम के पास एमजी रोड और कुब्बोन रोड इलाकों में लगभग ढाई लाख प्रशंसक उमड़ पड़े थे।

कैट ने कहा, 'इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए आरसीबी जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली।'

हिमाचल में बरसी आफत

महानगर नेटवर्क

मंडी

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला में पिछले 30 घंटों में आफत की तरह बरसी बारिश ने 2023 की आपदा की याद दिला दी है। बीती रात से लगातार जारी बारिश से जिले के विभिन्न उपमंडलों में बादल फटने, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की घटनाओं के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

अब तक चार की मौत, 16 लोग लापता

इन घटनाओं में चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 16 लोग अभी भी लापता हैं। जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों द्वारा अब तक 170 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है। डीसी मंडी अपूर्व देवगन स्वयं घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई जिलों में स्कूल बंद हैं। बागेश्वर जिले में सरयू नदी उफान पर है। उत्तरकाशी के सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना में लापता हुए लोगों के लिए रेस्क्यू अभियान तीसरे दिन भी जारी है।

भारत से तनाव के बीच UNSC का अध्यक्ष बन गया पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान ने मंगलवार से जुलाई 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की अध्यक्षता संभालनी शुरू कर दी है। सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के दो साल के कार्यकाल का हिस्सा है। पाकिस्तान जनवरी 2025 में दो साल के कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया था। पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में भारी समर्थन के साथ सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया और उसे 193 में से 182 वोट मिले थे। सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता का पद मासिक आधार पर 15 सदस्यों के बीच वर्णानुक्रम में बदलता रहता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कहा, "पाकिस्तान की अध्यक्षता पारदर्शी, समावेशी और उत्तरदायी होगी।" राजदूत इफ्तिखार जुलाई में प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर सुरक्षा परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

नकाब नहीं पहन सकेंगी महिलाएं...

अस्ताना। कजाकिस्तान में महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर नकाब या चेहरे को ढकने वाला कपड़ा नहीं पहन सकेंगी। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट टोकायेव ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कानून सार्वजनिक जगहों पर किसी को अपना चेहरा ढकने पर रोक लगाता है। सोवियत संघ का हिस्सा रहे कजाकिस्तान की सरकार का ये आदेश इसलिए ध्यान खींचता है क्योंकि देश की 70 फीसदी आबादी इस्लाम धर्म को मानने वाली है। दुनियाभर में मुस्लिम महिलाओं के बड़े हिस्से में हिजाब (चेहरा ढकने) पहनने का चलन देखा जाता है। ऐसे में कजाकिस्तान सरकार के फैसले को देश के धार्मिक संगठनों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि कानून में सीधे तौर पर किसी धर्म या धार्मिक पोशाक का जिक्र नहीं किया गया है।

'आई लव यू' कहना, यौन उत्पीड़न नहीं, जब तक कि...

महानगर नेटवर्क

नागपुर

किसी युवती या महिला से सिर्फ 'आई लव यू' कहना यौन उत्पीड़न नहीं है, जब तक कि इन शब्दों के साथ ऐसा आचरण न हो जो स्पष्ट रूप से उस पुरुष के यौन इरादे को दर्शाता हो। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने हाल ही में यह फैसला सुनाया है। पीठ ने 2015 में एक किशोरी से छेड़छाड़ के कथित आरोपी 35 वर्षीय व्यक्ति को बरी करते हुए दो टूक कहा कि 'आई लव यू' कहना केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति है और यह अपने आप में 'यौन इरादे' का प्रकटीकरण नहीं है।

रवींद्र पुत्र लक्ष्मण नारेते बनाम

महाराष्ट्र राज्य के मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के ने कहा कि आई लव यू जैसे वाक्यांश यौन इरादों को प्रकट नहीं करते हैं। पीठ ने एक नाबालिग लड़की का पीछा करने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम

हाई कोर्ट ने क्यों कर दिया युवक को बरी?

(POCSO अधिनियम) और भारतीय दंड संहिता (IPC) के प्रावधानों के तहत दर्ज एक व्यक्ति की सजा को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की है।

दिए गए फैसले में पीठ ने कहा, 'मैं तुमसे प्यार करता हूँ (I Love You)' जैसे शब्द अपने आप में 'यौन इरादे' प्रकट नहीं करते, जैसा कि विधायिका द्वारा भी माना जाता है। कुछ और भी होना चाहिए जो यह साबित कर सके कि उस शख्स का वास्तविक इरादा यौन कृत्य से जुड़ा था। 'कोर्ट ने कहा कि अगर बोले गए शब्दों को यौन इरादे के रूप में लिया जाता है तो यह उसके कुछ कृत्य से भी परिलक्षित होने चाहिए।'

जस्टिस उर्मिला जोशी-फाल्के की पीठ ने पारित आदेश में कहा कि किसी भी यौन कृत्य में अनुचित स्पर्श, जबरन कपड़े उतारना, अभद्र इशारे करना या महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से की गई कोई टिप्पणी शामिल होनी चाहिए। शिकायत के अनुसार, व्यक्ति ने नागपुर में 17 वर्षीय पीड़िता को परेशान किया, उसका हाथ पकड़ा और कहा 'मैं तुमसे प्यार करता हूं'।

कर्नाटक में नहीं बदलेगा सीएम!

डीके शिवकुमार के हाथ फिर लगी निराशा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कर्नाटक में सिद्धारमैया की कुर्सी जाएगी या बचेगी? इस सवाल पर कांग्रेस ने फिलहाल के लिए विराम लगा दिया है। क्योंकि कई दिनों से कयास लगाए जा रहे थे कि कर्नाटक में सत्ता की बागडोर डीके शिवकुमार के हाथों में आ सकती है। लेकिन इन अफवाहों और अटकलों पर कांग्रेस हाईकमान ने पूरी तरह से विराम लगा दिया है। कांग्रेस ने हाईकमान ने कम से कम अभी के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बदलने के किसी भी कदम से

इनकार किया है।

यह स्पष्टीकरण पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला की ओर से आया है, जो पार्टी के कर्नाटक प्रभारी भी हैं, और उन्हें राज्य इकाई के भीतर बढ़ती बेचैनी और आंतरिक कलह को दूर करने के लिए कांग्रेस हाईकमान द्वारा बेंगलुरु भेजा गया था। सुरजेवाला ने स्पष्ट किया कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की कोई योजना नहीं है। उनका यह बयान सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर आंतरिक गुटबाजी को लेकर कई दिनों से चल रही राजनीतिक चर्चा के बाद आया है, जिसमें नेतृत्व के कुछ वर्ग कथित तौर पर शीर्ष स्तर पर फेरबदल के लिए दबाव डाल रहे हैं। हाईकमान के इस कड़े सार्वजनिक बयान का उद्देश्य एक दृढ़ संदेश देना प्रतीत होता है। जिससे अनिश्चितता को समाप्त करना और कर्नाटक सरकार के भीतर स्थिरता को मजबूत करना है।

धूमधाम से मनाया गया अमरजीत सिंह का जन्मदिन

मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। हीरानंदानी स्थित बीआयएस कार्यालय ओमेगा हाउस सहित कालीना में कई जगहों पर लोगों ने केक काट कर तथा हार पहना कर अमरजीत सिंह का स्वागत किया। सिंह परिवार की ओर से भी आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उन्हें जन्मदिन की बधाई दी गई और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। बधाई देने वालों में उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, बीआयएस और 'हमारा महानगर' की निदेशिका गीता सिंह, निदेशक जीएस भदौरिया, राजेश सिंह, संजू सिंह के साथ परिवार के सभी सदस्य, बीआयएस और 'हमारा महानगर' के कर्मचारी और अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा कालीना विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चंदू मोरे, भाजपा प्रवक्ता अजय सिंह, एड. दीनानाथ तिवारी, राहुल तिवारी प्रवक्ता मुंबई भाजपा, सुधीर दलवी, अजय बडगुजर, देवेश मिश्रा पूर्व कालीना विधानसभा क्षेत्र उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र मिश्रा पूर्व महामंत्री कालीना विधानसभा क्षेत्र, रवी आपटे पूर्व महामंत्री कालीना विधानसभा क्षेत्र, भुपेश कोठारी, जुलियस जॉन, बीना दिवेकर वाकोला मंडल अध्यक्ष, सुधीर मुलीक वाकोला मंडल अध्यक्ष, दीपू सिह कुर्ला मंडल अध्यक्ष, अनिकेत मोरकर वार्ड अध्यक्ष 165, प्रणव सावंत वार्ड अध्यक्ष 166, भाग्येश चौधरी वार्ड अध्यक्ष 167, सतीश खंडागले वार्ड अध्यक्ष 90, अमित दुबे वार्ड अध्यक्ष 89, जूलियस जॉन, सर्वजीत सिह, बाबा सिंह, त्रिणेश सिंह, प्रकाश गौरव, बाबा सिंह, प्रेम सिंह, भोलानाथ मिश्रा,बृजेश अग्रवाल, रवि यादव, सुनीता चांदिवडे, शिल्पा गुरव , मानसी पवार, नांजी भाई वान, उपेंद्र विश्वकर्मा, कृष्णा थोरात, विकास तिवारी,रवि भालेराव , जसबीर बत्रा, गंगा शर्मा,मारुती कानेली के अलावा अन्य दलों के कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष, कालीना विधानसभा के वरिष्ठ नागरिकों ने सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं व उनके दीर्घायु की कामना की।

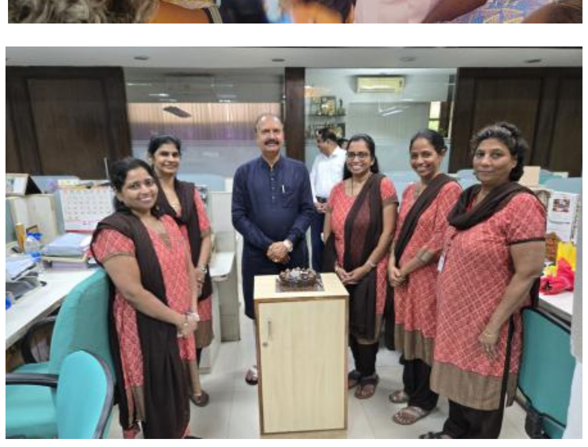

मानसूनी बीमारी का बढ़ा प्रकोप

मलेरिया और गैस्ट्रोएन्टेराइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ी

मुंबई। मनपा के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जून महीने में मरीजों की संख्या को लेकर जानकारी दी गई। मनपा द्वारा जारी किए गए आंकड़ों अनुसार वर्ष 2025 में जनवरी से जून तक मानसूनी बीमारियों के मामलों में पिछले साल की तुलना में वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से मलेरिया और गैस्ट्रोएन्टेराइटिस के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मनपा के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मलेरिया के मामले 2024 में 2055 थे जो 2025 में बढ़कर 2857 हो गए। डेंगू के मामले 431 से बढ़कर 452 हो गए। चिकनगुनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई जो 21 से बढ़कर 136 हो गए। वहीं लेप्टोस्पायरोसिस के मामले 140 से घटकर 101 हुए। गैस्ट्रो के मामले 4200 से बढ़कर 4513 हो गए हेपेटाइटिस के 347 से बढ़कर 437 हुए जबकि कोरोना के मामलों में कमी आई और यह 1392 से घटकर 992 हो गए। मनपा स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बारिश के मौसम को देखते हुए मई और जून में विशेष निर्माण स्थल निरीक्षण अभियान चलाया गया जिसके तहत 3033 निर्माण स्थलों की जांच की गई।

● इन स्थलों से 50,085 रक्त स्लाइड्स एकत्र की गईं, जिनमें से 30 लोगों में मलेरिया की पुष्टि हुई,जिन्हें तत्काल इलाज दिया गया। बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए मनपा ने नागरिकों को सुझाव दिए हैं। मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचने के लिए घर और आस-पास पानी जमा न होने दें। पुराने टायर, पानी की टंकियां, पाइप और प्लास्टिक कंटेनर न रखें। मच्छरदानी और मच्छर रोधी उत्पादों का उपयोग करें। बुखार आने पर तुरंत नजदीकी मनपा अस्पताल या दवाखाने में जांच कराएं। लेप्टोस्पायरोसिस से बचाव के लिए जमा पानी में न चलें। मजबूरी में चलना पड़े तो गमबूट पहनें और डॉक्टर की सलाह से 72 घंटे के भीतर दवा लें।

कल्याण-पूर्व से पश्चिम जाना मुश्किल

नागरिकों का आरोप, टैक्स देके फंसे ट्रैफिक में

कल्याण। एक समय था जब कल्याण-पूर्व से पश्चिम जाना कुछ ही मिनटों का काम हुआ करता था,लेकिन अब यही रास्ता नागरिकों के लिए रोज की सजा बन गया है। मेट्रो कार्य शुरू होने से सड़कों की चौड़ाई कम हो गई है और ऊपर से अवैध पार्किंग,रिक्शा चालकों की मनमानी और मनपा की ढिलाई ने मिलकर इस संकट को और भी गहरा बना दिया है। दो मिनट का सफर अब आधे घंटे से भी ज्यादा समय ले रहा है। मेट्रो मॉल के बाहर अवैध रूप से खड़ी गाड़ियां, बिना किसी डर के खड़े किए गए रिक्शे और सड़कों पर बने अवैध ठेले नागरिकों के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। बाहर जाने वाले लोग अपनी गाड़ियां सड़कों पर ही छोड़ देते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम और भी भयावह हो जाता है। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि नागरिक अब सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो वायरल कर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

मनपा हुई मालामाल

सिर्फ तीन महीने में की 419 करोड़ की कमाई

अभी 1630 करोड़ की वसूली बाकी

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका (टीएमसी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में 419 करोड़ 32 लाख रुपए की कर वसूली कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हालांकि कुल निर्धारित लक्ष्य 2050 करोड़ रुपये में से अब भी 1630 करोड़ रुपये की वसूली बाकी है, जिसे अगले नौ महीनों में पूरा करना नगर प्रशासन के लिए एक कठिन चुनौती साबित हो सकती है।

बता दें कि संपत्ति कर विभाग ने हमेशा की तरह इस बार भी वसूली में बाजी मारी है। विभाग ने तीन महीनों में 291 करोड़ रुपये वसूलकर सबसे बड़ा योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि मनपा ने इस विभाग के लिए 819 करोड़ 71 लाख रुपये का वार्षिक लक्ष्य रखा है और इसकी पूर्ति के लिए अप्रैल से ही रणनीतिक रूप से काम शुरू कर दिया गया था। करदाताओं को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया गया और 10 प्रतिशत की छूट योजना ने समय पर भुगतान को बढ़ावा दिया, जिससे आय में बढ़ोतरी हुई।

अब सड़कों के गड्ढों ने बढ़ाई मुसीबत

वसई-विरार की सड़कें गड्ढों में तब्दील

विरार। वसई-विरार की सड़कों पर गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क, इसका अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। इस क्षेत्र की ज्यादातर सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों के रूप में तब्दील हो गई हैं,गड्ढों के कारण इन सड़कों से गुजरने वाले वाहन चालक रोजाना दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कुछ रास्तों को मनपा ठेकेदारों द्वारा सिर्फ पत्थरों और मिट्टी से पाटकर छोड़ दिया गया है जो बारिश के पानी के साथ बह जा रही है और मार्ग फिर से अपने पुराने हालात पर पहुंच जा रहे हैं। ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा उस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को भुगतना पड़ रहा है। सड़कों के गड्ढों ने मुसीबत और बढ़ा दी है,क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लोग अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं, लेकिन इस ओर ना तो मनपा प्रशासन का ध्यान है और ना ही जनप्रतिनिधियों का ऐसी स्थिति में क्षेत्र के लोग भगवान भरोसे जीवन जीने को विवश है।

इन रास्तों पर गड्ढों की भरमार

पेल्हार सोपारा फाटा की ओर जाने वाले तुलिंज टोलनाका, संतोष भुवन, बावसेत पाड़ा, गोवराई पाड़ा, धाणिवबाग, वाकनपाड़ा, नेशनल होटल के समीप पूरी तरह खस्ताहाल हैं।

रोजाना इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं अधिकारी

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन इस मार्ग से अधिकारियों का आवागमन होता है, लेकिन किसी की नजर इन गड्ढों पर नहीं पड़ती, जिसके परिणाम स्वरूप इन रास्तों से गुजरने वाले दर्जनों वाहन चालक प्रतिदिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं उधर, मनपा अधिकारियों का कहना है कि बरसात के कारण सड़क पर नए गड्ढे हो जा रहे हैं ,जिन्हें भरने का कार्य किया जा रहा है। इसके बावजूद जिन स्थानों की जानकारी मिल रही है वहां कर्मचारियों को भेजकर गड्ढों को भरने का काम हो रहा है ।ऐड्वकेट राहुल सिंह ने कहा कि वसई-विरार क्षेत्र में गड्ढे में सड़क या सड़क में गड्ढे, इसको समझ पाना मुश्किल है। गड्ढों के कारण दो पहिया वाहनचालकों के साथ दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। बेरोज़गारी के चलते लोगों की मुसीबतें पहले से ही बढ़ी, ऐसे में अस्पताल का खर्चा उनके ऊपर दोहरा असर कर रहा है।

गड्ढों के लिए मनपा और सत्ताधारी दल जिम्मेदार

निर्भीर संस्था के अध्यक्ष नानासाहेब कोलेकर ने कहा कि वसई-विरार में सड़कों की दुर्दशा के लिए मनपा और स्थानीय सत्ताधारी पार्टी दोनों ही जिम्मेदार हैं। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाले मैटेरियल का निरीक्षण नहीं होता। हर वर्ष पैंचवर्क कर सड़कों को सजाया जाता है,जो पहली बारिश में ही सत्ताधारी और प्रशासन को मुंह चिढ़ाती नजर आता है। इन लोगों ने कभी भी जनता की सुविधा पर ध्यान नहीं दिया, जिसका खामियाजा यहां के लोग भुगत रहें हैं।

मीरा - भायंदर नागरिक संस्था का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

भायंदर। मीरा - भायंदर नागरिक संस्था के 36 वें वार्षिकोत्सव पर सम्मान समारोह एवं कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में दिवंगत हास्य व्यंग्य कवि श्याम ज्वालामुखी की स्मृति में दिया जाने वाला श्याम ज्वालामुखी सम्मान हास्य व्यंग्य कवि हरीश हिन्दुस्तानी को प्रदान किया गया। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के हाथों उन्हें यह सम्मान दिया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक गजेन्द्र भंडारी के साथ भाजपा नेता एडवोकेट रवि व्यास, विशेष अतिथि महेश अग्रवाल,समाजसेवी ओमप्रकाश झाझुका, श्यामसुंदर अग्रवाल, सीए सुनील शर्मा,मनोज खेमका, सुरेश खंडेलवाल, नंदू पोद्दार, राजेन्द्र होलानी , रमेश कोठारी , सुभाष जांगीड , मनोज पचलंगिया,संदीप अग्रवा , संस्था के संस्थापक ओमप्रकाश कावड़िया उपस्थित थे। इस वार्षिकोत्सव में हास्य कवि सम्मलेन का भी आयोजन किया गया, जिसमें आशकरण अटल,सुभाष काबरा,पूरन पंकज ,गौरव शर्मा तथा हरीश हिन्दुस्तानी ने हास्य व्यंग्य कविताओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। इस आयोजन में काफी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित थे।

1.38 लाख की बिजली चोरी

भिवंडी। शहर के नागांव पटेल कंपाउंड क्षेत्र में टोरेंट पावर कंपनी को लाखों रुपये का चूना लगाने का मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस ने इस मामले में आदम ईस्माल जावलेकर नामक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक टोरेंट पॉवर कंपनी के एक्जीक्यूटिव अनिकेत कडु मेहरे ने शिकायत दर्ज कराई है कि निजामपुर चौथा, पटेल कंपाउंड के रहने वाले आदम जावलेकर ने अपने आर्थिक फायदा हेतु कंपनी के फ्यूज सेक्शन पिलर से अवैध कनेक्शन कर 5976 युनिट बिजली इस्तेमाल करते हुए 1,38,982.68 रूपये की बिजली चोरी की। पुलिस ने इस मामले में भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रेलवन ऐप का शुभारंभ

मुंबई। रेलवन ऐप का शुभारंभ रेलवे मंत्री द्वारा CRIS के 40वें स्थापना दिवस समारोह में किया गया। यह ऐप Android PlayStore और iOS App Store, दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है । इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक सरलता से पहुंच मिलती है। टिकटिंग-आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफार्म टिकट; ट्रेन और PNR पूछताछ,यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग। साथ ही, इसमें माल परिवहन (फ्रेट) से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है। इस ऐप का मूल उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, जिसे सरल और स्पष्ट यूआई (यूज़र इंटरफ़ेस) के माध्यम से साकार किया गया है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर समाहित करता है, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत संपर्क भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेल सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। इस ऐप की एक विशेष सुविधा है सिंगल साइन-ऑन। इससे उपयोगकर्ताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। RailOne ऐप डाउनलोड करने के बाद, RailConnect या UTSonMobile ऐप की मौजूदा यूज़र आईडी से लॉगिन किया जा सकता है।

परे द्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का नरडाणा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई। पश्चिम रेलवे (परे) द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09079/09080 और ट्रेन संख्या 09081/09082 उधना-मिरज आषाढ़ी एकादशी स्पेशल को नरडाणा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण निम्नानुसार है। 04 जुलाई को उधना से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09079 उधना-मिरज स्पेशल को नरडाणा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 14.33 बजे नरडाणा स्टेशन पहुंचेगी और 14.35 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, 05 जुलाई को मिरज स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09080 मिरज-उधना स्पेशल को नरडाणा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 00.40 बजे नरडाणा स्टेशन पहुंचेगी और 00.42 बजे प्रस्थान करेगी। 5 जुलाई को उधना से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09081 उधना-मिरज स्पेशल को नरडाणा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 14.33 बजे नरडाणा स्टेशन पहुंचेगी और 14.35 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह 6 जुलाई को मिरज स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09082 मिरज-उधना स्पेशल को नरडाणा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 00.40 बजे नरडाणा स्टेशन पहुंचेगी और 00.42 बजे प्रस्थान करेगी।

शक्तिपीठ एक्सप्रेस-वे रद्द करने की मांग

विपक्ष ने किया विधानमंडल की सीढ़ियों पर प्रदर्शन

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र के 12 जिलों से गुजरने वाले शक्तिपीठ एक्सप्रेस-वे परियोजना को रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार को विधानभवन की सीढ़ियों पर प्रदर्शन किया। इस दौरान विपक्ष के सदस्य एक ही जिद्द- शक्तिपीठ रद्द और सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। इधर मराठवाड़ा के कई जिलों के किसानों ने प्रस्तावित नागपुर-गोवा शक्तिपीठ एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए हो रहे भूमि सर्वेक्षण का विरोध करते हुए सड़कों पर प्रदर्शन किया। नांदेड़ जिले के अर्धापुर तहसील के मालेगांव में सड़क पर बैठकर धरना दिया और अपनी भूमि न देने की शपथ ली।

परियोजना के लिए 7,500 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होगा

हिंगोली जिले में किसानों ने नांदेड-वाशिम रोड पर बैठकर प्रदर्शन किया, जिससे कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। बीड और धाराशिव जिलों के कुछ हिस्सों में भी इसी तरह के आंदोलन किए गए। महाराष्ट्र सरकार ने 24 जून को अहम फैसला लेते हुए 802 किलोमीटर लंबे शक्तिपीठ एक्सप्रेस-वे के लिए डिजाइन और भूमि अधिग्रहण की मंजूरी दी थी। इस परियोजना के लिए 7,500 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। कोल्हापुर, बीड, सांगली, धाराशिव जैसे जिलों के किसान इस परियोजना के लिए भूमि सर्वेक्षण नहीं करने दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस परियोजना से हजारों किसानों की खेती योग्य उपजाऊ जमीनों को नष्ट किया जा रहा है। राज्य के 12 जिलों वर्धा, परभणी, यवतमाल, नांदेड, बीड, लातूर, हंगोली, धाराशिव, सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग सहित 18 धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले शक्तिपीठ महामार्ग की कुल लंबाई 802 किलोमीटर होगी।

भाजपा के नए कप्तान रविंद्र चव्हाण

रिजिजू ने रविंद्र चव्हाण के नाम की घोषणा की, देवेंद्र फडणवीस ने फूंका चुनावी बिगुल

सीएम ने चव्हाण को बताया 24 घंटे काम करने वाला नेता

मुंबई। लंबे इन्तजार के बाद आखिरकार मंगलवार को नया अध्यक्ष मिल गया। पार्टी में पूर्व मंत्री और विधायक रविंद्र चव्हाण को भाजपा का नया कप्तान बनाया है। मंगलवार को वर्ली डोम में भाजपा की तरफ एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चुनाव अधिकारी केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने प्रदेश अध्यक्ष पद पर रविंद्र चव्हाण के नाम की घोषणा की। इस मौके पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस ने मुंबई मनपा और स्थानीय होने वाले चुनाव को लेकर बिगुल फूंक दिया है। फडणवीस ने कहा कि हम महाराष्ट्र के हित की राजनीति कर रहे हैं। चुनाव देखकर नहीं कि कौन पार्टी किस पार्टी के साथ गठबंधन कर रही है। हमारा लक्ष्य किसानों को समृद्ध करना,युवाओं को रोजगार देना है निवेश मामले में 16

लाख करोड़ रुपए का करार कर राज्य को पहले स्थान पर लाकर खड़ा किया है। हम महाराष्ट्र के किसानों के जीवन में बदलाव लाना चाहते हैं। हम गरीब किसानों को पानी देना चाहते हैं,हमने 2014 के बाद जो कहा,वह किया है। हम बातूनी नहीं हैं। बड़े-बड़े भाषण देना और शून्य उपलब्धियां हासिल करना हमारा काम नहीं है। यह जनता सब जानती है। फडणवीस ने हिंदी भाषा के विवाद पर उद्धव और राज ठाकरे को निशाने पर लेते हुए कहा महाराष्ट्र में मराठी अनिवार्य है,सभी को मराठी सीखनी चाहिए। साथ ही,हमें हिंदी पर गर्व है। हमें भारत की हर भाषा पर गर्व है लेकिन हम किसी को भी अंग्रेजी को पीछे छोड़ने और भारतीय भाषाओं का विरोध करने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। फडणवीस ने राय व्यक्त की कि एक समिति बनाई गई है, हम किसी के दबाव में आए बिना महाराष्ट्र के छात्रों के हित में निर्णय लेंगे। भाजपा की सरकार आने के बाद हमने मुंबई की सूरत बदल दी।

चव्हाण के सामने बड़ी चुनौती

भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के सामने आगामी मनपा और स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को जीत दिलाने की बड़ी चुनौती है, जो चव्हाण के लिए आसान नहीं है। एक तरफ विपक्षी दल महाविकस आघाड़ी तो दूसरी तरफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और यूबीटी अगर साथ आ गई, तो चव्हाण के लिए चुनाव आसान नहीं होगा।

इसलिए कई पार्टियां एक आ रही है: शेलार

आगामी पांच जुलाई को उद्धव और राज ठाकरे की संयुक्त होने वाली विजय रैली पर भाजपा नेता आशीष शेलार ने तंज कसा है बिना नाम लिए शेलार ने कहा कि कई पार्टियां एक साथ इसलिए आ रही हैं, क्योंकि लगता है कि विजय रैली में एक पार्टी में लोग नहीं आएंगे। आशीष शेलार ने मनसे और यूबीटी को निशाने पर लेते हुए कहा कि विजय रैली में भीड़ जुटाने के लिए विजय रैली में आने के लिए कई पार्टियों को निमंत्रण दिया जा रहा है। क्योंकि एक पार्टी की ताकत नहीं है की वो भीड़ जुटा पाए। शेलार ने चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए किए गए काम की भी प्रशंसा की। वर्ली डोम में आयोजित प्रदेश अध्यक्ष घोषणा के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी,मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू,राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े,भाजपा राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिवप्रकाशजी, पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे पाटिल,राज्य की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे,गिरीश महाजन सहित सभी मंत्री सांसद,विधायक,पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक कुणाल पाटिल अपने भारी संख्या में समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश किया।

विधान परिषद में उठा संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के रहवासियों के पुनर्वसन का मुद्दा

वन मंत्री गणेश नाईक ने सदन को दी जानकारी

मुंबई। राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक ने कहा कि बोरीवली स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के आस -पास क्षेत्र को केंद्र सरकार ने पर्यावरण का हवाला देते हुए संवेदनशील क्षेत्र करार दे दिया है, इसलिए यहां के नागरिकों के पुनर्वसन के लिए ठाणे के जिलाधिकारी और गृहनिर्माण विभाग को जमीन ढूंढने के लिए कहा गया है। मंगलवार को विधान परिषद में लिखित प्रश्नोत्तर के माध्यम से भाजपा सदस्य राजहंस सिंह ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के रहवासियों के पुनर्वसन का मुद्दा उपस्थित उठाया था,जिसके

जवाब में गणेश नाईक बोल रहे थे। वन मंत्री ने कहा कि 25 फ़रवरी को मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी,जिसमे नेशनल पार्क के आस -पास के नागरिकों के पुनर्वसन को लेकर ठाणे के जिलाधिकारी और गृहनिर्माण विभाग को जगह उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। गणेश नाईक ने कहा कि वैसे तो नागरिकों के पुनर्वसन के लिए कई बार बैठक हुई, इसमें 4 अक्टूबर 2018 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई की जिसमें नागरिकों के पुनर्वसन को लेकर मरोल-मरोशी की भूखंड संख्या 1689- 90 और 1697 को संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में शामिल किया गया है। कुल 190 में से 90 एकड़ जमीन नेशनल पार्क के नागरिकों के पुर्नवसन के लिए आरक्षित किया गया था।

मनपा मुख्यालय में हुए रक्त दान में जमा हुए 203 बोतल खून

मुंबई। हरित क्रांति के जनक और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वसंतराव नाईक की 112वीं जयंती के अवसर पर केसूला बंजारा सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 203 कर्मचारियों ने रक्तदान किया। यह शिविर मनपा मुख्यालय में मंगलवार को के.ई.एम. अस्पताल के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर के उद्घाटन समारोह में मनपा उपायुक्त संजोग कबरे, उपायुक्त से शशांक भोरे, उपायुक्त किरण दिघावकर, महानगरपालिका सचिव रसिका देसाई, सहायक आयुक्त पृथ्वीराज चौहान और प्रमुख कामगार अधिकारी सुनील जांगले प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर की सफलता में केसूला बंजारा सामाजिक संस्था के अध्यक्ष धर्मा राठोड़, कार्याध्यक्ष निलय पवार, उपाध्यक्ष रमेश आडे, कोषाध्यक्ष विजय जाधव, उपकोषाध्यक्ष आशिष राठोड़, आत्माराम चव्हाण, अविनाश राठोड़, विशाल राठोड़, प्रसिद्धि प्रमुख निरंजन मुडे, अमोल राठोड़, दुर्गादास राठोड़ और गोकुल राठोड़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेस विधायक नाना पटोले दिन-भर के लिए निलंबित

चढ़ गए थे विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर

मुंबई। मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के वर्षाकालीन सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस विधायक और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे और पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक बबनराव लोणीकर पर किसानों के अपमान का आरोप लगाते हुए विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर की आसंदी पर चढ़ गए। ऐसे में उन्हें दिन भर के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने पटोले के खिलाफ की गई कार्यवाही का विरोध करते हुए पूरे दिन के लिए सदन की कार्यवाही के बहिष्कार की घोषणा की। प्रश्नकाल के तुरंत बाद पटोले ने कोकाटे और लोणीकर पर किसानों के अपमान

का आरोप लगाया और दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पटोले विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी तक पहुंच गए और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से बहस करते देखे गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। बाद में सदन का कामकाज फिर से शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस नेता विधानसभा अध्यक्ष की ओर आक्रामक तरीके से बढ़े थे, जो सही नहीं है और उनसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि पटोले को माफी मांगनी चाहिए। हालांकि, पटोले फिर से विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर चढ़ गए तथा लोणीकर और कोकाटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

टीबी रोकने के लिए विशेष मुहिम

राज्य में बी-पाम उपचार पद्धति शुरू

मुंबई। स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना बोर्डीकर ने विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक देश को तपेदिक (टीबी) रोग मुक्त बनाने का संकल्प लिया है और इसी के अनुरूप राज्य में टीबी उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत संदिग्ध रोगियों की पहचान और जांच तथा निदान किए गए रोगियों को तत्काल उपचार के दायरे में लाने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही जिन रोगियों पर तपेदिक रोधी दवाओं का असर नहीं होता, उनके लिए राज्य में एक नई बी-पाम उपचार पद्धति शुरू की गई है। बोर्डीकर ने यह बात विधानसभा सदस्य चेतन तुपे की ध्यानाकर्षण सूचना का उत्तर देते हुए कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में 2 लाख 30 हजार तपेदिक रोगियों के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है। जनवरी से मई माह के बीच राज्य में 17 लाख 30 हजार 808 रोगियों की जांच की गई। इनमें से 95 हजार 436 रोगियों में तपेदिक की पुष्टि हुई है तथा उन्हें केंद्र सरकार की निक्षय प्रणाली पर पंजीकृत किया गया है। उन्हें तत्काल उपचार के दायरे में लाया गया है,ताकि अन्य लोग उनसे संक्रमित न हों। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की निक्षय पोषण योजना के तहत उपचार के दौरान उचित पोषण सुनिश्चित करने के लिए रोगियों के बैंक खातों में हर महीने 1,000 रुपए जमा किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत प्रत्येक रोगी के लिए एक निक्षय मित्र नियुक्त किया जा रहा है।

रेसकोर्स, हाजी अली व कोस्टल रोड को जोड़ने वाला सबवे बनाने का काम शुरू

मुंबई। मनपा और मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अचार्य अत्रे चौक मेट्रो 3 स्टेशन को महालक्ष्मी रेसकोर्स और हाजी अली स्थित मुंबई कोस्टल रोड पार्किंग हब से जोड़ने वाले महत्वाकांक्षी पैदल भुयारी मार्ग (सबवे) पर काम शुरू कर दिया है। मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने इस प्रोजेक्ट को अपनी मंजूरी दे दी है। बता दें कि महालक्ष्मी रेसकोर्स से कोस्टल रोड पार्किंग तक बनने वाले सबवे को वर्ली मेट्रो 3 स्टेशन से जोड़ने के लिए बनने वाले सबवे को लेकर पिछले सप्ताह मनपा और एमएमआरसीएल अधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में यह निश्चित हुआ कि प्रस्तावित भुयारी मार्ग लगभग 1 किलोमीटर लंबा होगा, जो मेट्रो स्टेशन से महालक्ष्मी रेसकोर्स तक और आगे 160 मीटर के सबवे को जोड़कर सीधे कोस्टल रोड के ओपन स्पेस से जुड़ेगा। इसका उद्देश्य मेट्रो स्टेशन से कोस्टल रोड के ओपन स्पेस तक पैदल यात्रियों के लिए सीधा और सुविधाजनक रास्ता उपलब्ध कराना है। हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को इन 70 हेक्टेयर ओपन स्पेस के विकास का काम सौंपा गया है। जो दक्षिण मुंबई का सबसे बड़ा ओपन स्पेस होगा। मनपा अधिकारियों ने जानकारी दी कि रेसकोर्स से कोस्टल रोड तक का भुयारी मार्ग पहले से ही प्लान में था। अब इसे मेट्रो स्टेशन से जोड़ने की योजना पर काम चल रहा है। इसके बाद इसे कोस्टल रोड पर बनने वाली 1200 गाड़ियों की पार्किंग से जोड़ा जाएगा। वर्ली स्थित मेट्रो 3 आचार्य अत्रे चौक मेट्रो स्टेशन के दो निकास द्वार हैं। एक वर्ली नाका के पास और दूसरा नेहरू साइंस सेंटर के पास। इन दोनों जगहों से भुयारी मार्ग के जरिए रेसकोर्स और आगे कोस्टल रोड से जोड़ने की योजना है।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:

अ. क्र.	निविदा सूचना क्र. व दिनांक	कार्य व स्थान	कार्य की अनुमानित लागत (₹)	ईएमडी (₹)
1	बीसीटी/25-26/121, दिनांक 27.06.2025	**जोन 10ए – जोरावासन-सूरत खंड** : किमी 212 से किमी 250.59 तक जोरावसन (समेत) से सचिन (समेत) तक तथा बिलिमोरा-वाघई नैरो गेज खंड (किमी 0.0 से 62.50) में बिलिमोरा (रहित) से वाघई (समेत) तक एसएसई/डब्ल्यू/बिलिमोरा के कार्यक्षेत्र में सामान्य मरम्मत व पेंटिंग, सफेदी, रंगाई, डिस्टेंपर, पॉलिशिंग आदि का कार्य.	₹ 44,60,854.50	₹ 89,200.00
2	बीसीटी/25-26/122, दिनांक 27.06.2025	**जोन 11ए – जोरावासन-सूरत खंड** : एसएसई/डब्ल्यू/सूरत के कार्यक्षेत्र में किमी 250.59 से किमी 268.89 तक सचिन (रहित) से सूरत (समेत) तक सामान्य मरम्मत व पेंटिंग, सफेदी, रंगाई, डिस्टेंपर, पॉलिशिंग आदि का कार्य.	₹ 1,03,00,793.20	₹ 2,01,500.00
3	बीसीटी/25-26/123, दिनांक 27.06.2025	**जोन 11बी – जोरावासन-सूरत खंड** : एडीईएन/एसटी खंड में पुलों के लिए सामान्य मरम्मत, पेंटिंग आदि.	₹ 93,28,356.90	₹ 1,86,600.00
4	बीसीटी/25-26/124, दिनांक 27.06.2025	**जोन 12ए – उधना-उकाई सोनगढ़ खंड** : एसएसई (डब्ल्यू), व्यारा के कार्यक्षेत्र में किमी 0.00 से 77.60 तक उधना (रहित) से उकाई सोनगढ़ (समेत) तक सामान्य मरम्मत व पेंटिंग, सफेदी, रंगाई, डिस्टेंपर, पॉलिशिंग आदि का कार्य.	₹ 43,41,273.00	₹ 86,800.00
5	बीसीटी/25-26/125, दिनांक 27.06.2025	**जोन 12बी – उधना-उकाई सोनगढ़ खंड** : एईएन-व्यारा के कार्यक्षेत्र में किमी 3.180 से 77.60 तक उधना (रहित) से उकाई सोनगढ़ (समेत) तक पुलों के लिए सामान्य मरम्मत, पेंटिंग आदि का कार्य.	₹ 60,00,000.00	₹ 1,20,000.00

सभी उपरोक्त निविदाओं हेतु जमा करने की अंतिम तिथि व समय : 25.07.2025 को 15.00 बजे तक. **खोलने की तिथि व समय** : 25.07.2025 को 15.30 बजे विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अवश्य जाएं. **मैनुअल निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा.** 0341

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly

कांग्रेस ने किया राजेंद्र मुलक का निलंबन रद्द

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी से बगावत कर रामटेक सीट से चुनाव लड़ने वाले पूर्व मंत्री राजेंद्र मुलक का कांग्रेस ने निलंबन रद्द कर दिया है। इसके बाद मुलक एक बार फिर कांग्रेस में शामिल हो गए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला की उपस्थिति में दिल्ली में इस निर्णय की घोषणा की गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुलक का पार्टी में पुनः स्वागत किया तथा निलंबन समाप्त करने

की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव बीएम संदीप एवं कुणाल चौधरी भी उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री राजेंद्र मुलक को कांग्रेस ने पिछले साल विधानसभा चुनाव के समय पार्टी से निलंबित कर दिया था। दरअसल वे रामटेक सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे। रामटेक सीट महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना यूबीटी को आवंटित की गई थी। रामटेक सीट से एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेता आशीष जायसवाल ने जीत दर्ज की थी। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे राजेंद्र मुलक दूसरे स्थान पर रहे। शिवसेना यूबीटी के उम्मीदवार विशाल बारबेटे तीसरे स्थान पर रहे।

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: ई-निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/103, दिनांक : 27.06.2025. कार्य एवं स्थान : उकाई सोनगढ़ – जलगांव अनुभाग : नंदुरबार में सीएचआई स्टाफ कार्यालय हेतु स्टोर एवं चार्जिंग कक्ष का निर्माण कार्य. कार्य की अनुमानित लागत : ₹86,14,020.64. ईएमडी :** ₹ 1,72,300/-. **जमा करने की अंतिम तिथि व समय : 22.07.2025 को 15.00 बजे तक. निविदा खोलने की तिथि व समय** : 22.07.2025 को 15.30 बजे. विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0344

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

16/07/2025 से ट्रेन संख्या 22949 बांद्रा टर्मिनस – दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट एक्सप्रेस के समय में संशोधन

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	संशोधित समय	
		प्रस्थान	आगमन
22949	बांद्रा टर्मिनस – दिल्ली सराय रोहिल्ला	14:40 बजे	कोई परिवर्तन नहीं

ठहरावों, रुकने के समय और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly

हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly | instagram.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

उल्हासनगर की सड़कों पर गड्ढे नहीं,बल्कि गड्ढों में सड़क

उल्हासनगर। मानसून की शुरुआत हो गई है,शहर में मानसून पूर्व सड़क निर्माण को लेकर की गई खुदाई की गई थी,करीब 3 वर्ष से चल रहे सड़को के निर्माण कार्य अभी तक पूरा नही किया जा सका है,मानसून के दौरान सड़को पर बड़े बड़े गड्ढे होने से शहरवासियों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है,टूटी सड़को पर दुर्घटना के बढ़ने लगे हैं,यह कहना गलत नहीं होगा की उल्हासनगर में सड़कों पर गड्ढे नहीं बल्कि गड्ढों में सड़क है। बता दें कि लापरवाह उल्हासनगर मनपा प्रशासन ठेकेदारों के भरोसे चल रही है,सड़क के अलावा मनपा से नागरिकों से जुड़े तमाम मनपा की व्यवस्था ठेकेदारों के भरोसे हैं और ठेकेदारों के मनमानी पर मनपा के अधिकारी अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं,जिसके चलते ठेकेदार शहरवासियों की समस्याओं को नजरअंदाज कर अपनी मनमर्जी करने में लगे हैं,गौर करने की बात है उल्हासनगर मनपा का पीडब्ल्यूडी विभाग भ्रष्टाचार की दलदल में फंसा हुआ है। उल्हासनगर की लगभग सभी पक्की सड़कों पर ढेर सारे गड्ढे हैं, जिससे वाहनों का उनसे होकर गुजरना मुश्किल हो जाता है, यदि आप अपना संतुलन थोड़ा भी खो देते हैं, तो कोचड़ में गिरने और घायल होने का खतरा बना रहता है दिलचस्प बात यह है की प्रभाग समिति 4 कार्यालय खुद गड्ढों से घिरा हुआ है, लेकिन उन्हें भरा नहीं जा रहा है, अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वार से ही गड्ढों की श्रृंखला शुरू हो जाती है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई) म्हाडा MHADA

टेली. नं. - 022-66405432, ई-मेल : eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ सं. ईई/पश्चिम/एमएसआईबी/ई-निविदा/87/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 87

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन, मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), कमरा नं. 537, 4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 फोन नंबर (022) 66405432 द्वारा म्हाडा तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग, मुंबई के साथ पंजीकृत बेरोजगार अभियंताओं से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिए बी1 प्रपत्र (प्रतिशत दर) में 2 कार्य के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं. विस्तृत निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध हैं और यहां से डाउनलोड किये जा सकते हैं. बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किये जा सकते हैं. निविदा अनुसूची निम्नानुसार है.

अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि	अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि
1	दस्तावेज बिक्री का प्रारंभ	03.07.2025 को सुबह 10.30 बजे	2	दस्तावेज बिक्री का समापन	10.07.2025 को दोप. 3.00 बजे
3	तकनीकी बोली का खुलना	11.07.2025 को दोप. 3.05 बजे से	4	मूल्य बोली का खुलना	14.07.2025 को सुबह 10.30 बजे से

सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

टिप्पणी 1. कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन करें.

टिप्पणी 2. कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि है तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा.

हस्ता./-

कार्यकारी अभियंता (प), एमएसआईबी बोर्ड, मुंबई

सीपीआरओ/ए/544

Follow us: @mhadaofficial

म्हाडा - गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

पनवेल महानगरपालिका

ता. पनवेल, जि. रायगड

कार्यालय-आयुक्त मुख्यालय, २ रा मजला,

देवाळे तलावाच्या समोर, गोखले हॉलच्या शेजारी,

पनवेल- ४१०२०६ दुरध्वनी क्र- ०२२-२७४५८०४०/४१/४२

Email Id: panvelcorporation@gmail.com

जा.क्र.पमपा/मातंवि/३०२४५/प्र.क्र.०५/२३६/२०२५ दिनांक : ०२/०७/२०२५

निविदा प्रसिध्द करणेकामी

अनु. क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव
१.	Tender No: PMC/IT/०५/२०२५	पनवेल महानगरपालिकेत संगणक व्यवस्थेकरीता सुरक्षा धोके वास्तवित वेळेत ओळखून विश्लेषण करून, अर्लट्स गोळा करणे, संभाव्य धोके ओळखणे आणि त्वरित प्रतिसाद देण्यासाठी एक सुसंगत सुरक्षा प्रणाली तयार करणेबाबत. (३ वर्षांकरीता)

या ई- निविदेबाबतची विस्तृत माहिती शासनाच्या www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.०२/०७/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत उपलब्ध होईल. संबंधित निविदाधारकांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-

उप आयुक्त (मातंवि)

पनवेल महानगरपालिका

देवभूमि में ट्रैफिक जाम की समस्या भी गंभीर

उत्तराखण्ड में ज्यों-ज्यों यात्रियों,पर्यटकों और वाहनों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है,त्यों-त्यों सड़कें भी तंग होती जा रही हैं। इस असन्तुलन के कारण इस नैसर्गिक छटा से भरपूर देवभूमि में ट्रैफिक जाम की समस्या भी गंभीर से गंभीरतम् होती जा रही है। ट्रैफिक जाम के कारण तीर्थ यात्रियों को घटों तक रास्ते में ही आगे खिसकने का इंतजार करना पड़ता है और प्रकृति के दिव्य एवं भव्य दर्शन के लिये पहुंचे पर्यटकों को पहाड़ों की रानी मसूरी और नैनीताल जैसे पर्यटक स्थलों तक पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस समस्या से केवल तीर्थयात्री और पर्यटक ही त्रस्त नहीं हैं। आम शहरी के लिये समय से अपने गन्तव्य तक तक पहुंचना कठिन होता जा रहा है और गंभीर मरीजों और घायलों की जानें समय से अस्पताल न पहुंच पाने के कारण संकट में रहती है। चारधाम यात्रा मार्ग पर चौड़ीकरण से सड़कें कुछ खुली तो अवश्य हुई हैं लेकिन बस अड्डों की हालत अब भी अत्यंत दयनीय बनी हुई है। बस अड्डे वाले नगरों में स्थानाभाव और भारी तंगी के कारण सामान्यतः वाहनों को रुकने नहीं दिया जाता। ट्रैफिक की इस गंभीर समस्या के कारण आम जनजीवन तथा यात्री या पर्यटक तो प्रभावित हो ही रहे हैं साथ ही संवेदनशील पर्यावरण को भी अपूरणीय क्षति हो रही है। बरसात में भूस्खलनों ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। अगर सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो इस साल यात्रा शुरू होने के दिन 30 अप्रैल से लेकर 30 जून तक 37,07,589 तीर्थ यात्री चारधाम यात्रा पर पहुंच चुके थे। ये यात्री कुल 9,32,188 वाहनों से बदरीनाथ सहित चारों धामों तक पहुंचे हैं। ये जनसंख्या और वाहन संख्या फ्लाटिंग है, मूल आबादी को जोड़ा जाय तो सड़कों की तंगी का अहसास हो सकता है। इन्हीं आंकड़ों के अनुसार इस साल 1 जून से लेकर 30 जून तक की केवल एक माह की अवधि में सभी 13 जिलों में हुयी सड़क दुर्घटनाओं में 45 लोगों ने जानें गंवाई, 157 घायल हुये और 9 अब तक लापता हैं। लापता का मतलब मलबे में या नदी किनारे उनके शव बरामद नहीं हुये। तंग सड़कें बेतहासा ट्रैफिक और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण दुर्घटनाओं में भी निरन्तर वृद्धि हो रही है और इन दुघटनाओं की चपेट में न केवल स्थानीय निवासी बल्कि पर्यटक और तीर्थ यात्री भी आ रहे हैं। हाल ही में रुद्रप्रयाग जिले के घोलतिर में अलकनन्दा में गिरे टैम्पो ट्रैवलर के 12 लापता यात्रियों में से अब तक केवल 6 के ही शव बरामद हो सके हैं। वाहन को तो अलकनन्दा ने ऐसे निगला कि उसका कहीं नामोनिशान तक नहीं। उत्तराखंड के अधिकांश पर्यटक स्थल, जैसे मसूरी, नैनीताल, और चारधाम मार्ग, संकरी और घुमावदार सड़कों से युक्त हैं। ये सड़कें भारी वाहन यातायात को संभालने के लिए डिजाइन नहीं की गई हैं। इसके अतिरिक्त, पार्किंग सुविधाओं की कमी और सड़कों की खराब स्थिति इस समस्या को और बढ़ाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में मानसून के इस सीजन में जहां जहां भूस्खलन और सड़कों की क्षति के कारण ट्रफिक की समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। भूस्खलन से यातायात बाधित होने पर या तो वाहनों को घटों सड़क खुलन का इंजार करना पउत्ता है या फिर लम्बे संकरे मागों का किल्प तलाशना पड़ता है। देहरादून, नैनीताल और हरिद्वार जैसे नगरों और महानगरों में यातायात जाम के कारण एम्बुलेंस और अग्निशमन जैसे आपातकालीन वाहनों की आवाजाही में देरी होती है। हाल के वर्षों में कई मामले सामने आए हैं, जहां मरीजों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका, जिसके परिणामस्वरूप जानलेवा परिणाम हुए। उदाहरण के लिए, मसूरी में 2023 में एक एम्बुलेंस के जाम में फंसने के कारण एक मरीज की मृत्यु हो गई थी। यातायात जाम स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। माल परिवहन में देरी, दुकानों तक ग्राहकों की पहुंच में कमी, और पर्यटकों की असुविधा के कारण स्थानीय व्यवसाय प्रभावित होते हैं। हाल ही में मसूरी और नैनीताल जैसे पर्यटक स्थलों में होटल और रेस्तरां मालिकों ने जाम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी की शिकायत की है। बड़ी संख्या पर्यटक देहरादून या हल्द्वानी तक आ तो जाते हैं लेकिन ट्रैफिक की समस्या के चलते मसूरी या नैनीताल आसानी से नहीं पहुंच पाते। पार्किंग और स्थानाभाव के कारण वाहनों को दूर रोक दिया जाता है। जो पर्यटक वाहन नगर के अंदर धुसने में सफल हो जाते हैं वे वहीं फंस जाते हैं। बढ़ा हुआ यातायात, विशेष रूप से पर्यटक मौसम के दौरान, उच्च उत्सर्जन और खराब वायु गुणवत्ता का कारण बन सकता है। वाहनों से होने वाला वायु प्रदूषण पहाड़ी क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण समस्या है, जो इलाके, मौसम के पैटर्न और उन क्षेत्रों में आम वाहनों के प्रकार जैसे कारकों से और बढ़ जाती है। वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन, जिनमें हानिकारक गैसें और कण पदार्थ शामिल हैं, खराब वायु गुणवत्ता में योगदान देते हैं और निवासियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। वाहन हानिकारक गैसें जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी), साथ ही कण पदार्थ (पीएम2.5 और पीएम10) छोड़ते हैं। ये प्रदूषक श्वसन संबंधी समस्याएं, हृदय संबंधी समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य जटिलताएं पैदा कर सकते हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

सत्य सनातन विरोधी, जिसके दिल में क्लेश
अब बाबाओं पर फिरा, कपटी, खल अखिलेश
कपटी खल अखिलेश, हिंदुओं को लड़वाए
ब्राह्मण-यादव मध्य, मुवां नित आग लगाए
कह सुरेश जो करे नचनियों से अपनापन
सैफइ वाला क्या समझेगा सत्य सनातन

भारत का प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान नहीं चीन है

> पाकिस्तान एक ऐसे गुंडे की तरह है, जिसे पैसा देकर कोई भी भारत के खिलाफ मैदान में उतार सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि पाकिस्तान अपनी शक्ति के बल पर भारत के खिलाफ ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। सवाल यह है कि अगर कोई अन्य देश सह नहीं देता तो क्या पाकिस्तान भारत का दोस्त बन जाता। सच्चाई कड़वी है लेकिन सच यही है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका हुआ है।

जब अंग्रेजों ने भारत को आजाद किया तो वो जाते-जाते भी भारत के साथ साजिश कर गए। उन्हें अच्छी तरह से पता था कि भारत भविष्य में बड़ी शक्ति के रूप में उभर सकता है। भारत बड़ी शक्ति बनकर उनके लिए भविष्य में चुनौती न बन जाए इसलिए भारत को दो टुकड़ों में बांट गए। यह हमारी गलत सोच है कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम मतभेद की वजह से हुआ था। वास्तव में उन्होंने दोनों समुदायों के बीच के मतभेदों को बढ़ाकर ऐसे हालात पैदा कर दिये गए कि विभाजन के लिए हमारे नेताओं को मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान बनने से न केवल भारत कमजोर हुआ बल्कि भारत को हमेशा के लिए उसका एक कट्टर दुश्मन मिल गया। पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता आ रहा है जबकि भारत ने कभी भी पाकिस्तान को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखा। आप सोचकर देखिए कि अगर पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में भारत की हार हुई होती तो पाकिस्तान ने भारत का क्या हाल किया होता। भारत ने कई युद्धों में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराने के बावजूद उसके साथ मित्रों जैसा व्यवहार किया।

वास्तव में पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही एक जिहादी मानसिकता वाले आत्मघाती आतंकवादी ही तरह व्यवहार कर रहा है। वो खुद को मिटाकर भी भारत को खत्म कर देना चाहता है। विदेशी शक्तियां पाकिस्तान की पैदाइश से ही उसका इस्तेमाल भारत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए करती रही हैं। पहले अमेरिका और पश्चिमी देश पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे थे, अब चीन पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान एक ऐसे गुंडे की तरह है, जिसे पैसा देकर कोई भी भारत के खिलाफ मैदान में उतार सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि पाकिस्तान अपनी शक्ति के बल पर भारत के खिलाफ ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। सवाल यह है कि अगर कोई अन्य देश सह नहीं देता तो क्या पाकिस्तान भारत का दोस्त बन जाता। सच्चाई कड़वी है लेकिन सच यही है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका हुआ है। कहा जाता है कि देशों के पास उनकी सेना होती है लेकिन पाकिस्तान की सेना ऐसी है जिसके पास एक देश है। पाकिस्तानी सेना अपनी जनता को भारत के खिलाफ भड़काती रहती है कि अगर वो न हो तो भारत पाकिस्तान को खत्म कर देगा। यही कारण है कि पाकिस्तान की आम जनता भी भारत के प्रति नफरत से भरी हुई है और वो सेना का भारी-भरकम खर्च उठा रही है।

पाकिस्तान के कारण भारत का सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि वो अपने असली दुश्मन को कभी पहचान नहीं सका। पूर्व रक्षामंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने कहा था कि चीन भारत का नम्बर वन दुश्मन है लेकिन उनकी यह बात किसी को समझ नहीं आई। प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी चीन को मित्र देश मानते थे और उसके साथ मिलकर शांति के कबूतर उड़ाया करते थे। चीन से मित्रता हासिल करने के लिए उन्होंने भारत के हितों के साथ कई समझौते किये। वो चीन को खुश करते रहे ताकि वो भारत का दोस्त बना रहे लेकिन उनकी लाख कोशिशों के बावजूद चीन ने 1962 में भारत पर हमला करके भारत के बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया। चीन के इतने बड़े धोखे के बाद कुछ सालों तक भारत सरकार चीन के प्रति सतर्क रही लेकिन फिर एक बार उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया गया। यूपीए शासन के दौरान कांग्रेस ने चीन के साथ एक एमओयू साइन किया है लेकिन इसमें क्या है, यह अभी तक देश की जनता को पता नहीं है। आज राहुल गांधी चीन के विकास का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन वो यह नहीं बताते कि 1980 तक चीन भारत के बराबर ही था लेकिन कांग्रेस की नीतियों के कारण भारत पिछड़ता गया और चीन आगे बढ़ गया। कितनी अजीब बात है कि एक लोकतांत्रिक देश होने के बावजूद भारत वामपंथी नीतियों पर चलकर आर्थिक बर्बादी की ओर जा रहा था जबकि चीन वामपंथी देश होकर पूंजीवाद के बल पर आर्थिक विकास की सीढ़ियां तेजी से चढ़ रहा था। वाजपेयी सरकार के समय भारत का चीन के साथ एक अरब डॉलर के घाटे का व्यापार था लेकिन यूपीए शासन के बाद यह घाटा सौ अरब डॉलर तक पहुंच गया। मोदी सरकार के आने के बाद इसमें बढ़ोतरी बेशक न हुई हो लेकिन यह कम नहीं हो पा रहा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि यूपीए शासन के दौरान हमारी अर्थव्यवस्था चीन पर इतनी ज्यादा निर्भर हो गई है कि हम चाह कर भी चीन से आयात कम नहीं कर पा रहे हैं। सवाल यह है कि हम अपने ही पैसे से दुश्मन को क्यों बढ़ावा दे रहे हैं। वास्तव में चीन ने अमेरिका के सहयोग से अपने आपको दुनिया की फैक्टरी बना लिया है। यह हमारे देश की विदेश नीति की बहुत बड़ी विफलता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के बावजूद अमेरिका ने हमें न चुनकर चीन को इस काम के लिये चुना। जो चीन 1980 में हमारे बराबर था, वो आज हमारे से पांच गुणा बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हम पाकिस्तान के साथ ऐसे उलझे रहे कि हम चीन की तरफ देख ही नहीं पाए। हम यह पहचान नहीं सके कि हमारा असली दुश्मन चीन है और उसकी बढ़ती ताकत एक दिन हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या बन जाएगी। हम पाकिस्तान से खुद को अलग करना चाहते थे लेकिन आतंकवाद को हथियार बनाकर उसने हमें उलझाये रखा। पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम इसलिए नहीं उठाए गए क्योंकि पाकिस्तान परमाणु बम की धमकी देता था। पाकिस्तान और चीन ने एक जबरदस्त गठजोड़ बना लिया है जो हमारी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद चीन के खतरे को सही तरह से पहचाना गया है। यूपीए शासन में चीन सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास की अनदेखी की गई क्योंकि रक्षा मंत्री का कहना था कि चीन इसका फायदा उठाकर हमारे देश में घुस जाएगा। मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे का विकास करके बता दिया कि यूपीए सरकार की सोच कितनी गलत थी। मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में खुद को आत्मनिर्भर बनाने की ओर कदम बढ़ाए जबकि पहले हम पूरी तरह से विदेशी हथियारों पर निर्भर थे। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारतीय हथियारों में कितना दम है और भारत हथियारों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हो चुका है। इस युद्ध में पाकिस्तान ने चीनी हथियारों का जबरदस्त इस्तेमाल किया है लेकिन हमारी सेना ने दिखा दिया कि वो चीनी हथियारों का कैसे मुकाबला कर सकती है।

– राजेश कुमार पासी

देश और सीए दोनों को चाहिए करोड़ों प्रशिक्षित अकाउंटेंट

जुलाई का पहला दिन 'सीए डे' के रूप में मनाया जाता है. इस अवसर पर मैं एक ऐसे विषय पर विमर्श करना चाहता हूं जिसकी आवश्यकता भारत को एकविकसित राष्ट्र बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है. आज भले ही मैं मुंबई में हूं लेकिन मेरी जड़ें आज भी मेरे गांव और कस्बे से जुड़ी हैं. मैंने वहां की आर्थिक व्यवस्था को करीब से देखा और समझा है.

सनातन अर्थशास्त्र पर मेरे अध्ययन और एक सीए होने के नाते और अपने कार्य के सिलसिले में लगभग पूरे भारत का भ्रमण करने का अवसर मिला है. इस पूरे सफर में मैंने एक महत्वपूर्ण और गम्भीर बात नोट की कि भारत में एक बहुत बड़ी आबादी व्यापार करती है लेकिन वह उचित अकाउंटिंग नहीं करती, या बोलें तो लगभग नहीं ही करती है क्यूंकि जो करती है वह कतबैठी हिसाब होता है एकाउंटिंग नहीं. अगर विशेषकर MSME की बात करें, तो मेरा अनुभव कहता है कि करीब 95% MSMEs प्रोपर एकाउंटिंग नहीं करते हैं. वे अधिकांशतः डायरी या रजिस्टर में ही हिसाब रखते हैं. व्यापार का जो हेल्थ कार्ड होता है उसका आर्थिक चिट्ठा वह इनके पास होता ही नहीं क्योंकि न तो टैली होता है, न बैलेंस शीट, न किसी अकाउंटेंट की सलाह. भारत के व्यापार का बड़ा हिस्सा आज भी 'डायरी एकाउंटिंग' के भरोसे चल रहा है. इसका परिणाम यह होता है कि व्यापारी को यह तक पता नहीं चलता कि उसका व्यापार डाउनट्रेंड में जा रहा है. यह केवल अनुमान नहीं है, इसके पीछे मेरे प्रत्यक्ष अनुभव हैं:

आज मैं आपसे अपने तीन अनुभव साझा कर रहा हूं. पहला अनुभव, एक बार एक बड़े व्यापारी से मुलाकात हुई, जिनके यहां इनकम टैक्स की रेड पड़ी थी और उन पर करोड़ों की डिमांड खड़ी कर दी गई थी. जांच करने पर पता चला कि यह डिमांड किसी नकदी जब्ती, ब्लैक मनी या बेनामी संपत्ति के कारण नहीं थी. व्यापारी तो बड़ा था लेकिन उसका सारा हिसाब डायरी में था. अकाउंटिंग होती नहीं थी तो अकाउंटेंट भी नहीं था. आयकर विभाग ने डायरी की नोटिंग को ही आधिकारिक रिकॉर्ड मानकर पूरी इनकम मान ली और नगद सौदों पर पेनाल्टी जोड़ दी. करोड़ों की डिमांड बन गई.

दूसरा अनुभव, एक बार यात्रा के दौरान एक व्यक्ति मिले जिनकी ट्रेडिंग की
दुकानें थीं, पूरे पांच. उन्होंने कहा, ₹सीए साहब, समझ नहीं आता कि बिजनेस में घाटा क्यों चल रहा है, बैंक में और हाथ में दोनों जगह पैसे टिक नहीं रहे.₹ मैंने बैलेंस शीट मांगी, बोले "वह तो नहीं बनी है." टैली के बारे में पूछा तो बोले "नहीं है." अकाउंटेंट? "नहीं है." हिसाब-किताब कैसे देखते हो? "डायरी में देख लेते हैं और बैंक बैलेंस चेक करते रहते हैं." जीएसटी कैसे भरते हो? "वकील साहब को GST सहित खरीद वाला बिलवा भेज देते हैं." मेरा सिर चकरा गया. कुछ वर्षों बाद उनका बिजनेस इतना गिर गया कि पाँच दुकानें घटकर दो रह गईं. तीसरा अनुभव, एक छोटे शहर के उद्योगपति ने प्लांट शुरू किया. लेकिन अकाउंटेंट की सैलरी बचाते रहे. आज हालत यह है कि उनके बिजनेस में करोड़ों का घाटा है, बैंक का एनपीए खाता है. सीए को फुल टाइम रखने के लिए बिजनेस का आकार नहीं है. साल के अंत में जब वह सीए के पास ऑडिट के लिए पहुँचते हैं तो उस सीए के पास भी उनके सहायता कर पाने के लिए ज्यादा स्कोप नहीं बचा होता है, मर्ज या तो बहुत बढ़ चुका होता है या लाइलाज और उन्हें अभी तक नहीं मालूम कि ये सब अकाउंटिंग न करने के कारण हुआ। उपरोक्त तीन उदाहरण से तो समझ में आ गया होगा. किसी भी मर्ज का इलाज तभी सटीक हो पाता है जब डॉ को सारी हेल्थ रिपोर्ट मिलती रहे. एकाउंटिंग करने से कम से कम यह तो तय हो जाता है कि व्यापार का लाभ-हानि स्पष्ट हो, आर्थिक चिट्ठा मिल जाता है, जो उसका हेल्थ कार्ड होता है, डाउनट्रेंड समय रहते पकड़ में आ जाता है, बैंक लोन लेने में सुविधा होती है, क्रेडिट स्कोर बेहतर रहता है, स्टॉक, लेनदारी-देयता, टैक्स और पेनाल्टी पर नियंत्रण बना रहता है, व्यापार का विस्तार कर सकते हैं.

दरअसल भारत की मूल जरुरत करोड़ों अकाउंटेंट की है, ये रहे तो लाखों सीए से भी काम चल जायेगा. देश में सीए तो सीमित संख्या में हैं लेकिन कम से कम 2 से 3 करोड़ अकाउंटेंट की भारी कमी है, जो इस बड़ी खाई को भर सकते हैं. इसका सबसे बड़ा लाभ सीए को ही होगा क्योंकि तब व्यापारी और सीए के बीच एक प्रशिक्षित व्यक्ति होगा, जो लेखांकन और अनुपालन की समझ रखता होगा. जिस तरह मेडिकल प्रोफेशन बिना कम्पाउंडर और नर्स के नहीं चलता, वैसे ही व्यापारिक प्रणाली और सीए का काम बिना प्रशिक्षित अकाउंटेंट के नहीं चल सकता. व्यापार बिना सीए के चल सकता है लेकिन बिना अकाउंटेंट के नहीं. अब सवाल है कि समाधान क्या हो सकता है? तो समाधान है. एकाउंटिंग में डिप्लोमा और डिग्री के लिए नेशनल फ्रेमवर्क और नीति तैयार करे जैसे फार्मेसी और नर्सिंग का बना हुआ है. B.Com पाठ्यक्रम में बदलाव अंतिम वर्ष में अनिवार्य प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, सॉफ्टवेयर स्किल्स (जैसे टैली, ज़ोहो, क्विकबुक्स), टैक्सेशन, और क्लाउड अकाउंटिंग शामिल हों. इंटर्नशिप आधारित लर्निंग इकोसिस्टम जिससे छात्र पढ़ाई के साथ-साथ अनुभव भी प्राप्त करें और रोजगार-योग्य बनें. सरकार चाहें तो केवल बीकॉम के इस इंफ्रास्ट्रक्चर से करोड़ों रोजगार पैदा कर सकती है. मुंबई जैसे शहरों में मैंने देखा है कि जो बीकॉम छात्र साथ में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ले लेते हैं, वे कभी बेरोजगार नहीं रहते. कई ऐसे उदाहरण हैं जहां सिर्फ बीकॉम करने वाले छात्र आज चीफ अकाउंटेंट बनकर लाखों का पैकेज कमा रहे हैं. इन करोड़ों अकाउंटेंट्स के आने से सरकार को सटीक और पारदर्शी और कहीं ज्यादा बढ़ा हुआ राजस्व संग्रह होगा, व्यापारियों को रियल टाइम सलाह मिलेगी, कारोबार में लाभ और विस्तार संभव होगा, पैरलल इकोनॉमी का मैपिंग और औपचारिकीकरण होगा, देश को केवल तीसरी नहीं, दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में ठोस कदम होगा और बिना कोई बड़ा खर्चा किये करोड़ों को रोजगार मिलेगा।

– पंकज जायसवाल

सुनता नहीं कोई हमारी, क्या जमाना बहरा हो गया

गत दिवस देश की राजधानी से सटे नोएडा के एक ओल्डऐज होम में लोगों की दुर्दशा के समाचार ने मानवता के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया। वृद्धाश्रम पहुंची पुलिस और समाचार कल्याण विभाग की टीम हैरान थी। एक बुजुर्ग महिला को बांध के रखा गया था तो बेसमेंट के कमरों में जो वृद्ध पुरुष कैद थे,उनके वस्त्र मल मूत्र से सने हुए और दुर्गंध दे रहे थे। पूरा दृश्य किसी नर्क से बढ़कर था। विशेष यह कि इस ओल्ड होम में दयनीय हालत रहने वाले वृद्धों के परिजनों की ओर से मासिक शुल्क भी दिया जा रहा था। प्रश्न यह है कि जब परिजन हजारों रुपया प्रतिमा शुल्क देने की स्थिति में है तो वे अपने बुजुर्ग माता-पिता को अपने साथ क्यों नहीं रखते? जिन माता-पिता ने उन्हें पाला संभाला, शिशुपन में उनके मल मूत्र साफ किया और स्वयं कष्ट सहकर भी उनके सुख सुविधा का पूरा ध्यान रखा, उन्हें अपने से अलग करते हुए क्या उन कलयुगी संतानों ने जरा भी नहीं सोचा? पाषाण हृदय संतानों को स्वतंत्रता पसंद है या वे अपने वृद्ध अभिभावकों को बोझ मानते हैं?

दुखद आश्चर्य यह है कि जिस भारत में बुजुर्गो की सेवा-सम्मान की परम्परा रही है। जहां लगातार गाया, दोहराया जाता है-

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम।।

जो अपने बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करते हैं उनकी आयु, विद्या, कीर्ति और बल में वृद्धि होती है। वहां तेजी से वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ रही है। इस नैतिक पतन के लिए कुछ लोग ऋषि संस्कृति की भूमि भारत में पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव को जिम्मेवार ठहराते हैं तो अधिकांश लोगों के मतानुसार विखण्डित होते संयुक्त परिवार, शहरीकरण, बेलगाम सोशल मीडिया और उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण स्थित बदली है। आश्चर्य है कि आज शहर से गांव तक प्रत्येक व्यक्ति दिन में कई कई घंटेअपने स्मार्टफोन को देता है लेकिन उनके पास अपने ही वृद्ध माता-पिता के पास बिताने के लिए कुछ मिनट भी नहीं है। शायद मान्यताओं में बदलाव के कारण बुजुर्गों को बोझ बना दिया है। उन्हें न अच्छा खाना दिया जाता है न ही साफ-सुथरे कपड़े। यहां तक कि उनके उपचार को भी जरूरी नहीं समझा जाता। उचित देखभाल के अभाव में वृद्धों को शारीरिक व मानसिक कष्ट बढ़ जाता है। वे छोटे-छोटे कामों और जरूरतों के लिए दूसरों के मोहताज हो जाते हैं। हर कली अपने यौवन में फूल बनकर अपनी सुगंध बिखेरती है तो एक सीमा के बाद उसमें मुरझाहट दिखाई देने लगती है। मनुष्य जीवन भी प्रकृति के इस चक्र के अनुसार ही चलता है। बचपन,जवानी के बाद वृद्धावस्था प्रकृति का सत्य है। वृद्धावस्था को जीवन का अभिशाप मानते हैं,क्योंकि इस अवस्था के आते-आते शरीर के सारे अंग शिथिल पड़ जाते हैं और इंसान की जिंदगी दूसरों की दया-कृपा पर निर्भर करती है।

आज का कार्टून

साभार

बैठकों और जवाबों में उलझा सिस्टम कैसे करेगा प्रशासनिक सुधार?

राजस्थान के ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा की हाल में सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट ने प्रशासनिक व्यवस्था पर एक विमर्श को जन्म दिया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि आईएएस अधिकारियों का 80 प्रतिशत समय गैर-जरूरी कार्यों में व्यतीत होता है जिससे मुख्य या 'कोर कार्य' प्रभावित होते हैं। यह सिर्फ एक व्यक्ति की राय नहीं बल्कि एक अनुभवी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की पीड़ा है जो व्यवस्था की गहराइयों में जाकर सोचने की आवश्यकता प्रतिपादित कर रही है। शर्मा का कहना है कि आईएएस अधिकारियों का अधिकांश समय बैठकों,मानव संसाधन से जुड़े मामलों, आरटीआई, पत्राचार, न्यूज़ क्लिपिंग्स की प्रतिक्रियाओं और मुकदमों के जवाबों में चला जाता है। इन सभी कार्यों को उन्होंने 'नॉन-कोर या गैर-मुख्य की श्रेणी में रखा है। शर्मा का कथन चिंता का विषय है क्योंकि जब एक वरिष्ठ प्रशासक यह कहता है कि मुख्य कार्यों के लिए समय नहीं बचता तो यह संकेत है कि हमारी मौजूदा प्रशासनिक प्रणाली अपनी प्राथमिकताओं से भटक रही है और इसे पटरी पर लाने के लिए काम शुरू होना चाहिए। किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था का मूल उद्देश्य नागरिकों तक सेवाओं की पहुंच को सहज, सुलभ और प्रभावी बनाना होता है। चाहे वह बिजली-पानी की आपूर्ति हो, सड़क निर्माण हो, शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाएं हों या उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नीतियों का निर्माण, इन सभी को कोर वर्क माना जाता है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि अधिकारी दिन भर कागजी जवाबों, फॉलोअप्स और विभागीय पत्राचार में ही उलझे रहेंगे तो धरातल पर बदलाव कैसे संभव हो पाएगा?

इस आईएएस अधिकारी ने सही मुद्दे की ओर ध्यान आकृष्ट किया है क्योंकि अधिकारियों का समय कोर कार्यों के लिए बचाना इसलिए भी ज़रूरी है,जिससे वे नीतियों के क्रियान्वयन पर नज़र रख सकें,संभावित समस्याओं का पूर्वानुमान लगा सकें, नवाचारों को लागू कर सकें और नागरिकों से सीधा संवाद कायम कर सकें। इसके बिना नीतियों का क्रियान्वयन संभव नहीं है। जिस समस्या की तरफ शर्मा ने इशारा किया है, उसकी जड़ों पर पहुंचा जाना चाहिए। अत्यधिक कागजी कार्यवाहियां बड़ा मुद्दा है। हर बात का रिकॉर्ड, रिपोर्ट, टिप्पणी और मंजूरी की पारंपरिक कवायद कार्य प्रवाह को जटिल बना देती है। विभिन्न विभागों और स्तरों पर समन्वय की कमी से बार-बार अनावश्यक बैठकों और फॉलोअप्स की आवश्यकता पड़ती है। आज भी कई विभागों में मैनुअल रिपोर्टिंग, कागज़ी पत्राचार और धीमी आईटी प्रणाली प्रशासनिक समय को खराब करने में भूमिका निभाती है। कई जगह मानव संसाधनों की कमी भी वजह बनती है।

अगर कोई समस्या उठती है तो उसके समाधान का मार्ग भी प्रशस्त किया जाना चाहिए। आईएएस अधिकारी अपना अधिकाधिक समय कोर वर्क पर खर्च करें, यह सुनिश्चित करना ही चाहिए। इसके लिए प्रशासनिक कामकाज को अधिकतम डिजिटल और ऑटोमेटेड बनाया जाना जरूरी है। फाइल ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग, आरटीआई जवाब और केस मॉनिटरिंग के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए जाएं तो इससे अधिकारियों का समय बच सकता है। एक उपाय विभाजन आधारित कार्य-संरचना बनाना भी हो सकता है। इसके लिए अधिकारियों के कार्यों को कोर और नॉन कोर श्रेणियों में बांट कर अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की जा सकती हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि जिलों से लेकर राज्य स्तर पर अफसरों का कितना समय बैठकों में जाया होता है। अनावश्यक बैठकों पर रोक लगाकर प्रत्येक मीटिंग के लिए स्पष्ट एजेंडा और टाइम लिमिट तय होनी चाहिए। इसके साथ-साथ हर मीटिंग का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि उससे कोई ठोस समाधान भी निकल रहा है या नहीं? राज्य सरकार आईएएस अफसरों, खासकर जिला कलक्टरों को गांवों में रात्रि विश्राम कर ग्रासरूट तक पहुंच बनाने के लिए निर्देशित करती है मगर ज्यादातर जिलों से निराशाजनक परिणाम ही सामने आते रहे हैं। जरूरी है कि अफसरों को कागज़ी जवाबों की जगह फील्ड पर अधिक समय देने को प्रोत्साहित किया जाए। सीधे निरीक्षण, संवाद और जमीनी अनुभव ही बेहतर प्रशासन की रात प्रशस्त कर सकता है। अजिताभ शर्मा ने समस्या उठाई है तो उसके निराकरण की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए।

– अमरपाल सिंह वर्मा

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 24 एजेंडों पर लगी मुहर

पुनौराधाम को विकसित करने में 883 करोड़ रुपए होंगे खर्च

कलाकारों को मिलेगी 3 हजार की पेंशन

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में 24 एजेंडों पर मुहर लगी है। सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम को अयोध्या की तरह पूरी तरह से विकसित करने के लिए एक बड़ी योजना बनाई गई है। इस काम पर करीब 883 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सरकार ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। इसमें पैसा कहां से आएगा, काम कैसे होगा और बाद में इसका देखभाल और संचालन कैसे होगा, इसकी भी पूरी तैयारी कर ली गई है।

कलाकारों को तीन हजार रुपए का पेंशन

वहीं कलाकारों के लिए मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना को स्वीकृति मिली है। इसके तहत बिहार राज्य के कलाकारों को 3 हजार रुपए का मासिक पेंशन दिया जाएगा।

कोलकाता की सरस्वती प्रेस छापेगी मतपत्र

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए चुनाव में इस्तेमाल होने वाले मतपत्र छापने के लिए बिहार सरकार ने तय किया है कि कोलकाता की सरस्वती प्रेस लिमिटेड को यह काम करने की इजाजत दी जाएगी। सरकार ने यह अनुमति बिहार वित्त नियमावली 2024 के नियम 131द के तहत दी है।

दुर्लभ कलाओं की दी जाएगी ट्रेनिंग

इसके अलावा बिहार सरकार ने 'मुख्यमंत्री गुरू-शिष्य परंपरा योजना' शुरू की है। इस योजना का मकसद है राज्य की पुरानी और खत्म होती कलाओं को बचाना और आगे बढ़ाना।

किसानों के लिए कई योजनाओं की स्वीकृति

नेचुरल फार्मिंग योजना, 2025-26 में नेचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती) योजना चलाने के लिए सरकार ने 36 करोड़ 35 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी दी है। कृषि विस्तार योजना (सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन) चौथे कृषि रोड मैप के तहत बामेती और आत्मा (जिला स्तर पर कृषि प्रबंधन संस्था) को वेतन, मानदेय और प्रशासनिक खर्च के लिए 80 करोड़ 99 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी मिली है। मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता योजना, प्रधानमंत्री कृषि विकास योजना के तहत मिट्टी जांच प्रयोगशाला बनाने, जैव उर्वरक प्रयोगशाला बनाने।और पुरानी मिट्टी जांच लैब को सुधारने के लिए 30 करोड़ 49 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी दी गई है। कृषि प्रशिक्षण योजना, कृषि विस्तार योजना के तहत बामेती और आत्मा को प्रशिक्षण, भ्रमण और संपर्क कक्षा चलाने के लिए 41 करोड़ 2 लाख रुपये खर्च करने की अनुमति मिली है।

अलग-अलग विभाग से सबंधित कैबिनेट के फैसले

पर्यावरण विभाग : भोजपुर के गोकुल जलाशय के विकास और देखरेख के लिए 2025 से 2029 तक 32 .48 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी मिली है।

स्वास्थ्य विभाग : सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की भर्ती संविदा (कॉंट्रैक्ट) पर करने की अनुमति दी गई है। पंचायत और ग्राम कचहरी के चुने हुए जनप्रतिनिधियों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से पैसे देने की मंजूरी मिली है।

गंडक नदी में बाढ़ से दो गांवों का संपर्क टूटा

महानगर नेटवर्क
पश्चिम चंपारण

पश्चिम चंपारण में गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। योगापट्टी प्रखंड के जरलपुर खुटवनिया पंचायत के बैसिया गोडटोली और हरिजन टोली गांव का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। बाल्मीकि नगर स्थित गंडक बराज से 65 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से नदी उफान पर है।

कच्ची और मुख्य सड़कों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों और शिक्षकों के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैसिया हरिजन टोली के शिक्षक विनय कुमार सिंह ने बताया कि छाती भर पानी में होकर शिक्षक स्कूल पहुंच रहे हैं। बरसात के तीन महीनों तक यह स्थिति बनी रहती है। पानी में जहरीले कीड़े-मकोड़े और मगरमच्छ का खतरा भी है।

जलमग्न क्षेत्र में चल रहा स्कूल

गजना बैसिया गांव के दो विद्यालयों में से एक को ऊंचे स्थान पर आंगनबाड़ी केंद्र में स्थानांतरित किया गया है। दूसरा विद्यालय अभी भी जलमग्न क्षेत्र में चल रहा है। सरकारी नाव नहीं होने से बच्चे और शिक्षक जोखिम उठाकर जलभराव वाली सड़क पार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और शिक्षकों ने शिक्षा विभाग से विद्यालयों को ऊंचे स्थानों पर स्थानांतरित करने या नाव की व्यवस्था करने की मांग की है।

पवन सिंह की पत्नी ज्योति का बड़ा फैसला बिहार में लड़ेंगी विधानसभा चुनाव

महानगर नेटवर्क
भोजपुरी

भोजपुरी सिनेमा के 'सुपरस्टार' अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह अब चुनावी मैदान में दमखम दिखाती नजर आएंगी। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर ज्योति ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। हाल ही में डेहरी में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि वे इस बार काराकाट की किसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। सबसे अहम बात यह रही कि उन्होंने यह भी ऐलान कर दिया कि अगर किसी बड़ी पार्टी से टिकट नहीं मिला, तो वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरेंगी। पिछले एक साल से ज्योति सिंह लगातार काराकाट क्षेत्र में सक्रिय हैं। सामाजिक और स्थानीय कार्यक्रमों में उनकी लगातार मौजूदगी ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे कि वे विधानसभा चुनाव में अपना भाग्य आजमा सकती हैं।

चुनाव लड़ने के फैसले पर क्या बोलीं ज्योति

ज्योति सिंह ने कहा कि उनका राजनीति में आने का निर्णय कोई तात्कालिक फैसला नहीं है, बल्कि पिछले कई महीनों की तैयारी और क्षेत्रीय जुड़ाव का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो महीनों में उनकी किसी भी राजनीतिक दल से बातचीत नहीं हुई है। इसीलिए यदि कोई दल उन्हें टिकट नहीं देता, तो वे जनता के सहयोग से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी। उनके अनुसार, उन्हें स्थानीय जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

इस घोषणा के साथ ही यह भी तय हो गया है कि काराकाट ही उनकी चुनावी कर्मभूमि होगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि वे किसी अन्य क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगी।

2024 में पवन सिंह ने लड़ा था लोकसभा चुनाव

2024 के लोकसभा चुनाव में पवन सिंह ने भी काराकाट से किस्मत आजमाई थी, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। उस समय ज्योति सिंह अपने पति के साथ प्रचार में सक्रिय रही थीं। चुनाव के बाद भी वे क्षेत्र में बनी रहीं और स्थानीय गतिविधियों में भाग लेती रहीं। अब उनकी यह राजनीतिक घोषणा इस बात का प्रमाण है कि वे सिर्फ प्रचार तक सीमित नहीं थीं, बल्कि स्वयं को राजनीति में स्थापित करने की दिशा में काम कर रही थीं।

मां के थप्पड़ मारने से नाराज किशोरी ने छोड़ा घर

शेखपुरा पुलिस ने 24 घंटे में किया बरामद

महानगर नेटवर्क
शेखपुरा

शेखपुरा पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से घर से फरार हुई 16 वर्षीय किशोरी को गया जंक्शन से बरामद कर लिया है।

नगर थाना की पुलिस सब इंस्पेक्टर प्रीति कुमारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। नगर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि 29 जून को शेखपुरा नगर परिषद के जमुआरा गांव से किशोरी गायब हो गई थी। उसकी मां ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। किशोरी को मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेलने की लत लग गई थी। वह दिनभर गेम खेलती रहती थी। इसी कारण घटना वाले दिन उसकी मां ने उसे एक चांटा मार दिया था। इससे नाराज होकर किशोरी अपना मोबाइल घर में छोड़कर चुपचाप भाग गई। भागने से पहले उसने गेम में बनी एक दोस्त को इसकी जानकारी दी थी।

पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाया मामला

पुलिस ने किशोरी के मोबाइल से उसके दोस्त का पता लगाया। फिर गया रेलवे जंक्शन पहुंची। वहां एक महिला ने भटकती हुई किशोरी को अपने घर में शरण दी थी। पुलिस ने उसे वहीं से बरामद किया। किशोरी को मंगलवार को शेखपुरा लाया गया। उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही इस मामले को सुलझा लिया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 2 युवक की मौत

महानगर नेटवर्क
शेखपुरा

शेखपुरा में सोमवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शेखपुरा-शाहपुर मुख्य सड़क मार्ग पर कुसुंभा बेलदरिया और बगैया गांव के बीच ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान देवले गांव निवासी मुकेश रविदास (30) और बेलछी गांव निवासी छोटू रविदास (25) के रूप में हुई है। मुकेश बिल्डिंग निर्माण का ठेकेदार था। वह सोमवार सुबह मजदूर और राजमिस्त्री की तलाश में अपने ननिहाल बेलछी गांव आया था। रात में छोटू रविदास अपनी बाइक से मुकेश को उनके घर देवले छोड़ने जा रहा था।

लिखित शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई

हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन लेकर शेखपुरा की ओर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कोसुभा थाना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष अमरेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल शेखपुरा भेज दिया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमिका से मिलने गए युवक को ग्रामीणों ने पीटा

बांका। बांका के रजौन थाना क्षेत्र में एक प्रेम प्रसंग ने तूल पकड़ लिया। चिलकावर गांव में सोमवार देर रात एक युवक को ग्रामीणों ने रस्सी से बांधकर पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पीड़ित युवक की पहचान गांव के ही रहने वाले संतोष सिंह के रूप में हुई है। वह रात के अंधेरे में किसी से मिलने आया था। ग्रामीणों ने उसे नशे की हालत में पकड़ा। जब ग्रामीणों ने उसे रोका, तो वह उन्हें गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांधकर पीटा। सूचना मिलते ही रजौन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने संतोष को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पूछताछ में पता चला कि वह शराब के नशे में था।

राजधानी एक्सप्रेस के सामने युवक ने लगाई छलांग

बेगूसराय। बेगूसराय में मंगलवार सुबह एक युवक ने राजधानी एक्सप्रेस के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली. घटना बखरी थानांतर्गत सलौना स्टेशन और खटुली रेल पुल के बीच रामपुर ढ़ाला के निकट की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक ने राजधानी एक्सप्रेस के सामने अचानक छलांग लगा दी. जिसके बाद घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. ट्रेन की रफ्तार बहुत तेज थी, जिस वजह से युवक का शरीर क्षत-विक्षत हो गया. इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने जीआरपी व स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी।

10 साल की बच्ची के गले में लिपटा दो विषैला सांप

जान की बाजी लगा कर पिता ने बचाया

गयाजी। गयाजी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के जम्हेता गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. जहां 10 साल की बच्ची सलोनी के गले में दो जहरीले करैत सांप लिपटे हुए थे. सुबह-सुबह सलोनी की मां की नजर बेटी के गले में लिपटे सांपों पर पड़ी तो वो चीख उठी. शोर सुनकर सलोनी के पिता भी जाग गए और नजारा देख कर दंग रह गए. इसके बावजूद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी. बेटी की जान बचाने के लिए राजू कुमार केसरी ने अपनी जान की परवाह किए बिना दोनों सांपों के मुंह को हाथों से दबाकर मार डाला. पिता की बहादुरी से बच्ची की जान बच गई. घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और पिता की बहादुरी देख कर दंग रह गए।

मौत के 5 महीने बाद घर पहुंचा मजदूर का शव

महानगर नेटवर्क
सारण

सारण के दाउदपुर थाना क्षेत्र स्थित कोहड़ा गांव निवासी भुटेली खान(52) की पांच महीने पहले सऊदी अरब में एक हादसे में पांच महीने पहले मौत हो गई थी। आज जैसे ही उनका शव गांव पहुंचा, परिजनों में कोहराम मच गया। शव को देखते ही मृतक की पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं शव पहुंचने की सूचना पर ग्रामीणों की भारी भीड़ भुटेली खान को अंतिम विदाई देने उमड़ पड़ी।

मिली जानकारी के अनुसार भुटेली खान सऊदी अरब के नेसमा पार्टनर कंस्ट्रक्शन कंपनी में बतौर राजमिस्त्री कार्यरत थे। इसी कंपनी के तहत अरामको प्रोजेक्ट का काम चल रहा था। 28 जनवरी 2025 को कार्य के दौरान कंपनी की ही एक वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद से परिजन शव को भारत लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे।

उन्हें दिल्ली स्थित भारतीय एम्बेसी से दस्तावेज तैयार कराने में डेढ़ माह और सऊदी प्रशासन से कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में साढ़े तीन महीने का समय लग गया। अंततः पांच महीने बाद शव भारत भेजा गया, जिसे पटना एयरपोर्ट से लाकर गांव लाया गया और स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मृतक के तीन बेटे सोनू, मोनू और अरमान पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि बेटी नमीरा खातून की शादी पिछले साल हुई थी।

बेटी के शादी में आए थे

पत्नी नगमा बेगम ने बिलखते हुए बताया कि भुटेली खान बेटी की शादी के लिए पिछले साल कुछ महीनों के लिए घर आए थे और मई 2024 में दोबारा सऊदी लौटे थे।

व्यापार

मुंबई में घर खरीदना है, 109 साल की सेविंग लगेगी

महानगर नेटवर्क
मुंबई

अगर आप सालाना 11 लाख रुपए कमाते हैं और अपना ड्रीम हाउस लेने के लिए सालाना 30% पैसा बचाते हैं तो भी ये घर आपको नसीब नहीं होगी। क्योंकि इसमें 109 साल का समय लगेगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के टॉप 5% अमीर परिवार सालाना औसतन 10.7 लाख रुपए कमाते हैं। एक एवरेज साइज यानी 1,184 वर्ग फुट का घर खरीदने के लिए करीब 3.5 करोड़ रुपए खर्चने होंगे। जो सालाना सेविंग से 100 साल से ज्यादा का समय लेगा। मार्च 2025 में प्रति वर्ग फुट की कीमत 29,911 रुपए थी। गुरुग्राम में ऐसा ही घर खरीदने के लिए 64 साल, भुवनेश्वर में 50-60 साल, बेंगलुरु में 36 साल और दिल्ली में 35 साल की बचत चाहिए।

सालाना 3 लाख से ज्यादा बचत फिर कैसे लगेंगे 109 साल

रिपोर्ट को तैयार करने के लिए देश के 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के टॉप 5% अमीरों को शामिल किया गया। राजधानी क्षेत्र में नेशनल हाउसिंग बोर्ड की ओर से तय 3 हाउस साइज के बीच वाले यानी 1184 स्क्वायर फुट को लिया गया। सेविंग का पता लगाने के लिए 2022-23 के GDP के मुकाबले सेविंग का डेटा लिया गया, जो इनकम का 30.2% है।

टॉप-5% परिवारों के एवरेज मंथली पर कैपिटा कंजप्शन यानी (MPCE) लिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में यह और कम है।

महाराष्ट्र के लिए अर्बन MPCE हर महीने 22,352 रुपए है, सालाना 10.7 लाख रुपए। सालाना बचत करीब 3.2 लाख रुपए।

सेंसेक्स 91 अंक चढ़कर 83,697 पर बंद

महानगर नेटवर्क
मुंबई

हफ्ते को दूसरे कारोबारी दिन आज (मंगलवार, 1 जुलाई) सेंसेक्स 91 अंक चढ़कर 83,697 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 25 अंक की तेजी रही, ये 25,542 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 में तेजी और 18 में गिरावट रही। BEL, रिलायंस, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट 2.60% चढ़े। एक्सिस बैंक, ट्रेंट, इटरनल और टेक महिंद्रा 2% तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 26 शेयरों में गिरावट रही। NSE का मीडिया इंडेक्स 1.31% गिरा। IT, रियल्टी और ऑटो शेयरों में भी गिरावट रही। मेटल, फार्मा और सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी रही।

कैंटाबिल ने महाराष्ट्र में अपनी खुदरा उपस्थिति मजबूत की

महानगर नेटवर्क
मुंबई

पश्चिमी भारत में अपनी खुदरा विस्तार रणनीति का सशक्त प्रदर्शन करते हुए, कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने महाराष्ट्र में 66 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोलकर अपनी उपस्थिति मजबूत की है, जिसमें मुंबई में 23 स्टोर शामिल हैं। इस क्षेत्र में इसकी बढ़ती पैठ भारत के प्रमुख महानगरों और टियर 2-3 शहरों में गुणवत्तापूर्ण, किफायती फैशन को सुलभ बनाने के ब्रांड के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए मेन्सवियर स्टोर और बहु-श्रेणी आउटलेट के मिश्रण के साथ, मुंबई (23 स्टोर), पुणे और आसपास के क्षेत्रों (17 स्टोर), नागपुर (5 स्टोर) और नासिक (4 स्टोर) में कैंटाबिल की स्टोर उपस्थिति विभिन्न जनसांख्यिकी वाले उपभोक्ताओं की उभरती हुई शैली की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। अमरावती, कोल्हापुर, औरंगाबाद, नांदेड़, जलगांव और सोलापुर में अतिरिक्त आउटलेट कैंटाबिल के राज्यव्यापी नेटवर्क को पूरा करते हैं। कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक दीपक बंसल ने कहा, "महाराष्ट्र में विशेष रूप से मुंबई में हमारी मजबूत उपस्थिति हमारी विकास यात्रा में इस क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करती है।" "व्यस्त महानगरों से लेकर तेजी से बढ़ते शहरों तक, हम अपने ग्राहकों के साथ हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ग्राहकों के लिए किया इंडिया का विशेष ओनरशिप सर्विस कैंप शुरू

मुंबई। किया इंडिया ने अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं और प्रीमियम ओनरशिप अनुभव देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए देशभर में ओनरशिप सर्विस कैंप की शुरुआत की है। यह सर्विस कैंप 1 जुलाई 2025 तक जारी रहेगा और देश के 329 शहरों में फैले 445 अधिकृत सर्विस वर्कशॉप्स में आयोजित किया जाएगा। यह पहल ब्रांड की ग्राहकों के प्रति सेवा और भरोसे को और सुदृढ़ करती है। इस सर्विस कैंप में ग्राहकों के लिए विशेष सेवाओं और बेहतरीन ऑफर्स का प्रावधान है, जो न सिर्फ गाड़ियों की परफॉर्मेंस को बेहतर बनाएगा बल्कि ओनरशिप अनुभव को भी शानदार बनाएगा। इस सप्ताह भर चलने वाले कैंप के दौरान, किया कार मालिकों को 36-पॉइंट्स का निःशुल्क व्यापक वाहन स्वास्थ्य जांच दी जाएगी। इसमें एक्सटीरियर, इंटीरियर, इंजन कम्पार्टमेंट, अंडरबॉडी और ऑन-रोड परफॉर्मेंस का गहन निरीक्षण शामिल है। ग्राहकों के अनुभव को और अधिक मूल्यवान बनाने के लिए कैंप में आकर्षक ऑफर्स भी दिए जा रहे हैं। इनमें कार केयर सेवाओं पर 20% तक की छूट, एक्सटेंडेड वारंटी पैकेज पर 10% तक की छूट, रोडसाइड असिस्टेंस (RSA) प्लान्स पर 10% की छूट, पार्ट्स और लेबर पर 10% की छूट, किया जेन्युइन एक्सेसरीज़ पर 10% की छूट आदि शामिल हैं।

AIFI ने किया 'जेननेक्स्ट उद्यमी फोरम' का शुभारंभ

मुंबई। भारत के फोर्जिंग क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देने वाली एक ऐतिहासिक पहल के तहत, एसोसिएशन ऑफ इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री (AIFI) ने जेननेक्स्ट एंटरप्रेन्योर्स फोरम की शुरुआत की घोषणा की है, यह मंच भारत में अपनी तरह का पहला मंच है, जिसका उद्देश्य फोर्जिंग उद्योग में उभरते नेताओं को मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करना है। यह फोरम एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी के व्यवसायिक नेताओं को सशक्त बनाना है, जो नवाचार, तेज़ उत्पाद विकास और सततता की अनिवार्यता से परिभाषित वैश्विक औद्योगिक परिदृश्य में कदम रख रहे हैं। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था औसतन 7.2% की वृद्धि दर से तेज़ी से आगे बढ़ रही है, और उद्योग क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), रोबोटिक्स और फिनटेक जैसी विघटनकारी तकनीकों को तेज़ी से अपनाया जा रहा है, ऐसे समय में फोर्जिंग क्षेत्र एक बड़े बदलाव के द्वार पर खड़ा है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने किया निर्णायक समझौते पर हस्ताक्षर

मुंबई। जेएसडब्ल्यू पेंट्स लिमिटेड ("जेएसडब्ल्यू पेंट्स") ने एक्ज़ो नोबेल एन.वी. और उसके सहयोगियों से एक्ज़ो नोबेल इंडिया लिमिटेड ("एएनआईएल") में 74.76% तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए निर्णायक समझौता किया। शेयर खरीद समझौते के तहत अधिकतम हस्तांतरण मूल्य 8,986 करोड़ तक होगा, जो कुछ समापन समायोजनों ("प्रस्तावित हस्तांतरण") पर निर्भर करेगा। प्रस्तावित हस्तांतरण भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से अनुमोदन और एएनआईएल के सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए अनिवार्य निविदा प्रस्ताव ("खुली पेशकश") के पूरा होने पर निर्भर होगा। जेएसडब्ल्यू पेंट्स, भारत की सबसे तेज़ी से वृद्धि दर्ज करती पेंट कंपनी है और यह 23 अरब अमेरिकी डॉलर के जेएसडब्ल्यू ग्रुप की अंग है।

रिलायंस डिफेंस और कोस्टल मैकेनिक्स की रणनीतिक साझेदारी

मुंबई। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा समर्थित रिलायंस डिफेंस लिमिटेड (रिलायंस डिफेंस) ने आज अमेरिका की प्रमुख रक्षा कॉन्ट्रैक्टर कंपनी कोस्टल मैकेनिक्स इंक. (सीएमआई) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह समझौता भारत के 20,000 करोड़ रुपये के रक्षा रखरखाव, मरम्मत, ओवरहॉल (एमआरओ) और अपग्रेड बाजार की अपार संभावनाओं को मिलकर आगे बढ़ाने की दिशा में किया गया है। गौरतलब है कि सीएमआई अमेरिकी रक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त एक प्रतिष्ठित कंपनी है। रिलायंस डिफेंस और कोस्टल मैकेनिक्स भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एंड-टू-एंड एमआरओ, अपग्रेड और लाइफसाइकल सपोर्ट सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारत में जल्द मिलेगा हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट

नई दिल्ली। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स कुछ ही दिनों में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने वाली है। स्पेस रेगुलेटर इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, IN-SPACe के चेयरमैन डॉ. पवन गोयनका ने कहा है कि स्टारलिंक को लेकर ज्यादातर रेगुलेटरी और लाइसेंसिंग की औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। डॉ. गोयनका के मुताबिक, अब सिर्फ कुछ अंतिम मंजूरियां बाकी हैं, जो अगले कुछ दिनों में मिल जाएंगी। हाल ही में स्पेसएक्स की प्रेसिडेंट ग्विन शॉटवेल भारत आई थीं। उन्होंने डॉ. गोयनका से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में स्टारलिंक की लॉन्चिंग से जुड़े बचे हुए मुद्दों पर बात हुई थी।

हालांकि, डॉ. गोयनका ने यह भी साफ किया कि मंजूरी मिलने के बाद भी Starlink सर्विस को शुरू होने में कुछ महीने और लग सकते हैं।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

गोरखपुर में बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

स्वस्थ शरीर से ही 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार होगा

महानगर संवाददाता
गोरखपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि स्वास्थ्य ही संपदा है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो ही 2047 तक विकसित भारत और विश्व गुरु बनने का सपना साकार होगा। राष्ट्रपति गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण करने के बाद समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस विश्वविद्यालय को 268 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। राष्ट्रपति ने 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को पहचान मिली है। कठिन परिश्रम करने वालों के लिए योग उतना आवश्यक नहीं है, लेकिन जो

दफ्तर में काम करते हैं, उनके लिए जरूरी है। उन्होंने योग और भारत की गौरवमयी परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि हम भारत के पूर्वजों, मुनियों-ऋषियों की उत्तर पीढ़ी कहलाते हैं तो उनका मान रखना होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है तो उसे आगे बढ़ाने के लिए पूरे भारतवासी को ध्यान रखना है। स्वास्थ्य ही संपदा है और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो 2047 तक विकसित भारत और विश्व गुरु बनने का सपना साकार होगा और इसके लिए आज से ही प्रयास करना होगा। द्रौपदी मुर्मू ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि इस विश्वविद्यालय में आयुष पद्धतियों से जुड़े रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शिक्षा भी दी जाएगी और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के विश्व स्तरीय शोध पर विशेष बल दिया जाएगा।

जनसेवा में थकना मना है

उत्तर प्रदेश के इस प्रथम आयुष विश्वविद्यालय की परिकल्पना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं यहां एक बात कहना चाहूंगी कि जनसेवा में कदम बढ़ाने के लिए आपको अथक प्रयास करना है, जनसेवा में थकना मना है। उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों से आह्वान किया कि आप थक नहीं सकते, दिन-रात आपको परिश्रम करना पड़ेगा। आपको निद्राजीत बनना पड़ेगा। निद्राजीत मतलब नींद पर विजय पाने के संदर्भ में स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि डॉक्टर कहते हैं कि आपको छह से आठ घंटे सोना पड़ेगा अन्यथा शरीर साथ नहीं देगा, लेकिन निद्रा को जीतने और स्वस्थ बनने के लिए आपको योग करना होगा, योग करने से आठ घंटे की नींद तीन घंटे में पूरी होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों और जनता के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी जी, उनके मंत्री जनता को हर सुख-सुविधा प्रदान कराते हैं, लेकिन जिस संस्था को बना रहे हैं, उसके अधिकारी, डॉक्टर या नर्स को भी अथक परिश्रम करना होगा, निद्राजीत बनना होगा और जनता की सेवा करनी होगी। महायोगी गुरु गोरखनाथ की धरती को सादर नमन करते हुए मुर्मू ने कहा कि मुझे महायोगी गुरु गोरक्षनाथ के बारे में कहा गया है कि आदि शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली और महिमा पूर्ण प्रभावशाली पुरुष दोबारा नहीं हुआ।

जनता दर्शन में 7वीं की छात्रा ने लगाई सीएम योगी से गुहार

मुख्यमंत्री ने स्कूल फीस माफ कराने का दिया भरोसा

महानगर संवाददाता
गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बच्चों के प्रति अपने लगाव के लिए विशेष रूप से भी जाने जाते हैं। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान सातवीं कक्षा की एक छात्रा ने उनसे मुलाकात कर आर्थिक तंगी के कारण आ रही पढ़ाई में बाधा को दूर करने की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने भी उसके सर पर हाथ रखते हुए कहा बेटी चिंता मत करो, हम हैं न पढ़ती हो? खूब पढ़ो।

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री से मिलने जनता दर्शन के दौरान लोग अपनी समस्याओं को लेकर आते हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री उन लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल भी जानते हैं। लोगों से जुड़ी समस्याओं

के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश भी देते हैं। ऐसा एक मामला 1 जुलाई मंगलवार को भी देखने को मिला जब कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरदिलपुर की रहने वाली सातवीं की छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई कि महाराज जी मैं आगे पढ़ना चाहती हूं, लेकिन प्राइवेट स्कूल की फीस इतनी महंगी है कि पढ़ाई आगे नहीं हो पा रही, आर्थिक तंगी है। पिताजी विकलांग है और माताजी एक दुकान में काम करती है। इससे हम लोगों का भरण-पोषण चलता है। यह सुनते ही पंखुड़ी के चेहरे पर मुस्कान आ गई। इसके लिए सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

सीएम योगी ने दिया मदद का आश्वासन

गोरखपुर में छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी ने सीएम योगी को बताय कि एक भाई है जो 12वीं का छात्र है। पिछले कई महीने से स्कूल की फीस जमा नहीं हो पाई है, कृपया कोई ऐसी व्यवस्था कर दें ताकि फीस माफ हो जाए। यह सुनते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिटिया के सर पर हाथ रखा और कहा, चिंता मत करो पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आएगी। इसके लिए स्कूल प्रबंधन से बात की जाएगी, अन्यथा सरकार की तरफ से आपकी फीस भर दी जाएगी।

सुल्तानपुर में ऑपरेशन मुस्कान

लापता मासूम को पुलिस ने 3 घंटे में खोजकर परिजनों को सौंपा

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पुलिसिंग का मानवीय चेहरा सामने आया है। बन्धुआकला थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक 5 वर्षीय बच्चे को 3 घंटे में न सिर्फ बरामद किया बल्कि अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह बच्चे को गोद में उठाकर थाने पहुंचे और उसे चॉकलेट दिया।

पुलिस ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक खोए हुए बच्चे को महज तीन घंटे में ढूंढ निकाला। बंधुआकला थाना क्षेत्र में 30 जून को सुबह 7:15 बजे भगवान बक्श सिंह ने अपने 5 वर्षीय नाती शिवांश सिंह के खो जाने की सूचना दी। थाना प्रभारी धर्मवीर सिंह ने तुरंत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बच्चे की तलाश की। शिवांश को दाऊदपुर पुल के पास से सकुशल बरामद किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बच्चे को गोद में उठाकर थाने लाए और उसे चॉकलेट दी। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान की यह सफलता रही। बच्चे को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि बंधुआकला थानाक्षेत्र में एक 5 वर्षीय बच्चे की गुमशुदा होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने केस दर्ज किया और बच्चे की बरामदगी के लिए टीमें रवाना की गई। बच्चे को 3 घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

अब आजमगढ़ में एक ही परिवार में तीन मौतें

मां-बेटे की हत्या कर खुद को गोली से उड़ाया

आजमगढ़। लखनऊ के बाद आजमगढ़ में एक ही परिवार में तीन लोगों की मौत की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। घरेलू कलह में एक युवक ने परिवार के चार लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद खुद को भी गोली से उड़ा लिया। वारदात में मां-बेटे की मौत हो गई। सात साल की बेटी की हालत गंभीर है। पत्नी पर भी गोली चलाई लेकिन उसने भागकर अपनी जान बचा ली। वारदात को अंजाम देने वाला युवक वाराणसी में पेट्रोल पंप पर काम करता है। घटना जहानागंज कस्बे के मुस्तफाबाद में हुई। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंगलवार की दोपहर शराब के नशे में वह घर पहुंचा और परिवार वालों पर ताबड़तोड़ गोली चलाने लगा। अपनी मां और चार साल के बेटे के अलावा सात साल की बेटी को गोली मारने के बाद पत्नी पर भी फायरिंग की लेकिन वह भाग निकली।

UP में बड़ा अभियान शुरू, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने संभाली कमान

महानगर संवाददाता
लखनऊ

यूपी में संचारी रोग विरोधी और दस्तक अभियान की शुरुआत मंगलवार से हो गई। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने खुद कमान संभाली और पहले दिन घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने घरों में जलजमाव न होने दें ताकि मच्छरों जनित रोगों से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। संचारी रोग विरोधी

घर-घर जाएंगे अधिकारी और कर्मचारी

अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। इसके तहत लोगो को संचारी रोगों से बचाव के बारे में जागरूक किया जाएगा। कर्मचारी घर-घर जाएंगे और उन्हें बताएंगे कि कैसे मच्छर जनित रोगों से बचा जा सकता है। लोगों को बताया जाएगा कि कहां-कहां जलजमाव की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। उन स्थानों की साफ-सफाई कैसे की जाए। लोगों को मच्छर जनित रोगों के बारे में भी बताया जाएगा। जागरूकता अभियान के दौरान अगर किसी घर में संभावित तौर पर कोई रोगी दिखता है तो उसकी सूचना भी आशा कार्यकर्ता संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को देंगी ताकि उनका इलाज किया जा सके। अभियान के दौरान लोगों को उल्टी-दस्त आदि रोगों के प्रति सचेत रहने की सलाह दी जाएगी। घर-घर ओआरएस के पैकेट भी बांटे जाएंगे ताकि उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर लोग उन्हें इस्तेमाल करके सुरक्षित रह सकें।

बृजभूषण शरण सिंह ने अखिलेश यादव को बताया श्रीकृष्ण का वंशज

कहा- धर्म विरोधी नहीं हैं वो

संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का मंगलवार (एक जुलाई 2025) को 52 वां जन्मदिन है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सहित तमाम दिग्गज नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आज अपने ही अंदाज में उनका (अखिलेश यादव का) जिक्र किया। बृजभूषण शरण सिंह ने अखिलेश यादव को श्रीकृष्ण का वंशज और धार्मिक व्यक्ति बताया। साथ ही यह जोड़ा कि वे कभी-कभी धर्म को लेकर जो बयान देते हैं वो उनकी मजबूरी है। पूर्व सांसद शरद त्रिपाठी के पुण्य तिथि कार्यक्रम में संतकबीरनगर आए बृजभूषण शरण सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ये बातें कहीं। बृजभूषण के इस बयान की सोशल मीडिया में खासी चर्चा हो रही है। वायरल हो रहे बयान में इसमें उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव धार्मिक व्यक्ति हैं। उनके पिता मुलायम सिंह यादव हनुमान जी की प्रशंसा करते थे। अखिलेश यादव ने एक बहुत बढ़िया मंदिर भी (इटावा में) बनवाया है। वे श्रीकृष्ण के वंशज हैं। वे कैसे धर्म का विरोध कर सकते हैं। थोड़ा बहुत जो करते हैं वह मजबूरी में करते हैं। धर्म के विरोधी नहीं हैं। मजबूरी उनसे करवा रही है। बृजभूषण शरण सिंह ने इटावा में कथावाचक के साथ मारपीट को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कथावाचक को जो मारा गया वह बहुत गलत है। ऐसा नहीं होना चाहिए। कथा कहने का अधिकार किसी विशेष को नहीं बल्कि सभ् को है। जो लोग जाति के आधार पर कथा वाचक की आलोचना करते हैं उन्हें वेदव्यास की जीवनी पढ़नी चाहिए। विदुर की जीवनी पढ़नी चाहिए। लेकिन उसके बाद जिस प्रकार जाति की राजनीति हो रही है, किसी जाति विशेष को अपमानित करने का काम हो रहा है वह काम भी नहीं होना चाहिए।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि आजकल बहुत से लोग सनातन धर्म और मनुस्मृति की आलोचना करते हैं। जिन्होंने मनुस्मृति को कभी दूर से भी नहीं देखा, इस पुस्तक को कभी नहीं पढ़ा वे भी इसकी आलोचना कर रहे हैं। यह गलत है।

जौनपुर में जबरदस्त खूनी झड़प, 7 घायल

महानगर संवाददाता
जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर से दो पक्षों में भीषण टकराव की खबर सामने आई है। गोरखपुर से भारतीय जनता पार्टी सांसद रवि किशन के पैतृक गांव बिसुई बराई में सोमवार को आबादी की जमीन को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। यह गांव केराकत कोतवाली क्षेत्र में आता है। दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों और पथराव से गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया। झड़प में दोनों पक्षों से कुल सात लोग घायल हुए हैं। उनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, लंबे समय से आबादी की जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के बावजूद आए दिन टकराव की स्थिति बनी रहती है। सोमवार को बात अचानक इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। टकराव के बीच देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे। कुछ ही देर में दोनों ओर से पथराव भी शुरू हो गया। इससे इलाके में भगदड़ मच गई।

काफी देर तक चली मारपीट

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक मारपीट होती रही। महिलाओं और बच्चों में भय का माहौल पैदा हो गया। गांव वालों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी लोग चोटिल हो चुके थे। घायलों को तुरंत केराकत सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कुछ को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

छह समोसे लेकर जांच अधिकारी ने दुष्कर्म केस में लगाई फाइनल रिपोर्ट

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा में 14 साल की लड़की से रेप के मामले में जांच अधिकारी ने फाइनल रिपोर्ट कोर्ट में लगा दी थी। इस मामले में समोसे लेकर एफआर लगाने का आरोप जांच अधिकारी पर लगा। मामला कोर्ट तक पहुंचा। पीड़िता के पिता ने कोर्ट में समोसे लेकर जांच अधिकारी के फाइनल रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया। फाइनल रिपोर्ट पर कोर्ट में आपत्ति दायर की गई। कोर्ट में कहा गया कि जांच अधिकारी ने 6 समोसों की रिश्वत लेकर फाइनल रिपोर्ट लगाई। मामले में सोमवार को सुनवाई के क्रम में विशेष जज पॉक्सो कोर्ट नरेंद्र पाल राणा ने पुलिस की एफआर को निरस्त कर दिया।

एटा जिले के जलेसर थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला है। थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक, 14 वर्षीय किशोरी 1 अप्रैल 2019 को स्कूल गई थी।

वाराणसी में बारिश ने तोड़ा 33 साल का रिकॉर्ड

लगातार दूसरे दिन झमाझम बरसात

वाराणसी। वाराणसी में मानसूनी बारिश ने 33 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन झमाझम बारिश हुई। इस बारिश से भले ही मौसम सुहावना कर दिया लेकिन जगह-जगह जलभराव से शहरियों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा है। इस मानसून की पहली मूसलधार बारिश ने नगर निगम, जलकल, पीडब्ल्यूडी, बिजली विभाग के दावों की धज्जियां उड़ा दीं। महीनों पहले से नाला सफाई का काम शुरू कराने और समय से पूरा करने की ठसक इस बारिश में मसक गई। सोमवार को 86.8 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। 1993 के बाद इतनी बारिश कभी नहीं हुई। 1993 में 92.4 एमएम बारिश हुई थी। नगर निगम की ओर से नालों की सफाई नहीं कराने और जलकल विभाग की ओर से सीवर की आधी-अधूरी सफाई का खामियाजा शहरवासियों ने झेला। विश्वनाथ धाम में शंकराचार्य चौक में पानी भरने से श्रद्धालुओं को दिक्कत हुई। दालमंडी, ढेलवरिया, चौकाघाट, अंधरापुल, रेवड़ीतालाब, रथयात्रा, महमूरगंज, लहरतारा, खोजवां, कमच्छा, विनायका, पियरी, सेनपुरा, गिरजाघर, सरैया, जलालीपुरा, कैंट स्टेशन रोड, छित्तनपुरा, लल्लापुरा, औरंगाबाद, शिवाला, संकटमोचन, सामनेघाट आदि इलाकों में एक से तीन घंटे तक जलभराव रहा।

रेवड़ी तालाब, नई सड़क, छोहरा, हनुमान फाटक में घुटने भर पानी भरा था। इन इलाकों की दुकानों, मकानों में पानी घुस गया। जगह-जगह दो पहिया वाहनों में पानी जाने से लोग खींचकर मैकेनिकों के पास पहुंचे। चार पहिया वाहनों को धक्के देते दिखे। रवींद्रपुरी में बारिश बंद होने के तीन घंटे बाद तक जलभराव रहा। पद्मश्री चौराहे के पास गड्ढे में दर्जनों वाहनों के पहिए धंसे। संयोग से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। रवींद्रपुरी में पीडब्ल्यूडी नाला बना रहा है, लेकिन धीमी गति से कार्य और मानकों का पालन न होने से समस्याएं लोगों को उठानी पड़ रही है।

इटावा कथावाचक विवाद

अब यजमान रेनू तिवारी पर FIR

यादव समाज पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

इटावा। यूपी के इटावा में कथावाचकों से बदसलूकी का मामला गर्माया हुआ है। पहले कथावाचकों की चोटी काटने वालों पर केस हुआ। फिर जाति छिपाकर फर्जी आधार कार्ड बनवाने के आरोप में कथावाचकों के खिलाफ एफआईआर हुई। अब यजमान महिला रेनू तिवारी पर एक्शन हुआ है। उन पर यादव वर्ग की महिलाओं पर भद्दी टिप्पणी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पिछले दिनों रेनू तिवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। सपा कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की जिसके बाद

बकेवर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। रेनू तिवारी पर जाति विशेष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप है। इस घटना के बाद यादव और ब्राह्मण समाज आमने-सामने आ गए हैं। आपको बता दें कि रेनू तिवारी ने ही कथावाचक मुकुट मणि और उनके सहयोगी संत प्रसाद यादव के खिलाफ छेड़खानी का आरोप लगाया था। सपाईयों ने रेनू तिवारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

पति ने रिश्तेदारों को उसकी अश्लील फोटो भेजी

देवरिया। यूपी के देवरिया में एक कलयुगी पति की हैरान कर देने वाली शर्मनाक हरकत सामने आई है। इस पति पर अपनी ही पत्नी की अश्लील तस्वीरें रिश्तेदारों को भेजने और फिर वायरल कर देने का आरोप लगा है। पत्नी का आरोप है कि दहेज की रकम नहीं मिली तो पति ने उसकी अश्लील तस्वीरें वायरल कर दी हैं। इसकी भनक लगने के बाद महिला के पैर तले जमीन ही खिसक गई। उसे यकीन ही नहीं हुआ कि उसका अपना पति उसके साथ इस तरह की हरकत कर सकता है। पत्नी रोते-बिलखते मदनपुर थाने पहुंची और पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मदनपुर पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।

अयोध्या में आधे घंटे की बारिश से खुली नगर निगम के दावे की पोल

महानगर संवाददाता
अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में सोमवार को हुई तेज बारिश से जलभराव का माहौल बन गया। आधे घंटे की बारिश ने अयोध्या नगर निगम की पोल खोल दी। तेज बारिश से राम पथ, भक्ति पथ जैसे प्रमुख मार्ग जलमग्न हो गए।

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन और श्रीराम हॉस्पिटल में भी जलभराव देखने को मिला। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नालियों की साफ-सफाई न होने से गंदा पानी सड़क पर जम गया। जिससे बाढ़ जैसे हालात देखने को मिला। मोहल्लों के गलियों

और लोगों के घरों में पानी घुस गया। इसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जाप्ती वजीर नाले की सफाई न होने से गंदा पानी घरों में घुसा। राम मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को बारिश में परेशानियों का सामना करना पड़ा। श्रद्धालुओं ने कहा कि राम पथ पर जल भराव हो गया। इससे उन्हें मंदिर तक पहुंचते के लिए घंटो का समय लगा। वहीं अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर सफर कर रहे यात्रियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेलवे स्टेशन के बाहर जमें पानी से लोग काफी परेशान हुए।

श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में भारी परेशानी हुई। भक्ति पथ के हरिद्वारी बाजार में दुकानों में पानी घुसने से दुकानदारी ठप हो गई। रोड पर ठेले और दुकान लगाकर अपनी जीविका चला रहे लोगों ने भी बारिश के चलते परेशान हुए। कुछ दुकानदारों ने कहा कि पानी उनके दुकानों में घुस गया, जिससे उन्हें दुकानों को बंद करना पड़ा और इससे उन्हें भारी नुकसान हुआ।

प्रेमी ने दोस्त संग मिलकर गर्लफ्रेंड के पति की आंखें फोड़ी

फिरोजाबाद। यूपी में लव अफेयर में एक और खौफनाक वारदात सामने आई है। जहां एक शख्स ने अपने दोस्त के साथ मिलकर शादीशुदा प्रेमिका के पति को जान से मारने की कोशिश की। युवक ने सरिया से आंखें फोड़ दी फिर उसके पैरों में सरिया मारकर फ्रैक्चर कर दिया। उधर चीख-पुकार सुनाकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तब जाकर उसकी जान बच सकी। ये मामला टूंडला क्षेत्र क नगला सिंघी का है। जहां रविवार देर रात प्रेम प्रसंग के चलते दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। चूड़ी का काम करने वाला युवक अपनी पत्नी के साथ खेत पर गया था, तभी गांव के ही दो युवकों ने उस पर लोहे की सरिया से जानलेवा हमला कर दिया।

बांदा में शिक्षक ने नहाती हुई महिला का बनाया वीडियो

ब्लैकमेल कर वसूले 6 लाख रुपये और बनाए संबंध

महानगर संवाददाता
बांदा

गुरु को ज्ञान और संस्कार का प्रतीक माना जाता है, लेकिन कुछ स्वार्थी और विकृत मानसिकता के लोग इस पवित्र पेशे को भी बदनाम करने पर तुले हैं। ऐसा ही एक शर्मनाक मामला बांदा जिले में सामने आया है, जहां एक निजी शिक्षक ने महिला की अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और लाखों रुपये ऐंठ लिए।

शहर कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उसका पति मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहता है और वह घर पर रहकर बच्चों की परवरिश कर रही है। बच्चों की पढ़ाई के लिए उसने सिसोलर थाना क्षेत्र जिला हमीरपुर के बुढई गांव

निवासी शिक्षक सचिन कुशवाहा को ट्यूशन पढ़ाने के लिए घर बुलाना शुरू किया।

महिला के मुताबिक, एक दिन शिक्षक ने घर के बाथरूम में छिपकर उसका नहाते समय वीडियो बना लिया। इसके बाद उसने वीडियो दिखाकर महिला को ब्लैकमेल करना शुरू किया। पहले उसने शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। मना करने पर उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए कहा कि या तो पैसे दो या मेरी बात मानो। महिला ने बदनामी के डर से उसके सामने झुकते हुए अपने जेवर गिरवी रखकर करीब 6 लाख रुपये उसे दे दिए। हालांकि आरोपी की लालच यहीं नहीं रुकी। वह लगातार और पैसे की मांग करता रहा। जब बात हद से पार हो गई तो महिला ने साहस जुटाकर बांदा पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली नगर पुलिस ने आरोपी शिक्षक सचिन कुशवाहा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। शहर कोतवाल बलराम सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

UP के इस जिले में अब SDM का अर्दली 10 हजार की घूस लेते अरेस्ट

पहले रंगेहाथ पकड़ा गया था पेशकार

रामपुर। यूपी के रामपुर में मिट्टी उठाने की अनुमति के नाम पर मिलक एसडीएम के अर्दली को एंटी करप्शन की टीम ने दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। टीम अर्दली को पकड़कर शहजादनगर थाने ले आई और उससे सख्ती से पूछताछ की। जिसके बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। इन्हीं एसडीएम के यहां सालभर पहले भी घूसखोरी का मामला प्रकाश में आया था। तब मिलक एसडीएम के पेशकार को 20 हजार की घूसखोरी में गिरफ्तार किया गया था। मिलक थाना क्षेत्र के गांव जमालपुर निवासी रवि कुमार खेत से मिट्टी उठाने का कार्य करता है। वह इसके लिए एसडीएम से अनुमति लेता है। बीते दिनों उसे मिट्टी उठाने के लिए

एक अनुमति करानी थी, जिस पर उसने एसडीएम कार्यालय में अर्दली के रूप में कार्य करने वाले संविदा कर्मी शिवकुमार से संपर्क किया। शिव कुमार ने मिट्टी उठाने और मिट्टी की अनुमति एसडीएम मिलक से दिलवाने के नाम पर दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी। इसी से परेशान होकर रवि कुमार ने एंटी करप्शन मुरादाबाद यूनिट में रिश्वत मांगने की शिकायत की।

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार लागू हुई SC-ST आरक्षण नीति

कर्मचारियों को प्रमोशन और सीधी भर्ती में मिलेगा फायदा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने बड़ा फैसला लिया है। अब सुप्रीम कोर्ट में SC और ST के लिए स्टाफ की भर्तियों में आरक्षण होगा। यह पहली बार है जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा किया है। यह बदलाव मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के कार्यकाल में हुआ है। वे अनुसूचित जाति से आने वाले दूसरे सीजेआई हैं। 23 जून से यह नियम लागू हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने 24 जून को एक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी।

इस आदेश का मतलब है कि अगर किसी कर्मचारी को आरक्षण लिस्ट में कोई गलती दिखती है, तो वे भर्ती विभाग के रजिस्ट्रार को बता सकते हैं। यह आरक्षण अलग-अलग पदों के लिए है। जैसे कि सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट कम जूनियर प्रोग्रामर, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट और चेंबर अटेंडेंट। इस नीति के अनुसार अनुसूचित जाति (SC) कैटेगरी के लिए 15 फीसदी और अनुसूचित जनजाति (ST) कैटेगरी के लिए 7.5 फीसदी पद आरक्षित होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने 24 जून को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया। नोटिस में लिखा था कि सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के अनुसार सभी को सूचित किया जाता है कि मॉडल रिजर्वेशन रोस्टर और रजिस्टर को अपलोड कर दिया गया है। यह 23 जून 2025 से प्रभावी है। आगे यह भी सूचित किया जाता है कि अगर किसी कर्मचारी को रोस्टर या रजिस्टर में कोई गलती या कमी दिखती है, तो वे रिजस्ट्रार (रिक्रूटमेंट) को इसकी जानकारी दे सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में अभी तक सीधी भर्ती में आरक्षण नहीं था। यह पहली बार है जब ऐसा हो रहा है। सीजेआई बी.आर. गवई ने इस फैसले को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से SC और ST समुदाय के लोगों को फायदा होगा। अब उन्हें भी सुप्रीम कोर्ट में नौकरी पाने का मौका मिलेगा। इससे सुप्रीम कोर्ट में काम करने वाले लोगों में विविधता आएगी। यह फैसला सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत

महानगर नेटवर्क

शिवकाशी

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में 2 महिलाओं समेत कम से कम 5 श्रमिकों की मौत हो गई है, ये जानकारी पुलिस ने दी है। धमाका इतना जोरदार था कि पूरी फैक्ट्री तबाह हो गई। धमाके के बाद हर तरफ मलबा फैल गया।

उन्होंने बताया कि इस भीषण आग ने पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया और कई लोग घायल हो गए हैं। धमाके के बाद फैक्ट्री से निकला धुआं और पटाखों के फटने की आवाज दूर तक सुनाई दी। पुलिस, दमकल और बचाव सेवाओं के कर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दमकल एवं बचाव विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और फिलहाल मलबा हटाने का कार्य जारी है। शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी स्थित इस निजी पटाखा निर्माण इकाई पर पहुंचे राजस्व अधिकारी और पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं।

शुरुआती जांच के मुताबिक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में विस्फोट उस समय हुआ, जब फैक्ट्री में रसायनों को मिलाने का काम चल रहा था। माना जा रहा है कि रसायनों के मिक्स करते समय घर्षण होने की वजह से आग लगी और देखते ही देखते फैक्ट्री में धमाका हो गया।

हिमाचल के पंचायती राज मंत्री पर FIR

NHAI के मैनेजर-इंजीनियर को पीटने का आरोप

अधिकारी बोला- घड़े से सिर फोड़ा

शिमला। हिमाचल के मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। उन पर NHAI के अधिकारी के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगा है। शिमला जिले में ऑन-साइट निरीक्षण के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी पर शारीरिक हमले का उन पर आरोप लगा। इसी के बाद एफआईआर दर्ज की गई है।

मामला एनएचएआई के प्रबंधक अचल जिंदल की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिन्होंने 30 जून को भट्टाकुफर क्षेत्र में पांच मंजिला इमारत गिरने के बाद साइट के दौरे के दौरान मंत्री पर हमला करने और मौखिक दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। इसी के बाद एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने हिमाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि हालांकि, 30 जून को शिमला बाईपास परियोजना के पास भाटाकुफर, शिमला में हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने NHAI, PIU शिमला

के अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। एनएचएआई के अधिकारियों को गंभीर चोटें आई हैं और बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के मद्देनजर मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया मामले की विस्तृत जांच करें और एनएचएआई अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर कानून के अनुसार मुकदमा चलाया जाए।

इस मामले के सामने आने के बाद हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मुझे केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय से एक पत्र मिला। मुझे इसकी पूरी जानकारी नहीं है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू को इस घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है।

FIR में क्या कहा गया?

बीएनएस की धारा 132, 121 (1), 352, 126 (2) और 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। संपर्क करने पर अनिरुद्ध सिंह ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। शिकायतकर्ता ने कहा कि मंत्री ने उसके खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और फिर उसे और उसके सहयोगी को एक कमरे के अंदर बुलाया, जहां उनकी पिटाई की गई। उन्होंने आगे कहा कि उनके सिर पर फूल के गमले से वार किया गया। एफआईआर के अनुसार प्रशासन की ओर से कोई भी उनके बचाव में नहीं आया और वो और उनके सहयोगी इलाज के लिए इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) और अस्पताल चले गए।

यूपी में बड़े पैमाने पर फर्जी सर्टिफिकेट से धोखाधड़ी पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

कहा- ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई किए जाने की जरूरत

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में बड़े पैमाने पर चल रहे फर्जी सर्टिफिकेट के खेल और उससे नौकरी मिलने पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। कोर्ट ने एक शिक्षक की अर्जी पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने आवेदक शिक्षक से अपनी डिग्री को बीएड डिग्री के बराबर बताने वाले दावा पर उसे सबूत पेश करने को कहा है।

शीर्ष अदालत में अर्जी दाखिल करने वाले शिक्षक पिछले 32 साल से नौकरी कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्हें योग्यता नहीं होने के आधार पर नौकरी से हटा दिया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी शिक्षक की बर्खास्तगी के खिलाफ दाखिल याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील एम सी धींगरा ने सर्वोच्च अदालत में दाखिल याचिका में दावा किया कि आवेदक शिक्षक 'शिक्षा अलंकार' की डिग्री रखता है और जब 1991 में उसने नौकरी ज्वाइन की थी तब इस डिग्री को बीएड के बराबर मान्यता थी।

वरिष्ठ वकील धींगरा ने कहा कि जब 1997 में सरकार ने शिक्षा अलंकार की डिग्री को खत्म किया तब तक शिक्षक 7 साल की सेवा दे चुके थे। धींगरा ने कहा कि ऐसे फैसले पिछले समय से लागू नहीं किए जा सकते हैं। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस एन के सिंह की पीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि शिक्षक अपनी नौकरी बचाने के लिए ये खुद साबित करें कि उनकी शिक्षा अलंकार की डिग्री बीएड के बराबर थी। जस्टिस मिश्रा ने कहा कि मैं खुद भी यूपी से ही आता हूं और मुझे वहां की जमीनी सच्चाई मालूम है। यूपी में फर्जी सर्टिफिकेट का बड़ा फर्जीवाड़ा है। हाल ही में आगरा यूनिवर्सिटी के आठ हजार सर्टिफिकेट फर्जी पाए गए थे। इसी कारण ऐसे बर्खास्तगी के आदेश पारित किए जा रहे हैं।

अफगानिस्तान पर आगबबूला हुआ पाक

निकाला सैन्य काफिले पर आत्मघाती हमले का गुस्सा

महानगर नेटवर्क

इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। इसकी वजह खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी आर्मी पर हुआ आत्मघाती हमला है। शनिवार को पाक आर्मी के काफिले पर हुए हमले में 13 सैनिकों की मौत हुई है। पाकिस्तान ने इस हमले के लिए भारत और अफगानिस्तान पर उंगली उठाई है। पाकिस्तान ने हमले के बाद अगानिस्तान के साथ अपने बॉर्डर को बंद कर दिया है, जिससे व्यापार और आवागमन प्रभावित हो रहा है। पाकिस्तान के फैसले से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार

के साथ उसके संबंध एक बार फिर खराब होते दिख रहे हैं। दोनों देशों में पूर्व की तरह बॉर्डर पर गोलीबारी का अंदेशा भी इससे पैदा हो गया है।

पाकिस्तानी सेना के एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली इलाके में सैन्य काफिले पर हमले के बाद गुलाम खान सीमा क्रॉसिंग को बंद कर दिया गया है। अफगान सरकार के सीमा बलों के प्रवक्ता अब्दुल्ला फारूकी ने बॉर्डर बंद होने की पुष्टि की है। सूत्रों के अनुसार सीमा को फिर से खोलने के लिए कोई समय सीमा नहीं दी गई है। अफगान अधिकारियों ने नागरिकों, व्यापारियों और यात्रियों से इस रूट की जगह तोरखम या स्पिन बोल्डक क्रॉसिंग से जाने के लिए कहा है। गुलाम खान क्रॉसिंग खोस्त प्रांत में स्थित है। यह दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार और पारगमन बिंदु है, खासकर पाक के उत्तरी वजीरिस्तान से आने-जाने वाले सामानों का ये प्रमुख रास्ता है।

भाजपा नेता के साथ दुर्व्यवहार

- ओडिशा के शीर्ष अधिकारी को कार्यालय से घसीटा और मारपीट की तीन गिरफ्तार

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) कार्यालय में नाटकीय दृश्य देखने को मिला, जब कुछ लोगों के समूह ने कथित तौर पर एक भाजपा नेता के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए अतिरिक्त आयुक्त रत्नाकर साहू को घसीटा और उनके साथ मारपीट की।

भुवनेश्वर के डीसीपी जगमोहन मीना ने कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और तीन लोगों

को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार साहू पर भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान, जिन्हें "जग भाई" के नाम से भी जाना जाता है, के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के लिए हमला किया गया था। जब साहू चैंबर में दाखिल हुए तो लोगों ने उनका कॉलर पकड़ लिया और उनके सिर पर लात मारी, जैसा कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है।

फोड़ देंगे 100GB का ई-मेल बम

अब ईरान ने ट्रंप प्रशासन को दी धमकी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच ईरान से जुड़े एक हैकिंग समूह ने अमेरिका को धमकी दी है कि वह 100 गीगाबाइट बैच का ईमेल लीक कर देगा। धमकी में ईरानी समूह ने कहा है कि इन इमेल्स में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सलाहकार रोजर स्टोन और वाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स सहित उनके लंबे समय के सहयोगियों के बीच के संवाद शामिल हैं, जिसे उसने

चुराए थे। सूत्रों ने बताया है कि 2024 में राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान एक साइबर अटैक समूह ने दावा किया था कि उसके पास लगभग 100 गीगाबाइट ईमेल हैं, जिन्हें वह लीक कर सकता है। हालांकि, फर्जी नाम रॉबर्ट के तहत काम करने वाले हैकर्स ने ईमेल की सामग्री या उन्हें कब जारी करने की योजना के बारे में जानकारी नहीं दी है। समूह ने पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले भी कुछ ईमेल जारी किए थे। सूत्र को हैकर ने बताया कि उसके पास ट्रम्प की वकील लिंडसे हॉलिगन और स्टॉर्मी डेनियल्स के ईमेल अकाउंट्स के भी विवरण हैं। स्टॉर्मी डेनियल्स वही एडल्ट फिल्मों की अभिनेत्री हैं, जिसे कथित तौर पर ट्रंप के साथ संबंधों का खुलासा नहीं करने और मुंह बंद रखने के लिए ट्रंप की तरफ से 130,000 डॉलर का भुगतान किया गया था।

'केंद्र में हमारी सरकार बनी तो आरएसएस पर लगा देंगे बैन

कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे के बयान पर हंगामा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा के बीच चल रही जुबानी जंग और तेज हो गई है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर प्रतिबंध लगाने का बयान देकर विवाद को हवा दे दी है। खरगे ने कहा कि अगर केंद्र में हमारी सरकार बनती है, तो हम आरएसएस पर पाबंदी लगा देंगे। इस बयान को लेकर दोनों दलों के बीच राजनीतिक बहस

गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने आरएसएस पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी दो बार आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे हटाने का उन्हें अफसोस है।

भाजपा ने खरगे के बयान पर किया पलटवार

दूसरी ओर भाजपा ने प्रियांक खरगे के बयान पर करारा जवाब दिया है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने आरएसएस को लाखों स्वयंसेवकों वाला देशभक्ति संगठन बताया। उन्होंने खरगे के बयान को खाली बर्तन की आवाज करार दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस एक विशाल वृक्ष है, जिसे कोई भी राजनीतिक शक्ति उखाड़ नहीं सकती। विजयेंद्र ने कांग्रेस से अपनी पार्टी के भविष्य पर ध्यान देने की सलाह दी और सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस का अस्तित्व भी भविष्य में बरकरार रहेगा। इस तरह कर्नाटक में आरएसएस को प्रतिबंधित करने की बहस ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है।

स्टार्टअप शुरू करने के लिए दहेज में मांगे 100 करोड़

ससुराल वालों के जुल्म से परेशान महिला ने दे दी जान

महानगर नेटवर्क

तिरुप्पुर

तमिलनाडु के तिरुप्पुर में एक 27 साल की महिला ससुराल वालों की दहेज की मांग से परेशान हो गई। उन ससुराल वालों ने उसे शारीरिक और मानसिक तौर से प्रताड़ित किया जिससे तंग आकर उसने सुसाइड कर लिया। अब पुलिस ने महिला के पति और ससुराल वालों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका रिधन्या गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के प्रमुख अन्नादुरई की बेटी थी, जिसकी शादी इसी साल अप्रैल में कविन कुमार से हुई थी। रिश्ता पक्का होने से लेकर शादी होने तक ससुराल वालों की हर एक डिमांड पूरी की गई। वहीं शादी होने के बाद महिला रिधन्या को ज्यादा दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिसके चलते उसने आत्महत्या का रास्ता चुन लिया। पिछले

शनिवार को रिधान्या अपने ससुराल से यह कहकर निकली थी कि वह मोंडिपलायम मंदिर जा रही है। कई घंटे बाद पुलिस को इलाके में खड़ी एक कार के बारे में पता चला। उस कार के अंदर देखा गया तो रिधन्या बेहोश पाई गई थी और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। उसने कथित तौर पर कीटनाशक की गोलियां खा ली थीं। उसके शव को अविनाशी के सरकारी अस्पताल भेजा गया और रविवार को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कथित तौर पर 500 सोवरेन (करीब 4 किलो) सोने की ज्वेलरी और 70 लाख रुपये की लग्जरी वोल्वो कार देने के वादे के साथ यह रिश्ता पक्का हुआ था। शादी के दौरान केवल 300 सोवरेन ही दिए गए थे। ऐसे में लगातार ससुराल वाले बचे हुए सोने के लिए दबाव बना रहे थे। इसके चलते ही वे महिला के साथ दुर्व्यवहार करते थे।

पिता को किए 7 मैसेज

सुसाइड से पहले रिधन्या ने अपने पिता का व्हाट्सऐप पर 7 वायस नोट्स भेजे थे। रिधान्या ने विस्तार से बताया कि उसे क्या झेलना पड़ा। उसने अपने पति और उसके माता-पिता पर रोजाना मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और कविन पर कथित तौर पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। उसने एक संदेश में कहा कि मुझे यह लाइफ पसंद नहीं है। मैं इसे जारी नहीं रख सकती।

यूक्रेन के लोगों को सुसाइड बम में तब्दील कर रहा रूस

- दावे से सनसनी, कैसे दे रहा साजिश को अंजाम?

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को लेकर हाल ही में यूक्रेनी अधिकारियों ने एक ऐसा दावा किया है जिससे सनसनी फैल गई है। यूक्रेन के अधिकारियों का आरोप है कि रूसी खुफिया एजेंसियां एक बड़ा अभियान चला रही हैं, जिसके तहत यूक्रेन के लोगों को सुसाइड बॉम्बर में तब्दील कर यूक्रेन पर हमला करवाया जा रहा है। दावा है कि रूस यूक्रेन के बच्चों और युवाओं को पैसों का लालच देकर इस काम के लिए राजी करवा रहा है। यूक्रेन

सिक्योरिटी सर्विस (SBU) के मुताबिक ये रूस की गहरी चाल का हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस की खुफिया एजेंसी इससे सीमा से दूर इलाकों में रहने वाले यूक्रेनी समाज में अस्थिरता पैदा करने की रणनीति बना रही है।

द गार्जियन ने अपनी एक रिपोर्ट में यूक्रेनी अधिकारियों का हवाला देते हुए ऐसे कई मामलों के उदाहरण भी दिए हैं, जहां यूक्रेनियों को बहला-फुसलाकर इस तरह के काम करने के लिए मजबूर किया गया।

रूस ने यूक्रेन पर बरसाए 5400 से अधिक ड्रोन

जून में 'तबाही' का नया रिकॉर्ड

हर दिन करीब 180 हमले

महानगर नेटवर्क

कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। तीन साल से चल रही इस जंग में कई देशों ने इस महायुद्ध को रोकने की पहल की, लेकिन नाकाम रही। 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति की कुर्सी पर विराजने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वे जल्द ही इस महायुद्ध को रुकवा लेंगे। अभी तक ट्रंप भी यह काम नहीं कर पाए हैं। दूसरी तरफ दिन बढ़ने के साथ ही रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर हमले तेज कर दिए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार जून का महीना यूक्रेन के लिए कयामत का नया रिकॉर्ड बना गया। इस महीने रूस ने यूक्रेन पर 5438 लंबी दूरी वाले ड्रोन बरसाए, यानी हर दिन करीब

180 से अधिक हमले किए। जून महीने से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब तक का सबसे खतरनाक रूप धारण कर चुका है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि रूस ने जून में यूक्रेन पर 5,438 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, यह युद्ध की शुरुआत (फरवरी 2022) से लेकर अब तक किसी भी एक महीने में सबसे अधिक है।

रूस का नया हथियार- ईरान के सस्ते ड्रोन

विशेषज्ञों का कहना है कि रूस जानबूझकर ड्रोन हमलों की संख्या बढ़ाकर यूक्रेन की वायु सुरक्षा को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ईरानी-निर्मित 'शहीद' ड्रोन जैसे सस्ते लेकिन असरदार हथियारों का इस्तेमाल इस रणनीति को और खतरनाक बना रहा है।

लाचार यूक्रेन मांग रहा मदद

यूक्रेन लगातार अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल इंटरसेप्टर्स और आधुनिक रडार की आपूर्ति बढ़ाने की अपील कर रहा है। राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने चेतावनी दी है कि अगर इस तबाही को अब नहीं रोका गया, तो अगला निशाना कोई और देश भी हो सकता है।"

बॉयफ्रेंड ने प्रेमिका को तलवार से काट डाला

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में शिक्षिका को सनकी प्रेमी ने तलवार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। घटना कलिंजरा थाना के कलिंजरा-दाहोद मुख्य सड़क मार्ग पर हुई है। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह शिक्षिका अपने घर तरीयापाडा गांव से निकल कर सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र के सिया खूटा में पढ़ाने जा रही थी। वह कालिंजरा बस स्टैंड आकर बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान प्रेमी महिपाल भगोरा कार से बस स्टैंड पहुंच गया।

पेज 1 का शेष

रोजगार से जुड़ी कई योजनाओं ....

नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी

वैष्णव ने कहा कि R&D योजना के तहत केवल वही प्रोजेक्ट्स सपोर्ट किए जाएंगे जो टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल 4 (TRL 4) तक पहुंच गए हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि केवल प्रोटोटाइप स्टेज को पार कर चुके प्रोजेक्ट्स को ही प्रोत्साहन दिया जाएगा। TRL 4 का मतलब है कि प्रोजेक्ट अभी शुरुआती स्टेज में नहीं है, बल्कि थोड़ा आगे बढ़ चुका है। कैबिनेट ने नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2025 को भी मंजूरी दी है। यह पॉलिसी 2001 में बनी पॉलिसी की जगह लेगी। इसके अलावा सरकार ने तमिलनाडु में परमकुडी-रामनाथपुरम नेशनल हाईवे सेक्शन को चार लेन का बनाने की मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट पर 1,853 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह कदम सड़क व्यवस्था को सुधारने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप की एलन मस्क को सबसे बड़ी धमकी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भरोसेमंद माने जाने वाले उद्योगपति एलन मस्क के भविष्य पर तलवार लटक रही है। ट्रंप ने उन्हें इशारों में धमकी दी है और कहा है कि उन्हें अपनी 'दुकान बंद' करनी पड़ सकती है। चुनाव के बाद अमेरिकी प्रशासन में अहम जिम्मेदारी संभालने के बाद ट्रंप और मस्क के बीच रिश्ते तल्ख हो गए थे। इसकी वजह EV यानी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को लेकर नीति बताई जा रही है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'राष्ट्रपति के तौर पर मेरा प्रचार करने से पहले एलन मस्क जानते थे कि मैं ईवी मेन्डेट के सख्त खिलाफ हूं। यह बकवास है और हमेशा मेरे प्रचार अभियान का हिस्सा रहा था। इलेक्ट्रिक कार ठीक हैं, लेकिन सभी को एक खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। एलन को इतिहास में किसी से भी ज्यादा सब्सिडी मिल सकती थी और बगैर सब्सिडी के एलन को शायद अपनी दुकान बंद कर घर दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ सकता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'कोई रॉकेट लॉन्च, सेटेलाइट्स या इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन नहीं और हमारे देश का काफी पैसा बचेगा। शायद DOGE को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहुत पैसा बचेगा।' एक दिन पहले ही मस्क ने ट्रंप सरकार के बिल पर आपत्ति जताई थी और नई पार्टी बनाने के संकेत दिए थे। मस्क ने बताया कि 'पागलपन भरे विधेयक' में रिकॉर्ड पांच लाख करोड़ डॉलर की ऋण सीमा वृद्धि से आम अमेरिकियों को बहुत नुकसान होगा। उन्होंने लिखा, 'इस विधेयक के पागलपन भरे खर्च से यह स्पष्ट है जो ऋण सीमा को रिकॉर्ड पांच ट्रिलियन डॉलर (पांच लाख करोड़ डॉलर) तक बढ़ाता है कि हम एक पार्टी वाले देश में रहते हैं - पोर्की पिग पार्टी! एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में लोगों की परवाह करती है।'

उन्होंने तर्क दिया कि यह विधेयक साबित करता है कि डेमोक्रेट और रिपब्लिकन एक ही 'पोर्की पिग पार्टी' का हिस्सा हैं, जो आम अमेरिकियों के हितों पर बेतहाशा खर्च को प्राथमिकता देती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पूर्व समर्थक मस्क ने कहा कि नई राजनीतिक पार्टी उन अमेरिकियों का प्रतिनिधित्व करेगी जो मौजूदा द्वि-पक्षीय प्रणाली से वंचित महसूस करते हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग: मुख्य अभियंता (यांत्रिक व विद्युत)

क्र.: ई.ई. मेके. (एस.)/2063/एम एंड ई दिनांक 01 जुलाई 2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा पात्र बोलीकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. बोली आरंभ की तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति की तिथि एवं समय की जानकारी बीएमसी की वेबसाइट के 'निविदा अनुभाग' तथा महाटेंडर पोर्टल पर विस्तृत निविदा सूचना में उपलब्ध है.

अ.क्र.		कार्य का नाम
1	2025_एमसीजीएम_1196055_1	बीडीबीए अस्पताल, कांदिवली (पश्चिम) में क्षैतिज विस्तार तथा विविध सहायक कार्यों का कार्य निष्पादन.

इच्छुक निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे विस्तृत जानकारी हेतु बीएमसी की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in एवं महाटेंडर पोर्टल वेबसाइट http://mahatenders.gov.in का अवलोकन करें.

हस्ता./-

कार्यकारी अभियंता, यांत्रिक (दक्षिण)

पीआरओ/859/विज्ञा./2025-26

छत साफ रखें, पुराने सामान/जंक/कबाड को हटा दें

वास्तु शास्त्र में मोर का पंख पवित्र और शुभ फलदायी

अक्सर ऐसा देखा गया है कि कड़ी मेहनत के बाद पैसा नहीं बचा पाते, जबकि कमाई तो खूब होती है। ऐसे में उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और वे परेशान रहते हैं। इन समस्याओं को खत्म करना है तो आपको वास्तु उपाय करने चाहिए। वास्तु शास्त्र में मोर के पंख को पवित्र और शुभ फलदायी माना गया है। ऐसे में अगर इसे सही दिशा में रखा जाए तो घर में पॉजिटिविटी भी आए और धन-संपत्ति में भी बढ़ोतरी होगी।

क्या है उपाय

वास्तु शास्त्र की मानें तो मोर पंख घर की निगेटिव एनर्जी को खत्म करता है। साथ ही सकारात्मकता को बढ़ावा देता है। ऐसे में यदि इसे सही जगह पर रखा जाए, तो घर में चल रही आर्थिक परेशानी झट से खत्म हो जाएगी। मान्यता है कि मोर पंख के प्रभाव से घर में क्लेश भी कम होता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसे में इसका असर तभी बेहतर होगा जब इसकी दिशा सही हो।

वास्तु शास्त्र के हिसाब से इसे (मोर का पंख) पूर्व दिशा या उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और सुख-शांति भी घर लौट आती है। इससे मानसिक शांति को मिलती ही है साथ में आर्थिक तंगी भी दूर हो जाती है।

कहां रखना चाहिए ?

मोर के पंख को पवित्र माना जाता है ऐसे में इसे कहीं भी नहीं रखना चाहिए। मोर के पंख को आप घर के मंदिर में पूर्व दिशा में रखें। ऐसा करने से भगवान कृष्ण कृपा बनाए रखेंगे। इसके साथ ही मोर पंख को तिजोरी में रखेंगे तो धन में भी बढ़ोतरी भी होती है। समय के साथ-साथ घर में पैसों की समस्या खत्म होती है।

वास्तु के अनुसार जल तत्व का स्थान उत्तर-पूर्व

बारिश की रिमझिम फुहार, प्रकृति की सुंदरता इस मौसम में देखते ही बनती है,लेकिन वास्तु के अनुसार हमें इस ऋतु के आने से पहले कुछ खास तैयारी कर लेनी चाहिए, जो हमारे घर में खुशियों की बरसात ला सके, लेकिन बरसात की नेगेटिविटी नहीं। इस मौसम में अपने घर को वास्तु अनुकूल बनाने के लिए कुछ तैयारी पहले से ही कर लें तो बेहतर होगा, तो चलिए आपको उन्हीं के बारे में बताते हैं।

जल संचय की कर लें तैयारी

वास्तु के अनुसार मानसून यानी की वरुण देवता की कृपा हिंदू मान्यताओं के अनुसार मानसून के देवता वरुण देव बताए जाते हैं। वरुण देवता जल के देवता है ऐसे में मानसून से पहले उनके आने के तैयारी कर लेना बहुत जरूरी है इसके लिए आपको घर के जल तत्व को जांच लेना बहुत जरूरी है। वास्तु के अनुसार जल तत्व का स्थान उत्तर और उत्तर पूर्व माना गया है। इन्हीं क्षेत्रों में जल का भंडार, फव्वारा, पानी की व्यवस्था, पानी की टंकी इत्यादि होनी चाहिए। ऐसे में अगर आप वर्ष के जल का संचय करते हैं तो उसका भंडारण भी इन्हीं दिशाओं में होना चाहिए। आपके घर में वर्षा का पानी का ढाल इन्हीं दिशाओं में बनाना चाहिए। इस दिशा को साफ और हल्का रखने की सलाह दी जाती है। वर्षा ऋतु से पहले अगर इस दिशा में कोई भी अवरोध है,तो उसे दूर कर लीजिए, जिससे यहां पर वर्षा का जल संचय हो सके और यह दिशा साफ सुथरी बनी रहे।

करा लें मरम्मत

बारिश से पहले वास्तु की दूसरी टिप है कि आप अपने घर की जो भी मरम्मत है वह कर लें, दीवारों में अगर दरारें हैं, या कहीं से पानी का रिसाव है तो उसे ठीक कर लें। सीलन भरी दीवारें वास्तु क् अनुसार नेगेटिविटी को अब्जॉर्ब करती हैं। मानसून से पहले पानी के लीक होने की या पानी की व्यवस्था, नालियों की व्यवस्था को चेक कर लें।

भूमि का ढलान करें चेक

बरसात से पहले भूमि का ढलान जरूर देखें। वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार की ओर से भूमि का ढलान उत्तर से दक्षिण पूर्व या पूर्व से पश्चिम की ओर होना चाहिए। वहीं आपके मुख्य द्वार पर पानी इकट्ठा नहीं होना चाहिए। ढलान ऐसा होना चाहिए कि पानी धीरे-धीरे रिस के इन दिशाओं में चला जाए।

इन दिशाओं की कर लें जांच

अपने घर की दक्षिण और दक्षिण पूर्व दिशाओं की जांच कर लें क्योंकि यह स्थान अग्नि का है, यहां पर जल को जमा न होने दें। यहां पर अगर आपका कोई सामान या कोई भी मरम्मत की जरूरत है तो उसे कर लें। यहां पर पानी का संचय ना होने दें।

साफ और सूखा रखें घर

बरसात के दौरान घर को सुखा व साफ सुथरा रखें। घर में नमी जमा न होने दें इसके लिए ताजी हवा का संचार की पहले से ही जांच लें।

महका कर रखें घर

घर में उचित सुगंधों के जरिए बरसात से आने वाली सीलन की बदबू को दूर करने का प्रयास करें। सीलन की महक में नेगेटिविटी का वास होता है। घर में एसेंशियल ऑइल्स, लोबान या फिटकरी को महका कर रखें, जिससे बरसात के मौसम में भी वास्तु अनुकूल सकारात्मक बनी रहे। उम्मीद है इन सब उपायों को आप पर मानसून से पहले कर लेंगे, अपने घर को वास्तु के अनुकूल बना लेंगे और अपने घर में बरसात के साथ सकारात्मकता के प्रवेश के लिए तैयार हो जाएंगे।

मेकअप लगाने से पहले स्किन को ऐसे करें तैयार

बारिश में ह्यूमिडिटी की वजह से सबसे बड़ा चैलेंज मेकअप को स्किन पर टिकाना है। जिससे चेहरे का ग्लो भी खत्म ना हो और स्किन केकी भी ना नजर आए। वैसे तो आजकल प्रोडक्ट वाटरप्रूफ आते हैं लेकिन स्किन को अगर ठीक तरीके से तैयार ना किया जाए तो मेकअप के बाद भी चेहरा फीका हुआ सा दिखता है। ऐसे में कई सारे मेकअप एक्सपर्ट इन टिप्स को फॉलो करते हैं। जिसे आप भी जरूर जान लें।

फिटकरी पानी से साफ करें चेहरा

चेहरे पर पसीने से परेशान रहती हैं तो स्किन को सबसे पहले फिटकरी पानी से क्लीन करें। या फिटकरी को पानी से धोकर चेहरे पर रब करें। ऐसा करने से फिटकरी पोर्स को ब्लॉक कर देगी और पसीना नहीं निकलेगा। इसके बाद आप मॉइश्चराइजर और बाकी प्रोडक्ट को स्किन पर अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रे लगाएं

मेकअप सेटिंग स्प्रे को सभी मेकअप के आखिरी में लगाने के लिए जानते हैं। लेकिन आप इसे मॉइश्चराइजर लगाने के बाद चेहरे पर स्प्रे कर लगाएं। फिर फाउंडेशन अप्लाई करें। इससे चेहरे पर पसीना नहीं होगा और फाउंडेशन देर तक चेहरे पर टिका रहेगा। लेकिन सबसे लास्ट में भी स्प्रे को अप्लाई करना ना भूलें।

वाटर बेस्ड प्रोडक्ट करें यूज

ह्यूमिडिटी के मौसम में ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट की बजाय वाटर बेस्ट प्रोडक्ट अप्लाई करें। ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट स्किन को ग्रीसी होने से रोकेंगे। खासतौर पर ऑयली स्किन वालों को वाटर बेस्ट फाउंडेशन यूज करना बेस्ट होता है। इससे स्किन से निकलने वाले एक्स्ट्रा ऑयल की वजह से चिपचिप और डलनेस

फेस पाउडर यूज करें

फाउंडेशन लगाने के बाद स्किन पर फेस पाउडर जरूर लगाएं। फेस पाउडर की मदद से चेहरे को डस्ट करें। जिससे कि एक्सेज मॉइश्चर निकल जाता है। कॉम्पैक्ट पाउडर बारिश का जरूरी प्रोडक्ट है। इसे अपने मेकअप किट में जरूर शामिल करें। जिससे एक्स्ट्रा ऑयल को फेस पर आने से रोका जा सके।

बेसन हटाता है एक्स्ट्रा ऑयल

बारिश के मौसम में ऑयली स्किन वालों के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बढ़िया रहता है. ये एक्ट्रेस स्किन ऑयल को रिड्यूस करने में मदद करता है. इससे चेहरे कि चिपचिपाहट कम होती है और स्किन फ्रेश नजर आती है. ये स्क्रब का काम भी करता है, जिससे डेड स्किन सेल्स रिमूव होते हैं और ब्लैकहेड्स की संभावना कम हो जाती है.

गुलाबजल रखेगा स्किन को फ्रेश आप अपने मानसून स्किन केयर रूटीन में गुलाबजल को जरूर जगह दें। ये आपकी मुरझाई हुई स्किन में नई जान डालेगा और फेस को फ्रेश भी रखेगा साथ ही रंगत निखारने में भी ये कारगर होता है। इसके लिए आप गुलाब जल को टोनर की तरह यूज कर सकते हैं। अपने साथ इसका स्प्रे रख सकते हैं और अलग-अलग फेस पैक में मिलाकर लगा सकते हैं।

सावन में हाथों पर रचाएं मेहंदी के ये डिजाइन

सावन का महीना हिंदू धर्म में काफी पावन माना जाता है। इस समय भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इस दौरान महिला तैयार होकर हाथों में हरी चूड़ियां पहनती है। साथ ही हाथों में मेहंदी लगाती है। आप सावन के लिए इन मेहंदी डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं। सावन के महीने में महिलाएं एक साथ इकट्ठा होकर झूला झूलती हैं। इस मेहंदी के डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।

एक तरफ महिलाएं झुला झुलते हुए दिखाएं और दूसरे साथ में शिवलिंग की आकृति बनाएँ है। साथ ही आसपास फूल का डिजाइन बनाएं।

आप मेहंदी डिजाइन को कॉपी कर सकते हैं। मेहंदी का ये डिजाइन बहुत ही सुंदर लग रहा है। इस तरह के थ्री डी मेहंदी डिजाइन आजकल बहुत ट्रेंड में है। इसमें हाथी, कमल के फूल और जाली की डिजाइन बना सकती है। जो बहुत ही सुंदर लग ता है।

मेहंदी का ये डिजाइन बहुत ही खूबसूरत लग रहा है। साथ ही इसे घर पर लगाना भी आसान है। इसमें शिवलिंग की आकृति बनाई गई है। आसपास गोला बनाकर डिजाइन डाला गया है और उसके आसपास में महादेव लिखा है और आसान डिजाइन डाला गया है।

सावन के लिए मेहंदी का ये डिजाइन भी परफेक्ट रहेगा। इसमें कमल का फूल, बत्तख और हाथी का आकृतिक का डिजाइन डाला गया है। साथ ही आसपास जाली डिजाइन से इसे कंप्लीट किया है। मेहंदी का ये डिजाइन बहुत ही बेहतरीन लग रहा है। मेहंदी का ये डिजाइन सिंपल और सोबर लग रहा है। इसमें कमल का फूल और जाली का डिजाइन बनाया गया है, जो काफी सिंपल और सोबर लग रहा है। इस तरह का डिजाइन आप घर पर भी लगाया जा सकता है।

नई नवेली दुल्हन मेहंदी के इस डिजाइन से भी आइडिया ले सकती हैं। इसमें भी फूल, हाथी और आसपास जाली का डिजाइन डाला गया है। जो बहुत ही सुंदर लग रहा है। आप इसमें अपनी पसंद के मुताबिक कुछ डिजाइन भी शामिल कर सकती हैं।

कैसे करें हैंडलूम साड़ियों की देखभाल

फैशन की दुनिया बहुत बड़ी है। साड़ी एक ऐसा आउटफिट है जिसका ट्रेंड कभी नहीं पुराना होता है। अगर आप इसे पहनती हैं तो हर मौके पर इससे रॉयल लुक मिलता है। सिल्क, बनारसी, चिकनकारी से लेकर कांजीवरम और हथकरघा साड़ियां खूब पसंद की जाती हैं। ये साड़ियां काफी महंगी भी आती हैं। इन्हें रोजाना नहीं पहना जा सकता है। जिनमें वर्क ज्यादा होता है, उन्हें अगर सही से न रखा जाए तो साड़ियों के खराब होने का डर भी रहता है। इन्हें सही तरह से सहेज कर रखना जरूरी है। आपने देखा होगा या आपके साथ भी ऐसा हुआ होगा कि साड़ियों रखे-रखे पुरानी लगने लगीं। उनकी चमक फीकी पड़ गई। ऐसा होने पर इन्हें दोबारा पहनने का मन भी नहीं करता है। ऐसे में अगर आप सही तरीके से इनकी देखभाल करेंगी तो इसका रंग लंबे समय तक नया रहेगा और फैब्रिक भी खराब नहीं होगा। आज का हमारा लेख भी इसी विषय पर है। हम आपको हैंडलूम साड़ियों की देखभाल करने के तरीके बताने जा रहे हैं। इससे आपकी साड़ियां लंबे सालों साल नई बनी रहेंगी। आइए जानते हैं विस्तार से -

ऐसे करें हैंडलूम साड़ियों की देखरेख

अगर आप हैंडलूम साड़ियों को धुलने के बारे में सोच रहीं हैं तो उसको नमक के पानी में डालकर थोड़ी देर के लिए छोड़ देना सही रहेगा। इसके बाद इन्हें हल्के हाथों से वॉश करें। ऐसा करने से उससे गंदगी भी निकल जाएगी। आपकी साड़ी का रंग भी पक्का रहेगा।

आपको बता दें कि हैंडलूम साड़ियां बेहद नाजुक होती हैं। इसलिए कभी भी इसे वॉशिंग मशीन में धुलने की गलती नहीं करनी चाहिए। आप इन्हें हाथ से ही धुलें। पानी में सर्फ मिलाकर साड़ी को डुबोकर 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे इनकी क्वालिटी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जब भी आप हैंडलूम साड़ियों को धोएं तो इन्हे धूप में सुखाने के बजाय छाएं में रस्सी पर टांग कर ही सुखाएं। दरअसल, धूप से इस तरह की साड़ी का रंग फीका पड़ जाता है। ऐसा करने से इसकी चमक बरकरार रहेगी। हतकरघा वाली साड़ियों को प्रेस करने से पहले इसे हल्के गीले कपड़े में लपेट देना सही रहता है। इसके बाद ही साड़ी को इस्तरी करें। ऐसा करने से साड़ी की रंगत बरकरार रहेगी। आप जब भी ये साड़ियां पहनें तो उसके बाद इसे न्यूजपेपर में फोल्ड करके ही रखें। ऐसा करने से साड़ी पर सिलवटें भी नहीं पड़ेंगी और वो नई जैसी दिखेंगी। कोशिश करें कि इन्हें बाकी के कपड़ों से अलग रखें। हैंडलूम साड़ियों को आप जब भी अलमारी में रखें तो नेफ्थिलीन की गोलियां जरूर डाल दें। इससे उनमें कीड़ें नहीं पड़ेंगे और साड़ियां नई की नई रहेंगी।

आम से बनने वाली ये चीज..

बच्चे हों या बड़े, सबको आम का इंतजार रहता है और जब इसका सीजन आता है, तो हर कोई भरपूर स्वाद लेना चाहता है, लेकिन बारिश शुरू होते ही आम का मौसम जाने लगता है, लेकिन अगर आप आम का मजा पूरे साल लेना चाहते हैं तो हम आपके लिए एक ऐसी चीज लाएं हैं जिसे बनाकर आप इसे सालभर तक खा सकते हैं। चलिए जानते हैं क्या है वो चीज।

आम से बनने वाली ये चीज है आम पापड़। न सिर्फ बच्चों की पसंदीदा चीज होती है। खासबात तो ये कि ये लंबे समय तक खराब नहीं होता है। इसे बनाना भी बेहद आसान है। वैसे तो आम पापड़ मार्केट में भी मिल जाता है। लेकिन घर पर बने आम पापड़ की बात की कुछ और है।

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए। 4 से 5 पके हुए मीठे आम , चीनी, नींबू का रस, देसी घी प्लेट में लगाने के लिए। अब इसे बनाने के लिए सबसे पहले पके आमों को धोकर छील लें और उनका गूदा निकाल लें। अब इस गूदे को मिक्सी में अच्छी तरह पीस लें ताकि वह एकदम स्मूद प्यूरी बन जाए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाही लें और उसमें ये आम प्यूरी डालें। धीमी आंच पर इसे पकाना शुरू करें। जब प्यूरी हल्की गाढ़ी होने लगे, तब इसमें स्वादानुसार चीनी और नींबू का रस मिला दें। नींबू रस डालने से आम पापड़ जल्दी खराब नहीं होता। अब इस मिश्रण को लगातार चलाते रहें, ताकि नीचे न लगे। धीरे-धीरे यह गाढ़ा होकर पेस्ट जैसा हो जाएगा। इस बैटर को इतना थिक कर लें कि चम्मच से उठाने पर वह गिरे नहीं।

अब एक थाली या ट्रे लें और उसमें थोड़ा सा घी लगाकर चिकना कर लें। फिर इस आम के मिश्रण को उसमें फैला दें पतला या थोड़ा मोटा, जैसा आप चाहें। अब इसे धूप में 2-3 दिन तक सूखने दें। अगर धूप न मिले तो पंखे के नीचे भी सुखा सकते हैं, लेकिन ये पंखे में आम पापड़ को सूखने में थोड़ा ज्यादा समय लगेगा।

जब पापड़ पूरी तरह सूख जाए और चिपकना बंद कर दे, तो इसे चाकू से काट लें और रोल कर लें या टुकड़ों में स्टोर करें। आम पापड़ को एयरटाइट डिब्बे में रखें। यह 6 महीने से लेकर साल भर तक आसानी से टिकता है। ये बच्चों के लिए हेल्दी स्नैक क्योंकि बिना केमिकल के बनाया गया है। इसे ट्रेवल में ले जाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए होते हैं ज़्यादा फायदेमंद

ड्राई फ्रूट्स यानी मेवे हमारे आहार का एक अहम हिस्सा हैं, जो न केवल स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। लेकिन एक सवाल जो अक्सर उठता है वह यह है कि भुने हुए ड्राई फ्रूट्स बेहतर होते हैं या भिगोए हुए? ऐसे में डाइट पोषण विशेषज्ञ ड्राई फ्रूट्स, जैसे कि बादाम, अखरोट, किशमिश और अंजीर बारे में बता रही हैं कि ड्राई फ्रूट्स में सेहत के लिए ज़्यादा फायदेमंद कौन से हैं?

भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स:

भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स, जैसे कि बादाम, अखरोट, किशमिश और अंजीर, पाचन के लिए अधिक लाभकारी माने जाते हैं। भिगोने से इनमें मौजूद एंजाइम इनहिबिटर्स और फाइटिक एसिड जैसे तत्व कम हो जाते हैं, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डालते हैं। इसके अलावा, भिगोए गए मेवे शरीर में आसानी से पच जाते हैं और उनकी पोषक गुणवत्ता भी बेहतर हो जाती है। उदाहरण के तौर पर, भिगोए हुए बादाम में मौजूद विटामिन E और एंटीऑक्सिडेंट त्वचा, बालों और दिमाग के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

भुने हुए ड्राई फ्रूट्स:

वहीं दूसरी ओर, भुने हुए ड्राई फ्रूट्स, खासकर जो तेल या नमक में भूने गए होते हैं, उनमें वसा और सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे हृदय रोग, ब्लड प्रेशर और वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है। यदि ड्राई रोस्टेड यानी बिना तेल के भूना गया हो, तो वह कुछ हद तक सुरक्षित है, लेकिन तब भी उनमें कुछ पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं।

क्या है ज़्यादा फायदेमंद?

अगर, आप सेहत को प्राथमिकता देते हैं, तो ड्राई फ्रूट्स को भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। यह न केवल पाचन में मदद करता है, बल्कि शरीर को विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर का पूरा लाभ भी देता है। बेहतर होगा कि आप इन्हें रात भर भिगोकर सुबह खाली पेट खाएं और तले-भुने विकल्पों से बचें।

भारत को सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा: रवि शास्त्री

भारत को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली। पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महत्वपूर्ण टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए संदेश साझा करते हुए कहा कि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को पांच मैचों की सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा। भारत को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि उसने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा था और अब एजबेस्टन में होने वाले मैच से पहले उसे जल्दी से जल्दी एकजुट होने की जरूरत है, क्योंकि इस मैच में जीत से यह तय हो सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कौन जीतेगा। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू से कहा, 'भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह तुरंत जवाबी हमला करे। जब आप इस तरह का टेस्ट मैच हारते हैं, जिसमें आप ज्यादातर समय हावी रहते हैं और फिर आखिरी दिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए हार जाते हैं और इंग्लैंड को अपना संयम बनाए रखने के लिए पूरे अंक मिलते हैं, तो सीरीज में वापसी करने के लिए आपको काफी जज्बे की जरूरत होती है।'

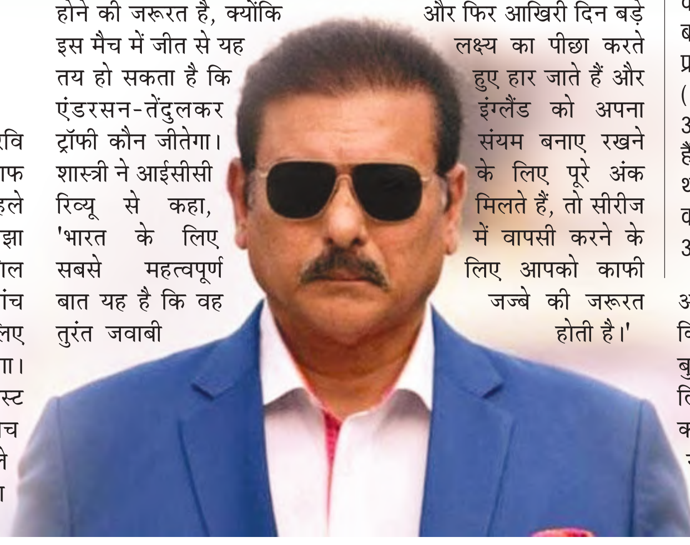

गिल ने हार से ली सीख

शास्त्री का मानना है कि नवनियुक्त कप्तान गिल ने सीरीज के पहले मैच में भारत की हार से बहुत कुछ सीखा होगा और उम्मीद है कि युवा कप्तान सीरीज के बाकी मैचों में अधिक सक्रिय रहेंगे। शास्त्री ने कहा, 'लोग कहते हैं कि वह थोड़ा प्रतिक्रियाशील था और ऐसा तब हो सकता है जब आप अपना पहला टेस्ट मैच (कप्तान के तौर पर) खेल रहे हों और खास तौर पर जब बल्लेबाजी के लिए अच्छी परिस्थितियां हों और आउटफील्ड तेज हो तो चीजें इस तरह से हो सकती हैं। लेकिन उसने इससे बहुत कुछ सीखा होगा और अब जब मौका आएगा तो वह थोड़ा और सक्रिय होना चाहेगा, जिसका मतलब है कि गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों को उसे वह समर्थन देना होगा। उन्हें पता होना चाहिए कि उनकी भूमिका क्या है और उन्हें मैदान पर उतरकर उसे अंजाम देना चाहिए।'

अभी भी सवाल बना हुआ है कि क्या तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत दूसरे टेस्ट के लिए मौका देगा, क्योंकि उनके कार्यभार को मैनेज किया जा रहा है। शास्त्री ने कहा, 'अब, बुमराह खेलेंगे या नहीं, यह तो कोई नहीं जानता। लेकिन उम्मीद करते हैं कि वह खेलेंगे, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है और सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। बस आपको एक बार में एक मैच पर ध्यान देना है। यह पांच मैचों की सीरीज है और भारत वापसी की उम्मीद कर रहा होगा।'

रोहित शर्मा और विराट कोहली के कमबैक पर लटकी तलवार

BCCI को सरकार से अभी तक नहीं मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन अमीनुल इस्लाम ने एक बड़ा दावा टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर किया है। बीसीबी ने बताया है कि बीसीसीआई को अभी तक अपनी सरकार से बांग्लादेश में टीम भेजने के लिए अप्रूवल नहीं मिला है। इस तरह रोहित शर्मा और विराट कोहली की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी पर तलवार लटकी हुई है। बांग्लादेश के दौरे पर भारतीय टीम को वनडे सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज में विराट और रोहित नजर आने वाले थे, क्योंकि वे टी20 और टेस्ट से रिटायरमेंट लेने के बाद सिर्फ वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में ही अब एक्टिव रहेंगे। 17 अगस्त से भारतीय टीम को बांग्लादेश में तीन मैचों की वनडे सीरीज और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

दोनों ने भारत के लिए आखिरी मैच मार्च में खेला था

हालांकि, वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में यह बहुत ही असंभव प्रतीत होता है। बीसीबी अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि भले ही वे अगस्त में भारत की मेजबानी नहीं कर पाएं, लेकिन उन्हें आने वाले समय में टीम इंडिया की मेजबानी करने की उम्मीद है। विराट कोहली और रोहित शर्मा की बात करें तो दोनों ने भारत के लिए आखिरी मैच मार्च में खेला था, जो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल था। अमीनुल ने सोमवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में आयोजित 19वीं बोर्ड बैठक के बाद मीडिया से कहा, ₹बीसीसीआई के साथ हमारी सकारात्मक चर्चा हो रही है। यह अगस्त या सितंबर में भारत की मेजबानी करने जैसा नहीं है, हम इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि हम सीरीज कैसे आयोजित कर सकते हैं और अगर हम अभी इसकी मेजबानी नहीं कर सकते हैं तो हम इसे किसी अन्य संभावित समय पर आयोजित करेंगे। वे (बीसीसीआई) सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।₹ बीसीबी ने आगे बताया कि वे दिसंबर-जनवरी में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के अगले संस्करण की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं।

दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम में हो सकते हैं यह बदलाव

बर्मिंघम। भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में दूसरा मैच 2 जुलाई बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में 5 विकेट से जीत दर्ज कर इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है। एसे में भारत के लिए दूसरा टेस्ट काफी अहम साबित होगा जिसके चलते भारतिय टीम में बड़े बदलाव देखने को मिलेगे। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है जिसमें कोई बदलाव नहीं किया है। हेड कोच गौतम गंभीर ने पहले ही बताया है कि जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट खेलेंगे ताकि उन्हें चोट ना लगे और उनकी फिटनेस बनी रहे। इसके चलते हो सकता है कि बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया जाए।

दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, नितीश रेड्डी, आकाशदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव

अर्शदीप सिंह का विकल्प मजबूत

इस बदलाव के बाद टीम में तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका के लिए अर्शदीप सिंह का विकल्प मजबूत नजर आ रहा है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में आकाश दीप को अर्शदीप पर तवज्जो दिए जाने की बात सामने आई है। बर्मिंघम के एजबेस्टन में पिच में टर्न और घूंघटदार स्पिनरों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए विशेषज्ञों ने कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने की सलाह दी है। कुलदीप यादव अपनी गेंदबाजी से इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बना सकते हैं।

स्मृति मंधाना ICC टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 की श्रृंखला के पहले मैच में शतक लगाया था। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी भी की थी।

मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाए थे जिसकी मदद से भारत ने 97 रन से जीत दर्ज की। मंधाना के अब 771 रेटिंग अंक है जो उनके करियर में सर्वोच्च हैं।

मोहम्मद सिराज ने शुरू किया विराट कोहली जैसा काम

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने स्टार क्रिकेटर विराट कोहली जैसा काम शुरू किया है। सिराज भी रेस्टोरेंट बिजनेस में उतर गए हैं। उन्होंने हैदराबाद शहर में अपना पहला रेस्टोरेंट खोला है, जिसका नाम जोहारफा है। जोहारफा में मुगलई, पारसी, अरबी और चीनी व्यंजन परोसे जाएंगे। सिराज इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर हैं, जहां पांच टेस्ट मैचों की सीरीज जारी है। उन्होंने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में दो शिकार किए थे। 31 वर्षीय सिराज ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "जोहारफा मेरे दिल के काफी करीब है। हैदराबाद शहर ने मुझे पहचान दी और अब इस रेस्टोरेंट के जरिए मैं शहर को कुछ लौटाना चाहता हूं। यहां लोगों को घर जैसा खाना परोसा जाएगा।" अनुभवी शेफों की एक टीम द्वारा संचालित रेस्टोरेंट के बारे में सिराज ने कहा कि जोहरफा पारंपरिक खाना पकाने की तकनीक के साथ फ्रेश और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री पर ध्यान केंद्रित करता है।

बता दें कि सिराज और कोहली ही नहीं बल्कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व पेसर जहीर खान भी रेस्टोरेंट खोल चुके हैं।

टेस्ट रिटायरमेंट से पहले क्या है नाथन लियोन की आखिरी इच्छा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर नाथन लियोन ने बताया है कि रिटायरमेंट से पहले उनकी आखिरी इच्छा इंटरनेशनल क्रिकेट में क्या है? नाथन लियोन की टेस्ट क्रिकेट से हाल-फिलहाल में संन्यास लेने की कोई योजना नहीं है। लियोन ने बताया है कि वह अपने शानदार करियर को विराम देने से पहले भारत में एक टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार भारत ने साल 2004 में टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद से टीम ने कुछ मैच जरूर जीते हैं, लेकिन टेस्ट सीरीज भारत की मेजबानी में कभी नहीं जीती। 138 टेस्ट मैचों में 556 विकेट ले चुके 37 वर्षीय नाथन लियोन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल ऑफ स्पिनर हैं। वे भारत के खिलाफ 32 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इन मैचों में उनको 130 विकेट भी मिले हैं, लेकिन वे कभी भी भारत में टेस्ट सीरीज जीतने का हिस्सा नहीं रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 2004-05 में आखिरी बार भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा किया था। इसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में घर पर हार नहीं मिली।

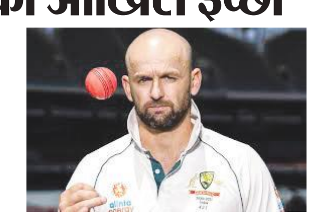

T-20 World Cup 2026 के लिए अब तक 13 टीमों का ऐलान

नई दिल्ली। ICC Men's T20 World Cup 2026 के लिए अब तक 13 टीमों का ऐलान हो चुका है। भारत और श्रीलंका में अगले साल फरवरी-मार्च में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें खेलने वाली हैं। इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका समेत कुल 13 टीमें फाइनल हो चुकी हैं, जबकि सात और टीमों का ऐलान इस साल के अक्टूबर के आखिर तक होगा। हाल ही में कनाडा की टीम ने अमेरिकी रीजन से क्वालीफाई किया है। वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमें 11 जुलाई तक फाइनल हो जाएंगी। ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के फॉर्मेट में खेले जाएगा, जिसमें पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच का आयोजन होगा। मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका ने 2026 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए पहले दो स्थानों पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद अगले 10 स्थानों का निर्धारण 2024 संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर ICC मेंस T20I टीम रैंकिंग के आधार पर हुआ। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाई, जबकि यूएसए ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था। वहीं, टी20 वर्ल्ड कप 2025 में सुपर 8 से चूकने के बावजूद पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ अपनी T20I रैंकिंग की बदौलत अगले संस्करण में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात पायदानों के लिए जंग होनी है। एशिया और ईस्ट एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें क्वॉलीफाई करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी।

'कुलदीप को लाओ, रवींद्र जडेजा को बाहर करो' : ग्रेग चैपल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की हार के लिए गेंदबाजी में विविधता की कमी और जसप्रीत बुमराह पर अत्यधिक निर्भरता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने टीम में रविंद्र जडेजा की भूमिका पर सवाल उठाए और कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने का आग्रह किया। चैपल ने पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के हाथों भारत की 5 विकेट से हार के बाद काफी आलोचना की। चैपल ने कहा, 'भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था। बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है। लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था।' भारत के पूर्व कोच रह चुके चैपल ने कहा, 'बुमराह की गैर मौजूदगी में अर्शदीप सिंह को टीम में जगह मिलनी चाहिए। इसके साथ ही कुलदीप यादव को भी उतारना चाहिए जो शेन वॉर्न के बाद कलाई का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।' उन्होने कहा, 'रविंद्र जडेजा इंग्लैंड की परिस्थितियों में फ्रंटलाइन स्पिनर नहीं माने जा सकते। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर जडेजा की बल्लेबाजी को अहमियत दी जाती है तो वह टीम में सहायक स्पिनर के तौर पर ही हो अन्यथा अगर वह बल्ले से ज्यादा कुछ नहीं कर पाते तो उनकी जगह कुलदीप को शामिल कर लें।'

गौर हो कि दूसरा टेस्ट बुधवार 2 जुलाई से खेला जाएगा और भारत को वापसी के लिए जीत दर्ज करनी होगी ताकि उसकी आगे की राह और मुश्किल ना हो।

यूरोप दौरे के लिए 20 सदस्यीय भारत-ए टीम का ऐलान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आठ से 20 जुलाई तक आठ मैचों के यूरोप दौरे के लिये 20 सदस्यीय भारत ए पुरूष टीम का एलान कर दिया है। हॉकी इंडिया ने कहा कि यह दौरा उदीयमान और अनुभवी खिलाड़ियों को उपयोगी अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने के लिये आयोजित किया गया है।

भारत ए टीम फ्रांस, आयरलैंड और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलना है।

हॉकी इंडिया ने कहा, 'इन मैचों से भारतीय हॉकी की प्रतिभाओं के पूल की गहराई और तैयारी का पता चलेगा। वे सीनियर टीम के लिये भी पूल का हिस्सा बन सकेंगे।'

भारत ए टीम की कमान संजय के हाथ में होगी जबकि एम रबिचंद्र सिंह उपकप्तान होंगे। गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको स्टैंडबाय होंगे।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच शिवेंद्र सिंह ए टीम के कोच होंगे जो आठ जुलाई को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। शिवेंद्र ने कहा, 'यह दौरा हमारे खिलाड़ियों के लिये अहम प्लेटफॉर्म होगा जिसमें उन्हें यूरोपीय हॉकी के ढांचे, स्वरूप और प्रवाह के बारे में पता चलेगा।'

भारत–ए टीम :

- गोलकीपर : पवन, मोहित एच शशिकुमार।
- डिफेंडर : प्रताप लाकड़ा, वरूण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद, संजय (कप्तान)।
- मिडफील्डर : पूवन्ना चंदुरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, एम रविचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह, राजिंदर सिंह।
- फॉरवर्ड : अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लाठे, सेल्वम कार्ति, उत्तम सिंह।
- स्टैंडबाय : अंकित मलिक, सुनील जोजो, सुदीप चिरमाको।

पीएसजी ने मेसी की इंटर मियामी को हराया

जोआओ नेवेस के दो गोल की बदौलत चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को 4-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेसी मेजर लीग सॉकर में आने से पहले दो सीजन पीएसजी से भी खेल चुके हैं। अटलांटा के स्टेडियम में 65,574 दर्शकों के अपार समर्थन के बावजूद अर्जेंटीना का स्टार खिलाड़ी कोई जादू नहीं कर पाया और उनकी टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा।नेवेस ने मैच के छठे मिनट में अपना पहला गोल दागा। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने 39वें मिनट में एक और गोल किया। इंटर मियामी पहले हाफ के अंतिम चरण में पूरी तरह से बिखर गया और उसने आत्मघाती गोल कर दिया। अचरफ हकीमी ने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करके पीएसजी को मध्यांतर से पहले चार गोल की बढ़त दिला दी। पीएसजी की इस जीत ने एक महीने पहले खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल की याद ताजा कर दी जब फ्रांस के इस क्लब ने इंटर मिलान को 5-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। क्वार्टर फाइनल में पीएसजी का मुकाबला शनिवार को अटलांटा में बायर्न म्यूनिख से होगा। जर्मन क्लब ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को हराया।

भारतीय टीम को उनका विकेट लेने की जरूरत है

पठान ने इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज के खिलाफ योजना बताई

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने भारतीय टीम के कहा कि दूसरे टेस्ट में उन्हें बेन डकेट को जल्दी आउट करना होगा। उन्होंने इसके लिए एक योजना का भी खुलासा किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बुधवार 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। डकेट ने पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक (94 गेंदों पर 62 रन, 9 चौके) और दूसरी इनिंग में शतक (170 गेंदों पर 21 चौके और एक छक्के की मदद से 149 रन) लगाया था। उनकी इस पारी के कारण इंग्लैंड ने पांचवें दिन 350 रन बनाकर भारत पर 5 विकेट से जीत दर्ज की थी। पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर की गई एक वीडियो में कहा, 'सबसे खतरनाक प्लेयर बेन डकेट को लेकर भारतीय टीम के पास क्या प्लॉन है? उन्होंने भारत के खिलाफ 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनकी सबसे अच्छी बात जो है वह यह कि जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा के खिलाफ उनका खेलना। भारतीय टीम को उनका विकेट लेना होगा।' पूर्व क्रिकेटर ने डेकट को जाल में फंसाने और उनका विकेट लेने का भी तरीका बताया है। पठान ने कहा, उनके खिलाफ क्या प्लान है? मेरे से पूछें तो सीधे मिड-ऑफ और मिड ऑन में हिट करें और गेंदबाज उन्हें LBW आउट करने की कोशिश करें। अगर आप इसी लैंथ में गेंदबाजी करते हैं और अर्शदीप खिलते हैं तो उन्हें बाहर किनारा भी मिल सकता है।

रश्मिका मंदाना की अब स्नैप पर जबरदस्त एंट्री

हर किसी के दिल में बस चुकी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब स्नैपचैट पर आ गई हैं। वह अब अपनी स्टोरीज़, स्नैप्स और स्पॉटलाइट के ज़रिए अपने जीवन के खास पल हम सभी के साथ शेयर करेंगी – वो भी अपने हमेशा की तरह के जोश, खुशी और सच्चे स्वभाव के साथ।

कभी वह कार में डांस करती नजर आएंगी, कभी शूटिंग के पीछे के पल दिखाएंगी, तो कभी अपने प्यारे डॉगी के साथ मस्ती करती नजर आएंगी – यानी आपका स्नैप फीड और भी मजेदार हो जाएगा।"मैं हमेशा एक ऐसी जगह चाहती थी जहाँ मैं खुद को और भी सच्चे और मस्त अंदाज़ में दिखा सकूं – और अब मैं यहाँ हूँ, स्नैपचैट पर। अब मैं अपने शूटिंग के पीछे के पल, छोटे-छोटे खुशी के लम्हे और मज़ेदार चीजें शेयर करूंगी। अगर आप ये देख रहे हैं, तो दिल से धन्यवाद – आप हमेशा मेरे साथ रहे हैं, और अब आगे का सफर भी आपके साथ ही करना है। रश्मिका ने कहा – जल्दी मिलती हूँ, मेरे प्यारे दोस्तों ।

जान्हवी कपूर ने दिखाया मां श्रीदेवी का चेन्नई वाला घर

वास्तु शास्त्र के हिसाब से गई अंदर

चेन्नई में कपूर परिवार का घर कभी दिवंगत श्रीदेवी का किया गया पहला बड़ा निवेश था। अब उनका परिवार वहीं रहता है। बोनी कपूर का प्यार से फिर से डिजाइन किया गया यह घर गहरा बहुत खास है और यह ऐसी जगह है जहां उनकी बेटियां जान्हवी और खुशी कपूर अक्सर अपनी मां की यादों के करीब महसूस करने के लिए आती हैं। हाल ही में कुछ ऐसा ही हुआ, जब जान्हवी कपूर ने अपनी मां का पूरा घर दिखाया।

हाल ही में वोग हाउस टूर में, जान्हवी कपूर ने फैंस को अपने चेन्नई वाले घर की एक दिल को छू लेने वाली झलक दिखाई। उन्होंने दर्शकों का स्वागत साइड एंट्रेंस से किया, जो एक आरामदायक और सोच-समझकर डिजाइन किए गए रहने की जगह है। घर में एक विंटेज टच है जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है, इसकी दीवारों पर दुनिया भर से इकट्ठा की गई कलाकृतियां और खजाने लगे हैं। क्लासिक झूमर ऊपर लटके हुए हैं, जो बहुत बड़ा है।घर की सजावट एक बोल्ड स्टेटमेंट देती है, लेकिन आरामदायक कोनों बाकी के एरिया को देखकर आपका मुंह भी खुला रह जाएगा। लिविंग एरिया में आलीशान, बड़े आकार के सोफे हैं। अपने पिता के प्राइवेट क्वार्टर की एक दिल को छू लेने वाली झलक में, जान्हवी ने ऐसी जगह दिखाई जो सचमुच पर्सनल टच से भरी हुई है, जिसमें उनके पिता बोनी कपूर के फोटो कलेक्शन हैं, जैसा कि जान्हवी प्यार से कहती हैं।

'बोटॉक्स-फिलर्स को ना कहें...' मल्लिका शेरावत का 'नो मेकअप' Video

शेफाली जरीवाला की मौत के बाद की ये गुजारिश

शेफाली जरीवाला की मौत ने हर किसी को झकझोर दिया है। उनकी मौत के करीब तीन दिन बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने अपना एक 'नो-मेकअप' और 'नो-फिल्टर' वीडियो शेयर किया है। उन्होंने फैंस को बोटॉक्स या फिलर्स के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी। साथ ही लोगों से आर्टिफिशियल कॉस्मेटिक प्रोसिजर से दूर रहने की गुजारिश की है। इसकी जगह नैचुरल और हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाने के लिए कहा है। मालूम हो कि 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से फेमस शेफाली जरीवाला का 27 जून को निधन हो गया। उन्होंने 42 साल की उम्र में आखिरी सांस ली।

हेल्दी लाइफस्टाइल जीने वाली शेफाली की मौत को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वो एंटी-एजिंग दवाइयां ले रही थीं। व्रत होने के कारण वो भूखे पेट थीं, इसके बावजूद उन्होंने इंजेक्शन की मदद से दवाई ली। इसके बाद ही उनकी हालत खराब होने लगी। उन्हें बेहोशी की हालत में हॉस्पिटल ले जाया गया था, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वो अपने पीछे पति पराग त्यागी को छोड़ गई हैं। कपल को बच्चा नहीं हुआ था। वहीं, मल्लिका शेरावत ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'आप सभी को गुड मॉर्निंग। मैं अभी उठी और सोचा, मैं एक सेल्फी वीडियो बनाऊंगी और इसे आप सभी के साथ शेयर करूंगी। मैंने कोई फिल्टर इस्तेमाल नहीं किया है, मैंने कोई मेकअप नहीं किया है... मैंने अभी तक अपने बालों को ब्रश भी नहीं किया है। ये पहली चीज है, जो मैं कर रही हूं।'

हेरा फेरी 3 के लिए सुनील शेट्टी की फीस सबसे कम

हेरा फेरी 3 में परेश रावल की वापसी के बाद दर्शक काफी खुश हैं। परेश रावल के फिल्म छोड़ने वाली कॉन्ट्रोवर्सी से हेरा फेरी 3 को काफी लाइमलाइट मिल चुका है। इस बीच खबर आई थी कि परेश रावल ने अक्षय कुमार को 11 करोड़ रुपये साइनिंग अमाउंट वापस कर दिया था। अब पूरी हेरा-फेरी 3 टीम की फीस के चर्चे हैं। यहां जानें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल में किसको सबसे कम पैसा दिया गया। हेरा फेरी 3 से दर्शकों के साथ मेकर्स को भी काफी उम्मीद है। लंबे वक्त से फैन्स इसकी फ्रैंचाइजी लाने की मांग कर रहे थे। डिमांड को देखते हुए माना जा रहा है कि मेकर्स इस फ्रैंचाइजी की तीसरी इंस्टॉलमेंट से बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर लेंगे। बताया जा रहा है कि तीनों लीड एक्टर्स ने भी अपनी फीस काफी बढ़ा दी है। बात करें परेश रावल की तो रिपोर्ट्स हैं कि बाबू भैया को हेरा-फेरी 3 के लिए 15 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। फिल्म की कॉन्ट्रोवर्सी से पहले 11 करोड़ रुपये मिलने की खबर आ चुकी है जो कि उन्होंने अक्षय कुमार को वापस कर दिए थे। सुनील शेट्टी की फीस की नहीं पता चल पाई है। हालांकि टाइम्स नाऊ के मुताबिक उन्हें 2 करोड़ से 5 करोड़ के बीच रुपये मिले हैं। अक्षय कुमार की फीस सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट्स हैं कि उन्हें 20 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके अलावा उनका हिस्सा प्रॉफिट में भी होगा। इन सबको मिला लिया जाए तो उनको 60 से 145 करोड़ के बीच रुपये मिल जाएंगे।

खुशी मुखर्जी ने 2 महीने में घर बैठे कमाए 10 करोड़

'स्प्लिट्सविला' की कंटेस्टेंट रह चुकीं खुशी मुखर्जी अपने दिलकश अंदाज के कारण सुर्खियों में रहती हैं। वह स्पॉट होती हैं और आलोचना का शिकार होती हैं। एक्ट्रेस जिस तरह के आउटफिट्स पहनकर सड़कों पर निकलती हैं, हर कोई अपनी आंखें बंद करने पर मजबूर हो जाता है। उनके फैशन को 'अश्लील' कहा जाता है लेकिन वह खुद की तुलना हॉलीवुड एक्ट्रेसेस और उर्फी जावेद से करती हैं। खैर। अब उनकी कमाई का एक दावा हो रहा है, जो खुद ने ही किया है।

कंगना शर्मा के बाद अब खुशी मुखर्जी अपने बेबाक अंदाज के लिए छाई रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक किसी पोर्टल को इंटरव्यू दिया और उसमें अपनी कमाई का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने दो महीने में करीब 10 करोड़ रुपये कमाए थे। खुशी ने दावा किया था कि उन्होंने वीडियो बेचा था, जिससे उनकी इतनी मोटी कमाई हुई थी। जब पूछा गया कि वीडियो कहां और कैसे बेचे तो खुशी मुखर्जी ने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने एक एप बनाया था, जो अभी भी मौजूद है। लेकिन अब उसका कंटेंट उन्होंने बदल दिया है। उसी एप पर वीडियो बेचे थे। फिर सवाल किया गया कि क्या वहां अश्लील कंटेंट परोसा जा रहा था तो उन्होंने जवाब दिया था कि वैसा कोई कंटेंट नहीं था। वेब सीरीज वगैरह करते थे। खुशी मुखर्जी ने बताया था कि एप में कुछ ऐसे लोग होते थे जिन्हे मुझसे बात करनी होती थी। वह उनसे बात करते थे और फोटो-वीडियो या जो कंटेंट उपलब्ध होता, उसको अनलॉक करते थे। एक्ट्रेस के मुताबिक, एक शख्स तो विदेशी था, जिसने उस एप के कंटेंट के लिए 1 करोड़ 13 लाख रुपये खर्च कर दिए थे। उसने एक बार नहीं, बल्कि ऐप पर 4 से 5 बार विजिट की थी। उन्होंने बताया था ऐसा कुछ अश्लील नहीं होता था। बस नार्मल हाय-हेलो होती थी।

इसलिए तुम्हारी पढ़ाई पर पैसे खर्च किए?

अभिषेक की परफॉर्मेंस से नाराज अमिताभ ने लगाई थी क्लास

अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक को हमेशा सपोर्ट करते हैं। पिछले कुछ समय से तो वह सोशल मीडिया पर बेटे की फिल्मों की और उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ करते नहीं थकते हैं। यहां तक की अगर कोई अभिषेक को ट्रोल करने की कोशिश भी करता है तो बिग बी उन्हें करारा जवाब दे देते हैं। अब अभिषेक ने एक ऐसे किस्से के बारे में बताया जब बिग बी ने उनकी क्लास लगा दी थी।अभिषेक से द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि इन दिनों सोशल मीडिया पर उनके पिता उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि उन्हें शर्मिंदगी होती है। लेकिन उन्हें इस बात का एहसास है कि उनके पिता 83 साल के हैं और अब उन पर प्यार लुटा रहे हैं जो तब नहीं किया जब वह यंग थे। इसके बाद अभिषेक ने एक किस्सा बताया।

उन्होंने कहा, 'सिंगापुर में आईफा अवॉर्ड्स में युवा फिल्म का प्रीमियर था और मैंने फिल्म देखी तो मुझे एहसास हुआ कुछ स्पेशल होने वाला है। अभिषेक ने कहा कि पहली बार उन्हें खुद की परफॉर्मेंस टॉलरेट हुई। लेकिन स्क्रीनिंग के बाद वह शम्मी कपूर के पास गए और उन्हें सीट से उठने में मदद करने की कोशिश की। शम्मी ने लेकिन मना कर दिया और खुद उठ गए, लेकिन उन्होंने अभिषेक की तारीफ की। सभी लोग अभिषेक के लिए ताली बजा रहे थे, उनकी मां के आंखों में आंसू आ गए थे, लेकिन उनके पिता ने कहा कि वह बाद में बात करेंगे। लेकिन वो बात हुई नहीं जब तक अमिताभ ने कॉफी विद करण में नहीं कहा कि उन्हें युवा में अभिषेक का काम पसंद नहीं आया।'

राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' का ट्रेलर देख गदगद हुए फैन्स

राजकुमार राव की अगली फिल्म 'मालिक' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें डायलॉग बाजी भरपूर है। 'स्त्री 2' में धमाल मचा चुके राजकुमार राव अपनी अपकमिंग फिल्म 'मालिक' के साथ जल्द ही सिनेमाघरों में आ रहे हैं। लंबे समय बाद ऐसा लग रहा है कि राजकुमार राव अपने अब तक के किरदार से हटकर दिख रहे हैं। इस ट्रेलर की शुरुआत ही एक धाकड़ डायलॉग के साथ हो रही है। राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' जहां इसी महीने 11 जुलाई को रिलीज होने जा रही है, वहीं अब मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा दिया है। दो मिनट 45 सेकंड के इस ट्रेलर में राजकुमार राव ने जबरदस्त डायलॉग मारा है। अब तक रोमांटिक, कॉमेडी और हॉरर-कॉमेडी जैसी फिल्मों में नजर आ चुके राजकुमार राव की ये फिल्म उनके एक्शन अवतार वाली पहली फिल्म है। इस ट्रेलर की शुरुआत होती है कुछ इंटेंस सीन के साथ जहां कई सारे पुलिस वाले अपनी बंदूकें ताने दिख रहे हैं। पीछे से डायलॉग सुनाई देती है, 'एक मजबूर बाप का बेटा हो तो जो नहीं हो, वो बनने की कोशिश मत करो।'

करण जौहर बोले- वॉट्सऐप चैट लीक हुई तो छोड़ना पड़ेगा भारत

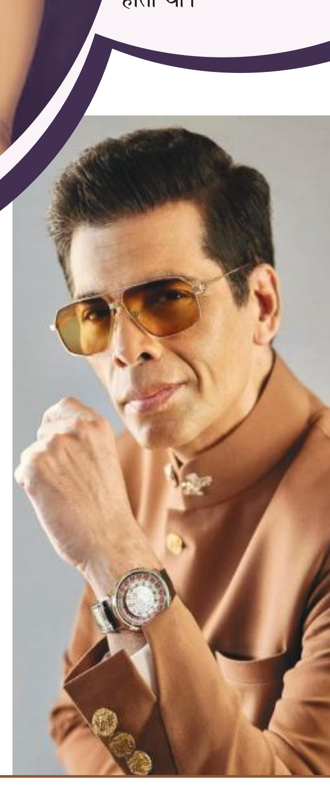

करण जौहर ट्रेटर शो होस्ट कर रहे हैं। उनके शो कॉफी विद करण में कई बार करण के दोस्त उनके वॉट्सऐप ग्रुप का जिक्र छेड़ चुके हैं। अब एक इवेंट में करण जौहर मौजूद थे तो लोगों ने फिर से उनकी चैट्स का जिक्र छेड़ा। करण ने जवाब दिया कि अगर लोगों को पता चल जाएगा कि आपस में वह ग्रुप में क्या चैट करते हैं तो उन्हें भारत छोड़कर भागना पड़ेगा। करण जौहर Mojo Story के एक शो में बरखा दत्त से बात कर रहे थे। दर्शकों में से किसी कहा कि करण जौहर जरूर बॉलीवुड के सबसे एक्साइटिंग वॉट्सऐप ग्रुप के मेंबर होंगे। करण से पूछा कि क्या कभी उस ग्रुप की बातचीत पर फिल्म बनाना या किताब लिखना चाहेंगे? करण पहले तो चौंके फिर जवाब दिया, 'अगर किसी को मेरे और मेरे फिल्मी बिरादरी वाले ग्रुप का एक्सेस मिल गया तो मुझे लंदन भागना पड़ेगा।

Bigg Boss 19 में आएंगी सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड?

सलमान खान होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। इस सीजन के लिए फैंस को काफी इंतजार करना पड़ा है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि मेकर्स दर्शकों को लिए क्या कुछ नया लेकर आते हैं। बिग बॉस 19 में कौन से सेलेब्रिटीज बतौर कंटेस्टेंट नजर आएंगे इस बारे में लोग कयास लगा रहे हैं और अब खबर है कि इस सीजन में सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर भी नजर आ सकती हैं।

सलमान खान और यूलिया वंतूर का नाम काफी वक्त तक सुर्खियों में रहा है। बिग बॉस से जुड़ी खबरें साझा करने वाले प्लेटफॉर्म बिग बॉस खबरी ने अपनी एक पोस्ट में बताया है कि सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर से मेकर्स ने शो के लिए संपर्क किया है। पोस्ट के मुताबिक यूलिया से पहले भी कई बार संपर्क किया गया है लेकिन उन्होंने हमेशा शो में आने से इनकार कर दिया है। लेकिन क्या इस बार वो बिग बॉस हाउस में बतौर कंटेस्टेंट नजर आएंगी? इस सवाल का जवाब दर्शकों को जल्द ही मिल जाएगा। बात करें इस बारे में पब्लिक के रिएक्शन की तो लोगों ने मिली जुली प्रतिक्रिया दी है। कमेंट बॉक्स में एक फॉलोअर ने लिखा- फिर तो यह सीजन बायस्डनेस के रिकॉर्ड तोड़ देगा। दूसरे ने लिखा- उम्मीद है इस बार वीकेंड पर ज्यादा भाषण नहीं सुनना पड़ेगा।

पूरे तीन मिनट का होगा 'रामायण' का टीजर

इस दिन रिलीज होगी फिल्म की पहली झलक!

रणबीर कपूर और सई पल्लवी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही यह बॉलीवुड की कुछ मोस्ट अवेटेड फिल्मों में शुमार है। सनी देओल जहां हनुमान के किरदार में होंगे और KGF के रॉकी भाई, यानि यश रावण का किरदार निभाते नजर आएंगे। फैंस फिल्म के हर अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं और अब एक ताजा जानकारी के मुताबिक जल्द ही फिल्म का लोगो रिलीज किया जा सकता है, जिसके साथ फिल्म की पहली झलक भी दी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक रामायण का लोगो मेकर्स 3 जुलाई 2025 को रिलीज करेंगे। खबर यह भी है कि फिल्म का टीजर तैयार किया जा चुका है लेकिन मेकर्स इसे अभी रिलीज नहीं करना चाहते हैं। फिल्म का टीजर ही करीब 3 मिनट का बनाया गया है जो कि दर्शकों का एक्साइटमेंट कई गुना बढ़ा देगा। ऐसा इसलिए क्योंकि फिल्म की रिलीज में अभी काफी वक्त है। रामायण की कहानी सुनाती इस फिल्म की रिलीज में अभी भी डेढ़ साल के लगभग वक्त बचा हुआ है। इस बीच फिल्म के AI से बनाए गए पोस्टर्स और अलग-अलग किरदारों के लुक सोशल मीडिया पर खूब शेयर किए जा रहे हैं। बता दें कि ओम राउत के निर्देशन में बनी प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' भी रामायण की कहानी थी, लेकिन मेकर्स ने ना सिर्फ डायलॉग्स के मामले में, बल्कि बाकी तमाम छोटी-बड़ी चीजों के मामले में दर्शकों को काफी निराश किया।